# प्रथम न्यूज

PRATHAM NEWS राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

Website: www.prathamnews.in email:- dainikprathamnews@gmail.com

Pratham News @dainikprathamnews


**सुविचार**

जीवन में बड़ा बनने के लिए बड़े सपने देखना जरूरी है, लेकिन उन सपनों को पूरा करने के लिए उससे भी बड़ी मेहनत करना आवश्यक है।

वैभव सूर्यवंशी का तूफान नहीं आया काम, अफगानिस्तान ने भारत को दी शिकस्त...

» पृष्ठ 7 पर

जालंधर, वर्ष: 16 अंक : 161 | दिनांक : शुक्रवार, 12 जून 2026 | सम्पादक : विवेक धीर | सम्पर्क: | 97796-00900 | पन्ने- 8 | मूल्य: ₹ 2.00/- | RNI No I PUNHIN/2010/36540

## संक्षिप्त न्यूज

### पाकिस्तानी सेना ने निहत्थे प्रदर्शनकारियों पर बरसाई गोलियां, POK में 16 लोगों की मौत

**कराची ( एजेंसी )** पाकिस्तान के कब्जे वाले पीओके के रावलकोट में एक और दुखद और खूनी घटना सामने आई है। पाकिस्तानी सेना के जवानों और रेंजर्स ने शहर के ईदगाह मैदान में जमा हजारों निहत्थे प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चला दीं। आम नागरिकों का शांतिपूर्ण प्रदर्शन अचानक खौफनाक मंजर में बदल गया। ये लोग सस्ता आटा, चावल, बिजली और बुनियादी अधिकारों की मांग कर रहे थे। रावलकोट में 60,000 से 70,000 लोग जमा हुए थे, तभी पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने बिना किसी चेतावनी के भीड़ पर गोलियां बरसा दीं। प्रदर्शनकारियों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। इस घटना के बाद रावलकोट में हर तरफ परेशान करने वाला मंजर दिखाई दिए। खून से सनी सड़कें, खून से लथपथ खेत और अपनों की तलाश करते दुखी परिवार इस कार्रवाई की मानवीय कीमत के प्रतीक बन गए। पाकिस्तानी सेना के जवानों और रेंजर्स द्वारा निहत्थे प्रदर्शनकारियों पर च-47 राइफलों से गोलीबारी करने के बाद कम से कम 16 नागरिकों की मौत हो गई और 37 से ज्यादा लोग घायल हो गए।

कई निवासियों के लिए, यह त्रासदी आज शुरू नहीं हुई। शुक्रवार से चल रहे विरोध प्रदर्शनों के खिलाफ चल रही कार्रवाई में 53 नागरिकों की जान जा चुकी है। हर आंकड़े के पीछे एक ऐसा परिवार है जिसने पिता, बेटा, भाई, बेटी या दोस्त को खो दिया है।

### ओमान के पास भारतीय नाविकों वाले एक और जहाज में लगी आग

**नई दिल्ली ( ब्यूरो )**- ओमान के पास भारतीय नाविकों वाले तीसरे जहाज में आग लगी। ओमान में भारतीय दूतावास ने इस घटना की पुष्टि की और कहा कि वे स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं और आगे की जानकारी के लिए स्थानीय अधिकारियों के साथ तालमेल बिठा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, ओमान तट के पास शाहिद पोर्ट के पास भारतीय क्रू वाले एक जहाज़ पर आग लगने की एक और घटना की खबर है। फॉरवर्ड सीमेन्स यूनियन ऑफ इंडिया के अनुसार, रूख जलवीर नाम के इस जहाज पर 20 क्रू सदस्य सवार हैं। इस हफ्ते ओमान के पास भारतीय क्रू वाले जहाज पर हमले की यह तीसरी घटना है।

### MP में बीजेपी ने निर्विरोध जीती तीनों राज्यसभा सीटें, तरुण चुग, रजनीश अग्रवाल और महेश केवट को मिला प्रमाण पत्र

**भोपाल ( ब्यूरो )**- मध्यप्रदेश में राज्यसभा चुनाव के बाद सियासत और गरमा गई है। भारतीय जनता पार्टी ने तीनों सीटों पर जीत दर्ज कर ली है और पार्टी के उम्मीदवार रजनीश अग्रवाल, महेश केवट और तरुण चुग को रिटर्निंग ऑफिसर ने प्रमाण पत्र भी जारी कर दिए हैं। वहीं कांग्रेस प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त होने का मामला अब राजनीतिक और कानूनी दोनों मोर्चों पर चर्चा का विषय बना हुआ है। इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस जहां विरोध प्रदर्शन की तैयारी कर रही है, वहीं सुप्रीम कोर्ट में भी जल्द सुनवाई होने वाली है। दोनों दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप के चलते प्रदेश की राजनीति में नया घमासान देखने को मिल रहा है।

## नीति आयोग की बैठक में बोले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

# दुनिया में अनिश्चितता, भारत पूरे भरोसे के साथ आगे बढ़ रहा

## नीति आयोग की बैठक में तय हुआ विकसित भारत का एजेंडा, केंद्र और राज्य के बीच हो सहयोग : पीएम मोदी

**» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली**

11 जून ( एएम नाथ )

दिल्ली में वीरवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता नीति आयोग की 11वीं गवर्निंग काउंसिल बैठक हुई। जिसमें देश के सभी राज्यों और शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, उपराज्यपाल, केंद्रीय मंत्री और नीति आयोग के अधिकारी शामिल हुए। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने केंद्र और राज्यों के बीच मिलकर काम करने पर जोर दिया है। पीएम ने कहा कि जब हम %विकसित भारत% के अपने सपने की तरफ बढ़ रहे हैं तो फिर केंद्र और राज्यों की जिम्मेदारी और ज्यादा बढ़ जाती है।

तमिलनाडु, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल के नए मुख्यमंत्री पहली बार इस बैठक में शामिल हुए। नीति आयोग की बैठक में पीएम मोदी ने कहा कि आज दुनिया अनिश्चितता और अस्थिरता के दौर से गुजर रही है। लेकिन भारत आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। विकसित भारत के विजन को हासिल करने के लिए अब हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारियां भी बढ़ जाती हैं। उन्होंने केंद्र और राज्यों के बीच आपसी सहयोग, बातचीत और संवाद के आदान-प्रदान की बात कही है। जिसमें

नीति आयोग सहयोग के लिए एक मंच के तौर पर अपनी बड़ी भूमिका निभा सकता है। जिसमें राज्यों और केंद्रों के बीच संवाद होना चाहिए। ताकि हम मिलकर एक ही विजन पर काम कर सके।

### सशक्त युवा ही भारत को आगे बढ़ाएगा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत का डेमोग्राफिक डिविडेंड हमारे लिए एक ऐतिहासिक मौका है। जिसे हम गंवा नहीं सकते हैं। आज अच्छी शिक्षा, स्किलिंग और रोजगार के मौकों के जरिए युवाओं को सही इकोसिस्टम बनाना ही हमारी प्राथमिकता होना चाहिए। क्योंकि सशक्त युवा ही विकसित भारत की हमारी यात्रा को आगे बढ़ाने वाली ताकत में अहम होंगे। पीएम ने बैठक में बताया कि भारत सरकार ने विकास और निर्यात के मौके बढ़ाने के लिए दुनियाभर के कई देशों के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट किए हैं। ये समझौते हमारे एमएसएमई के लिए भी एक बड़ा मौका है। जिससे वे अंतरराष्ट्रीय मानकों को अपनाकर और अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाकर ग्लोबल मार्केट के लिए भी तैयार हो सकते हैं।

### देश में महिलाओं का अहम योगदान

देश में महिलाओं के योगदान की भी प्रधानमंत्री मोदी ने तारीफ की है। महिलाओं के नेतृत्व में विकसित भारत के विजन की नींव है। जहां महिलाएं खेती और स्टार्टअप से लेकर विज्ञान और इनोवेशन तक हर क्षेत्र में योगदान दे रही हैं। पीएम ने कहा कि राज्यों को भी महिलाओं की पूरी क्षमता का इस्तेमाल करते हुए भारत की विकास यात्रा को आगे बढ़ाने के लिए शिक्षा, स्किलिंग सुरक्षा और सशक्तिकरण को प्राथमिकता देनी चाहिए।

### न्यूक्लियर एनर्जी के बारे में भी बात हुई : अशोक कुमार लाहिड़ी

नीति आयोग के उपाध्यक्ष अशोक कुमार लाहिड़ी ने 11वीं गवर्निंग काउंसिल बैठक के नतीजों पर कहा कि आज सभी राज्यों के मुख्यमंत्री बैठक में शामिल हुए। बैठक का मुख्य एजेंडा विकसित भारत के लिए समावेशी मानव विकास था। इसमें जीवन के सभी चरणों बचपन से बुढ़ापे तक को शामिल किया गया है। राज्यों ने अपने विचार रखें हैं। उन्होंने कहा कि कई मुख्यमंत्रियों और प्रधानमंत्री ने अव्यवस्थित शहरीकरण के बारे में बात की है। आवास, सीवरेज, इंडस्ट्रियल पार्क आदि पर चर्चा हुई। कई मुख्यमंत्रियों ने कहा कि समाधान ऊंची इमारतें बनाने और फिर इंफ्रास्ट्रक्चर आदि की चिंता करने में नहीं है। छतों, स्कूलों, सरकारी इमारतों आदि पर सोलर एनर्जी को बढ़ावा देना है। न्यूक्लियर एनर्जी के बारे में भी बात हुई। न्यूक्लियर एनर्जी सुरक्षित है।

# हरियाणा में पहली बार एटीएस का गठन

## आतंकवाद से निपटने के लिए बनेगा विशेष कमांडो दस्ता

**» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़**

11 जून ( एएम नाथ )

हरियाणा में आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए पहली बार पुलिस में आतंकवाद निरोधी दस्ता (एटीएस) बनाने की मंजूरी मिल गई है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देश पर गृह सचिव सुधीर राजपाल ने एटीएस के गठन की अधिसूचना भी जारी कर दी, जिसका मुख्यालय पंचकूला में होगा।

आतंकवादियों और आतंकी नेटवर्क से निपटने के लिए गठित एटीएस में राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) की तर्ज पर विशेष प्रशिक्षित कमांडो शामिल किए जाएंगे, जिनकी कमान पुलिस महानिरीक्षक स्तर के अधिकारी के हाथ में होगी।

आतंकवाद से जुड़े मामलों की जांच सामान्य पुलिस की बजाय एटीएस करेगा, जिसकी अपनी कमांड, अपना मुख्यालय और अपने अलग पुलिस थाने होंगे। पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल ने बताया कि आधुनिक तकनीक, विशेष प्रशिक्षण, मजबूत खुफिया तंत्र और अंतर-एजेंसी समन्वय के माध्यम से यह दस्ता आतंकवाद, कट्टरपंथ और संगठित आतंकी नेटवर्क के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करेगा। जल्द ही राष्ट्रीय सुरक्षा के मानकों के अनुरूप एक सशक्त एवं पेशेवर एटीएस तैयार

किया जाएगा, जो प्रदेश को सुरक्षित, शांतिपूर्ण और भयमुक्त बनाए रखने में अहम भूमिका निभाएगा।

एटीएस का कार्य आतंकी घटनाओं पर प्रतिक्रिया, आतंकवाद से जुड़े मामलों की जांच और मुकदमा चलाना, खुफिया जानकारी जुटाना, प्रोसेस करना और शेयर करना, इंटर एजेंसी आपरेशनल कोर्डिनेशन, आतंकवाद से संबंधित डेटाबेस को बनाए रखना, संबंधित डेटा का रिसर्च और एनालिसिस और स्किल अपग्रेडेशन के लिए ट्रेनिंग देना होगा।

एटीएस का नेतृत्व पुलिस महानिरीक्षक स्तर के अधिकारी द्वारा किया जाएगा। एटीएस सीआइडी के कमांड एवं नियंत्रण में कार्य करेगा।

इसकी संरचना आधुनिक सुरक्षा चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए बहुस्तरीय बनाई गई है। इसमें एनएसजी की तर्ज पर एक अत्यंत प्रशिक्षित विशेष कमांडो बल शामिल होगा, जो त्वरित कार्रवाई और संवेदनशील अभियानों को अंजाम देगा। खुफिया एवं संचालन शाखा आतंकवादी संगठनों की पहचान, निगरानी और गिरफ्तारी के लिए उत्तरदायी होगी।

### पंचकूला और गुरुग्राम में होंगे थाने

पूरे हरियाणा को कवर करने के लिए एटीएस के दो थाने बनाए जाएंगे। पंचकूला एटीएस के अधिकार क्षेत्र में पंचकूला, अंबाला, कुरुक्षेत्र, यमुनानगर, करनाल, पानीपत, कैथल, हिसार, हांसी, फतेहाबाद, जींद, सिरसा, रोहतक, भिवानी और चरखी दादरी जिले शामिल किए गए हैं। गुरुग्राम एटीएस सोनीपत, झज्जर, गुरुग्राम, फरीदाबाद, पलवल, नूंह, रेवाड़ी और महेंद्रगढ़ जिले को संभालेगा।

### सुरक्षा से कोई समझौता नहीं

पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का मानना है कि राज्य की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। आतंकवाद के विरुद्ध किसी भी प्रकार की ढिलाई स्वीकार्य नहीं की जा सकती। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि एटीएस के गठन से हरियाणा की कानून व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी।

### कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे समेत चार उम्मीदवार कर्नाटक से राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित

**नई दिल्ली ( ब्यूरो )**- कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे समेत 4 उम्मीदवारों को बृहस्पतिवार को कर्नाटक से राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। इनमें एक BJP उम्मीदवार हैं। राज्य से मौजूदा चार राज्यसभा सदस्यों इरन्ना कडाडी और नारायण कोरागाप्पा (दोनों भाजपा से), कांग्रेस के मल्लिकार्जुन खड़गे और जनता दल (सेक्युलर) के नेता एच.डी. देवेगौड़ा का कार्यकाल 25 जून को खत्म हो रहा है और इन रिक्त पदों को भरने के लिए चुनाव की घोषणा की गई थी।

खड़गे कर्नाटक से संसद के उच्च सदन के लिए फिर से मैदान में थे। खड़गे के अलावा, अन्य नवनिर्वाचित सदस्यों में कांग्रेस सचिव मंसूर अली खान, कांग्रेस के मीडिया और प्रचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा और भाजपा के एम. नागराज शामिल हैं। कर्नाटक की चार राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव 18 जून के लिए तय था और सोमवार (नामांकन की आखिरी तारीख) तक पांच उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किए थे। कर्नाटक विधानसभा के सदस्यों को इस चुनाव में विधान सौध में मतदान करना था।

हालांकि, अधिकारियों ने बताया कि जांच के दौरान एक निर्दलीय उम्मीदवार द्वारा दाखिल नामांकन रद्द कर दिया गया। उम्मीदवारी वापस लेने की आखिरी तारीख बृहस्पतिवार थी। अधिकारियों ने बताया कि चूंकि मैदान में केवल चार उम्मीदवार ही बचे थे, इसलिए उन्हें निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया।

# असम-नागालैंड सीमा विवाद खत्म होने की ओर : अमित शाह

**» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली**

11 जून ( ब्यूरो )

असम और नागालैंड के बीच वर्षों से चला आ रहा सीमा और ऊर्जा विवाद अब सुलह की ओर बढ़ता दिख रहा है, जिसे एक बड़ी कामयाबी के रूप में देखा जा रहा है। विवादित सीमावर्ती इलाकों में मौजूद पेट्रोलियम ब्लॉकों से जल्द ही तेल और गैस उत्पादन शुरू होने की उम्मीद जताई जा रही है, जिससे पूर्वोत्तर क्षेत्र में ऊर्जा सुरक्षा को मजबूती मिलेगी और आर्थिक विकास को भी तेज रफ्तार मिल सकती है।

सूत्रों के मुताबिक, दशकों से जारी सीमा विवाद को खत्म करने के लिए आज शाम अहम समझौते को अंतिम रूप दिया जा सकता है। यह सफलता

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई लंबी और अहम बैठकों के बाद मिली है, जिसमें असम और नागालैंड सरकारों के प्रतिनिधियों के साथ केंद्र सरकार भी शामिल रही। प्रस्तावित समझौता ज्ञापन (MoU) के जरिए उन जटिल मुद्दों को सुलझाने की दिशा में उठाया जा रहा है, जिनकी वजह से इस क्षेत्र में तेल और गैस की खोज व उत्पादन लंबे समय से रुका हुआ था। इस समझौते के लागू होने के बाद न केवल मौजूदा ब्लॉकों में काम फिर शुरू हो सकेगा, बल्कि नए ब्लॉकों की नीलामी का रास्ता भी खुलेगा। अधिकारियों का मानना है कि इससे निवेश बढ़ेगा, रोजगार के अवसर बनेंगे और दोनों राज्यों की आय में वृद्धि होगी।

# होर्मुज स्टेट में तेल टैंकर पर हमले में हिमाचल का युवक शहीद

**» प्रथम न्यूज । हमीरपुर**

11 जून ( एएम नाथ )

ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे युद्ध में हिमाचल प्रदेश के एक युवा नाविक की मौत हो गई है।

होर्मुज स्टेट में ओमान तट के पास तेल टैंकर पर हुए हमले में हमीरपुर के आदित्य की मौत की खबर से परिवार सदमे में पड़ गया है।

24 वर्षीय आदित्य शर्मा गलोड़ क्षेत्र का निवासी था। वह तेल टैंकर पर डेक कैडेट के पद पर तैनात था।

बताया जा रहा है कि घटना के वक्त तेल टैंकर पर 24 सदस्य थे, जिनमें से 21 को निकाल लिया गया था, जबकि बाकी तीन की जान चली गई। ओमान तट पर अमेरिकी नौसेना की कार्रवाई के दौरान तेल टैंकर को निशाना बनाया गया। जिसमें तीन भारतीयों की मौत हो गई व तेल टैंकर को भी भारी नुकसान हुआ है।

प्रशासन की तरफ से गलोड़ के तहसीलदार केशव कुमार पीड़ित परिवार के घर पहुंचे। उन्होंने परिवार से मुलाकात की और ढांढस बंधाया है।

### नवंबर 2025 में ज्वाइन की थी मर्चेंट नेवी

24 वर्षीय आदित्य शर्मा गलोड़ क्षेत्र के अंतर्गत हरेटा पंचायत के भालू गांव से संबंध रखता था। आदित्य शर्मा पुत्र राजेश कुमार शर्मा नवंबर 2025 में ही मर्चेंट नेवी ज्वाइन की थी। इस बीच युद्ध में उसकी जान चली गई।

### जवान बेटे की मौत से घर में मातम

जवान बेटे की मौत की खबर आते ही घर में मातम पसर गया है। माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल है। आठ महीने पहले जो बेटा घर से परिवार के लिए कमाने निकला था, आज उसकी इस तरह से मौत होने की सूचना आई है।

### इकलौता था आदित्य

आदित्य शर्मा के पिता राजेश शर्मा जालंधर में एक निजी कंपनी में कार्य करते हैं। माता सुषमा शर्मा गृहणी हैं। आदित्य इनका इकलौता बेटा था। घर में उनकी दादी रहती हैं, दादा की मृत्यु हो चुकी है। आदित्य ने बारहवीं तक की पढ़ाई जालंधर से की। इसके बाद चेन्नई से मर्चेंट नेवी का कोर्स किया था।

### अनुराग ठाकुर ने विदेश मंत्रालय से की बात

हमीरपुर के सांसद एवं पूर्व मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि विदेश मंत्रालय से मामले को उठाया गया है और भारतीय दूतावास, संबंधित कंपनी और ओमान की सरकार के साथ समन्वय स्थापित कर पार्थिव शरीर को शीघ्र भारत लाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने घटना के कारणों की जानकारी जुटाने और पूरे मामले की जांच की भी मांग की है।

### मुख्यमंत्री ने निधन पर जताया शोक

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने होर्मुज स्टेट में अमेरिकी हमले के दौरान एक तेल टैंकर पर कार्यरत नाविक आदित्य शर्मा के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि दुख की इस घड़ी में राज्य सरकार परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने जिला प्रशासन को प्रभावित परिवार को हर संभव सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए।

प्रथम न्यूज़
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
पंजाब न्यूज़
Website : www.prathamnews.in

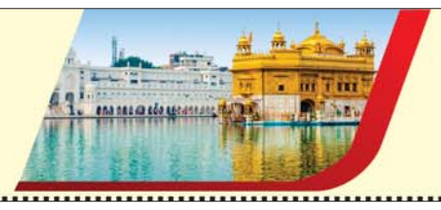

## संक्षिप्त न्यूज

### भारत-अमेरिका समझौता किसानों, मजदूरों और छोटे व्यापारियों के लिए मौत के समान: किसान मजदूर संघर्ष कमेटी

**गुरदासपुर ( संदीप सन्नी ):** किसान मजदूर संघर्ष कमेटी पंजाब के जोन बाबा मस्तू जी की कोर कमेटी की एक विशेष बैठक गांव वरियां में जोन प्रधान अनूप सिंह सुल्तानी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में विभिन्न ज्वलंत मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। अमेरिका से दोस्ती निभाने के लिए आम जनता की दी जा रही बलि बैठक के बाद कुलजीत सिंह हयात नगर और सुखदेव सिंह अल्लड़ पिंडी ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा अमेरिका-इरान युद्ध का बहाना बनाकर पेट्रोल और डीजल की कीमतों को रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा दिया गया है।

रोज़ाना हो रही इस बढ़ोतरी के कारण आम आदमी, किसानों और मजदूरों का जीना मुहाल हो गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री अमेरिका के राष्ट्रपति के साथ अपनी दोस्ती निभाने के लिए देश के छोटे किसानों, मजदूरों, छात्रों और व्यापारियों के हितों की बलि दे रहे हैं। यह भारत-अमेरिका समझौता देश की किसानी को तबाह कर देगा। नादरशाही रवैया अपना रही है सरकार किसान नेताओं ने कहा कि केंद्र के साथ-साथ राज्य सरकार भी इन जनविरोधी नीतियों में शामिल है और बेरोजगार युवाओं तथा किसानों पर अत्याचार कर नादरशाही राज चलाने की कोशिश कर रही है। नेताओं ने पटियाला में प्रदर्शन कर रहे लाइनमैन और 2660 अप्रेंटिसशिप कर्मचारियों पर हुए लाठीचार्ज की कड़े शब्दों में निंदा की।

इसके साथ ही राज्य नेता सविंदर सिंह चौताला और हरविंदर सिंह मसाणियां ने चेतावनी दी कि पिछले 5 साल से लटके नेशनल हाईवे के मामलों को हल कर किसानों के खातों में मुआवजा डाले बिना प्रशासन जमीन पर कब्जा न करे, अन्यथा जत्थेबंदी तीखा संघर्ष करेगी।

बैठक में ये रहे मौजूद इस अवसर पर जतिंदर सिंह चीमा, सोहन सिंह काला नंगल, दलबीर सिंह ठूडी, जपकीरत हुंदल, अमरीक सिंह हयात नगर, वस्सन सिंह पीरां बाग और बीबी रमनदीप कौर आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

### 30,000 एमएल अवैध शराब के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

**गुरदासपुर ( संदीप सन्नी ):** गुरदासपुर पुलिस ने थाना कलानौर के अंतर्गत एक आरोपी को भारी मात्रा में अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने मंगा राम नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 30,000 एमएल अवैध शराब बरामद की गई। इस कार्रवाई के बाद आरोपी के खिलाफ थाना कलानौर में आबकारी एक्ट की धारा 61-1-14 के तहत मुकदमा दर्ज रजिस्टर किया गया है।

### लिवासा हॉस्पिटल खन्ना में जटिल टोटल लेप्रोस्कोपिक हिस्टेरेक्टॉमी की गई

**खन्ना, 11 जून ( जगजीत घुम्मन )** - 22-24 हफ़्ते की गर्भावस्था के आकार के बराबर यूट्रस से पीड़ित मरीज़ की लिवासा हॉस्पिटल खन्ना में सफल जटिल टोटल लेप्रोस्कोपिक हिस्टेरेक्टॉमी की गई। कंसल्टेंट ऑब्सटेट्रिशियन और गायनेकोलॉजिस्ट, लिवासा हॉस्पिटल खन्ना डॉ. मंजू वर्मा ने बताया कि मरीज़ को पीरियड्स के दौरान बहुत ज्यादा ब्लीडिंग, लगातार पेल्विक पेन (पेट के निचले हिस्से में दर्द) और गर्भाशय के बहुत ज्यादा बढ़ जाने की समस्या थी, जिससे उनकी ज़िंदगी की क्वालिटी पर बुरा असर पड़ रहा था।

डॉ. वर्मा ने बताया कि गर्भाशय के आकार और इसमें शामिल जटिलताओं की वजह से यह केस सर्जरी के लिहाज से काफी चुनौतीपूर्ण था।

उन्होंने कहा कि पूरी प्रक्रिया लेप्रोस्कोपिक तरीके से की गई, जिससे पेट पर बड़ा चीरा लगाने की ज़रूरत नहीं पड़ी। डॉ. वर्मा ने आगे कहा, गर्भाशय में बड़े फाइब्रॉयड (रसौली) महिला की सेहत और रोजमर्रा की जिंदगी पर काफी असर डाल सकते हैं। पहले, इतने बड़े गर्भाशय वाले मरीज़ों को अक्सर ओपन सर्जरी करवानी पड़ती थी और ठीक होने में लंबा समय लगता था।

मिनिमली इनवेसिव गायनेकोलॉजिकल सर्जरी में हुई तरक्की की वजह से, अब कई जटिल मामलों का इलाज लैप्रोस्कोपी से किया जा सकता है। इससे मरीजों को कम दर्द होता है, वे जल्दी ठीक होते हैं, खून कम बहता है और वे जल्द ही अपनी सामान्य गतिविधियों में लौट पाते हैं।

# नीति आयोग में पंजाब के लिए विशेष दर्जे और सरहदी पैकेज की मांग

**भगवंत मान बोले, सुरक्षित और समृद्ध पंजाब ही विकसित भारत-2047 की गारंटी, शिक्षा, स्वास्थ्य और उद्योग मॉडल को पंजाब ने नीति आयोग में रखा**

» प्रथम न्यूज़ । चंडीगढ़

11 जून ( एएम नाथ )

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने नीति आयोग की बैठक में राज्य के लंबे समय से लंबित मुद्दों को प्रमुखता से उठाते हुए पंजाब को विशेष श्रेणी का दर्जा और सीमावर्ती क्षेत्रों के पुनर्विकास के लिए विशेष पैकेज देने की मांग की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान से लगती 553 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा के कारण पंजाब आतंकवाद, ड्रोन के जरिए नशा और हथियार तस्करी, बाढ़ तथा सुरक्षा संबंधी चुनौतियों का लगातार सामना कर रहा है, लेकिन केंद्र से मिलने वाली सहायता पर्याप्त नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब देश की सीमाओं की रक्षा में अग्रिम पंक्ति में खड़ा है और इसके बावजूद राज्य को उसके योगदान के अनुरूप सहयोग नहीं मिल रहा। उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय सीमा के साथ 2,000 से अधिक गांव और कस्बे स्थित हैं, लेकिन केंद्र सरकार के 'वाइब्रेंट विलेज-II' कार्यक्रम में केवल 107 गांवों को शामिल किया गया है। उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास, आधारभूत ढांचे और निवेश को बढ़ावा देने के लिए विशेष पैकेज की मांग दोहराई।

भगवंत मान ने पहाड़ी राज्यों, उत्तर-पूर्वी राज्यों और जम्मू-कश्मीर की तर्ज पर पंजाब को भी सभी केंद्र प्रायोजित योजनाओं में 90:10 फंडिंग अनुपात देने की मांग की। उन्होंने कहा कि विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को हासिल करने के लिए सुरक्षित, मजबूत और खुशहाल पंजाब का निर्माण आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि पंजाब केंद्र सरकार के साथ मिलकर राष्ट्रीय विकास में सक्रिय भूमिका निभाता रहेगा। बैठक में मुख्यमंत्री ने पंजाब की उपलब्धियों का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि राज्य ने शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। नीति आयोग की शिक्षा गुणवत्ता रिपोर्ट 2026 में पंजाब को देश की सर्वश्रेष्ठ स्कूली शिक्षा प्रणाली वाला राज्य बताया गया है। इसके अलावा, 10 लाख रुपये तक की स्वास्थ्य सुविधा, 'हुनर शिक्षा स्कूल' और 'बिजनेस ब्लास्टर्स' जैसे कार्यक्रमों को विकसित भारत के लिए प्रभावी शासन मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया गया। मुख्यमंत्री ने केंद्र से मोहाली को राष्ट्रीय ज्ञान केंद्र घोषित करने और वहां एकीकृत सेमीकंडक्टर मेगा क्लस्टर स्थापित करने की भी मांग की।

# जालंधर में फंदे से लटका मिला लेडी डॉक्टर का शव

**CCTV फुटेज में नर्स को किस करता दिखा डॉक्टर पति**

» प्रथम न्यूज़ । जालंधर

11 जून ( ब्यूरो )

पंजाब के जालंधर में एक लेडी डॉक्टर का शव उनके कमरे में फंदे से लटका मिला। लेडी डॉक्टर की पहचान मीनाक्षी सूद के रूप में हुई है। मीनाक्षी के पति पीयूष सूद भी डॉक्टर हैं। हालांकि कुछ महीनों से पति-पत्नी के बीच अनबन चल रही थी। मीनाक्षी के पति पीयूष जालंधर के नेशनल आई हॉस्पिटल में डॉक्टर हैं। बुधवार को मीनाक्षी का शव कमरे में फंदे पर लटका मिला। इस सनसनीखेज मामले में मीनाक्षी के पिता प्रमोद ने कहा कि बेटी की शादी अक्टूबर 2018 में शादी हुई थी। शादी के बाद उसने थार ली थी। इसकी किस्तें वह अपनी सैलरी से भर रही थी। पीयूष ने बेटी के नाम पर ढाई करोड़ लोन लिया था। मीनाक्षी की मां ने आरोप लगाया कि दामाद का नर्स के साथ एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर था। हमारी बेटी से मारपीट की जाती थी। दामाद कई बार मारपीट करने के बाद फोन कर देता था कि मैंने मीनाक्षी को पीट दिया है। मुझसे गलती हो गई। मां ने कहा कि अभी तो सुसाइड की बात कही जा रही है। लेकिन हमें नहीं पता कि सुसाइड किया है या कत्ल किया है। अभी पोस्टमॉर्टम होगा तभी पता चल पाएगा कि असली कारण क्या है। मेरी बेटी के नाम पर पीयूष ने लोन लिया था। कुछ लोन गाड़ी पर था तो कुछ अस्पताल के नाम पर था।

मीनाक्षी के पिता ने कहा कि अस्पताल में ही काम करने वाली लड़की के साथ उनके दामाद के नाजायज संबंध थे। बेटी को इसका शक हुआ तो बेटी ने अस्पताल के सीसीटीवी खंगाले। इसमें डॉक्टर पीयूष के उस लेडी के साथ संबंध की पुष्टि हुई। ये फुटेज पुलिस को भी दी है।

सीसीटीवी फुटेज में डॉक्टर पीयूष नर्स को किस करता दिखा था। पिता ने कहा डॉक्टर पीयूष बेटी को पीटता था। वह एक पिता हैं इसलिए बेटी को हर हाल में बसाना चाहते थे। उसने उसे पहले भी गला घोंटकर मारने की कोशिश की है।

# जालंधर में जर्नलिस्ट प्रेस क्लब रजि. पंजाब द्वारा आयोजित किए जा रहे जिला स्तरीय समारोह की तैयारियां जोरों पर

» प्रथम न्यूज़ । जालंधर

11 जून ( महेश रहेजा )

जर्नलिस्ट प्रेस क्लब रजि. पंजाब की जालंधर इकाई द्वारा आयोजित किए जाने वाले जिला स्तरीय समारोह की तैयारियों को लेकर एक विशेष बैठक प्रदेश अध्यक्ष मनजीत मान की अध्यक्षता तथा जालंधर अध्यक्ष राजेश कालिया की देखरेख में जर्नलिस्ट प्रेस क्लब जालंधर यूनिट के मुख्य कार्यालय, सहदेव मार्केट, जालंधर में आयोजित की गई।

बैठक में जालंधर यूनिट के प्रमुख पदाधिकारियों ने आगामी जिला स्तरीय समारोह को सफल बनाने के लिए अपने-अपने सुझाव प्रस्तुत किए। इस दौरान समारोह में आमंत्रित किए जाने वाले मुख्य अतिथियों को स्मृति चिन्ह (मोमेंटो) भेंट करने तथा प्रेस क्लब के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाले पत्रकारों को प्रशंसा-पत्र प्रदान करने संबंधी विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

प्रदेश अध्यक्ष मनजीत मान ने कहा कि इस जिला स्तरीय समारोह में प्रशासनिक अधिकारियों को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया जाएगा। इसके साथ ही प्रेस क्लब के स्टिकर और पहचान पत्र (आई-कार्ड) भी जारी किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रेस क्लब को आगे बढ़ाने में योगदान देने वाले पत्रकार साथियों को सम्मानित करते हुए प्रशंसा-पत्र प्रदान किए जाएंगे।

मनजीत मान ने सदस्यता संबंधी जानकारी देते हुए कहा कि जिन पत्रकार साथियों ने अभी तक सदस्यता फॉर्म जमा नहीं करवाए हैं, वे निर्धारित तिथि तक अपने फॉर्म भरकर जमा करवाएं। जिन सदस्यों के फॉर्म समय पर प्राप्त हो जाएंगे, उन्हें समारोह के दौरान स्टिकर और आई-कार्ड वितरित किए जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ अन्य पत्रकार साथियों को नई जिम्मेदारियां भी सौंपी जाएंगी, जिनके नामों की घोषणा समारोह के दौरान की जा सकती है। जालंधर अध्यक्ष राजेश कालिया ने कहा कि जिला स्तरीय समारोह की तिथि का शीघ्र ही ऐलान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पत्रकार साथियों को विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी, ताकि सभी तैयारियां समय रहते पूरी की जा सकें। कालिया ने कहा कि समारोह को लेकर पत्रकार समुदाय में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है, जो इस आयोजन को यादगार बनाने में सहायक सिद्ध होगा।

महेश रहेजा ने कहा कि जर्नलिस्ट प्रेस क्लब रजि. पंजाब की सदस्यता प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी बनाने के लिए नया सदस्यता फॉर्म जारी किया गया है। हालांकि अभी भी कई पत्रकार साथियों द्वारा सदस्यता फॉर्म भरना शेष है। उन्होंने सभी साथियों से अपील की कि वे जल्द से जल्द सदस्यता फॉर्म भरकर जमा करवाएं, ताकि सभी को समय पर स्टिकर और पहचान पत्र जारी किए जा सकें।

बैठक के दौरान अन्य पत्रकार साथियों ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रेस क्लब को मजबूत और व्यवस्थित ढंग से संचालित करने के लिए संगठन को आर्थिक रूप से भी सशक्त बनाने की आवश्यकता है तथा इस दिशा में ठोस कदम उठाए जाने चाहिए।

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष मनजीत मान, प्रदेश मुख्य प्रवक्ता राम सिंह भट्टी, प्रदेश नेता मनजीत सिंह मरवाहा, प्रदेश उपाध्यक्ष सुखमिंदर वालिया, जालंधर अध्यक्ष राजेश कालिया, संरक्षक देवराज शर्मा, जालंधर उपाध्यक्ष गुरदीप सिंह हीरा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शेली जी, महासचिव महेश रहेजा, वरिष्ठ नेता नरेंद्र तलवाड़, जालंधर महिला विंग की अध्यक्ष अमरप्रीत कौर, दीपाली, हरजीत सिंह, मिंटू चुघ, देव अरोड़ा, चिराग, ईशू, तरनप्रीत सिंह लक्की, विनोद कुमार, सोनू सिद्धू तथा अन्य पत्रकार साथी उपस्थित रहे।

# जीरा विकास परिषद युवाओं को सेना के लिए तैयार करने में गगन घरू के प्रयासों को सलाम करती है

» प्रथम न्यूज़ । जीरा

11 जून ( अंग्रेज बराड़ )

समाज सेवा और युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए निरंतर कार्यरत जीरा विकास परिषद ने सेना भर्ती की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए एक विशेष सहायता अभियान शुरू किया। इस अवसर पर गगन घरू के नेतृत्व में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवाओं को दूध, फल और तौलिये भेंट करके उनका हौसला बढ़ाया गया। इस अवसर पर जीरा विकास परिषद के संरक्षक और जीरा नगर परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष सुखदेव बिट्टू विजय और परिषद के अध्यक्ष चरणप्रीत सिंह सोनू ने संयुक्त रूप से कहा कि युवाओं को सही राह दिखाना और उन्हें देश की सेवा के लिए तैयार करना एक अत्यंत महत्वपूर्ण मिशन है। उन्होंने कहा कि गगन घरू लंबे समय से युवाओं को सेना में भर्ती होने के लिए कठोर प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं और उनके मार्गदर्शन में कई युवाओं ने सेना में भर्ती होकर अपने परिवारों और क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

सुखदेव बिट्टू विज ने कहा कि जीरा विकास परिषद ने अल्पकाल में ही कई जन कल्याणकारी परियोजनाएं अपनाई हैं, जो जनता के लिए वरदान साबित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि संगठन का उद्देश्य केवल विकास कार्यों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल और युवा विकास से संबंधित हर क्षेत्र में योगदान देना भी है। परिषद के अध्यक्ष चरणप्रीत सिंह सोनू ने कहा कि आज के दौर में युवाओं को नशे से दूर रखना और उन्हें खेलकूद तथा देश सेवा के लिए प्रेरित करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि गगन घरू जैसे लोग समाज के लिए एक मिसाल हैं, जो युवाओं के भविष्य को संवारने के लिए अपना बहुमूल्य समय समर्पित कर रहे हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि जीरा विकास परिषद भविष्य में भी ऐसे रचनात्मक प्रयासों को पूरा समर्थन देती रहेगी। इस अवसर पर जगदेव शर्मा महासचिव, पुष्पिंदर सिंह हैप्पी, कैशियर गुरबख्श सिंह विज, सह-कैशियर तरसेम लाल जुनेजा, चेयरमैन डॉ. प्रदीप वर्मा, अनिल बजाज, रवि कुमार, कानूनगो हरप्रीत सिंह लाडी, प्रीतपाल सिंह लाडी, तीरथ राम सेठी, सुरिंदर कुमार शर्मा, विजय कपूर, एडवोकेट विजय बांसल, मास्टर परमजीत सिंह कंग, प्रेम सिंह हेडमास्टर, रमेश कुमार, रवि कक्कड़, निक्का विज, श्रीमती वनिता झांजी, किरण जुनेजा, टिंकू कपूर, लक्ष्मण सिंह बराड़, चरणजीत सिंह शर्मा, सतनाम सिंह धालीवाल, सतिन बंसल, तेजा कपूर, मनप्रीत सिंह सोनू, एएसआई प्रेम कुमार, डॉ. हरप्रीत सिंह और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

# विश्व नेत्रदान दिवस पर दिशादीप एन जी ओ का नेत्रदान अभियान

**आँखें जलायें नहीं दान करें, एस एम सिंह**

» प्रथम न्यूज़ । जालंधर

11 जून ( शैली अल्बर्ट )

आज संपूर्ण विश्व नेत्रदान के प्रति लोगों को जागृत करने व इसको बढ़ावा देने के उद्देश्य से नेत्रदान दिवस मना रहा है। बहुद्देशीय समाजसेवी संस्था* दिशादीप* द्वारा एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया जिसको संबोधित करते हुए दिशादीप के संस्थापक व चीफ़ लायन एम सिंह व स्त्री विंग की अध्यक्ष सरबजीत कौर ने बताया कि भारत में 15 लाख के करीब कॉर्निया अंधापन के मरीज है और इनमें हर वर्ष 25 से 30000 नए केसों की वृद्धि होती है। भारत को कॉर्निया अंधापन से मुक्त करने के लिए अगर हर वर्ष 2 लाख लोग मृत्युप्रांत आंखें दान करें तो आगामी 8 से 10 वर्षों में भारत में कॉर्निया दिव्यांगता पर विजय पाई जा सकती है। संपूर्ण विश्व में इस समय भारत में सबसे ज्यादा कॉर्निया अंधापन के शिकार लोग हैं और यह चिंता का विषय है। लायन ने भारत सरकार से अनुरोध किया कि अगर सरकार स्वर्ग दुर्घटनाओं में मृत व्यक्तियों की पोस्टमार्टम के समय आंखों की पुतली निकालकर जरूर बंद करने दिव्यांग लोगों को लगाना आवश्यक करार दे दे तो आगामी कुछ वर्षों में ही अंधेपन की समस्या दूर हो जाएगी और रोशनी के बिना जी रहे यह लोग अपने जीवन में पुणे रोशनी देख सकेंगे और एक आम नागरिक की तरह जीवन यापन कर सकेंगे। आज श्री दीपक राय व काला ढल्ल ने मृत्युप्रांत नेत्रदान का संकल्प पत्र भरकर टीम दिशादीप को सौंपा। दीपक राय को रामा मंडी व परमजीत सिंह काला ढल्ल को भुल्लत्थ क्षेत्र में नेत्रदान मुहिम को बढ़ावा देने हेतु प्रतिनिधि नियुक्त किया गया। एस एम सिंह ने समाज के सभी जाग्रत लोगों से आह्वान किया के वह अपने माता-पिता सभी संबंधियों की आँखें मरणोपरांत जुलाई नहीं बल्कि दान करें। भारत के 15 लाख लोग जो कॉर्निया दृष्टिहीन है, हमारी जान की गई आंखों से ही अपने जीवन में रोशनी देख सकेंगे।

# भाजपा कार्यालय में कैंट और वेस्ट विधानसभा के नये मंडल सर्किल प्रधानों का किया सम्मानित

» प्रथम न्यूज़ । जालंधर

11 जून ( शैली अल्बर्ट )

आज BJP पार्टी कार्यालय में जिला प्रधान सुशील शर्मा की अध्यक्षता मे जालंधर वेस्ट और कैंट विधानसभा के नवनिर्वाचित मंडल अध्यक्ष रिशी बहल,मनीष बल,अजय ठाकुर,प्रदीप खुल्लर,पार्षद कंवर सरताज,मनीषा जैन,राजन मल्हण,नरेश वालिया,जस जौहल को सम्मानित कर उनके साथ बैठक सम्पन हुई।इस बैठक मे जिला महामंत्री अशोक सरीन हिक्की,राजेश कपूर,अमरजीत सिंह गोल्डी,उपप्रधान दविंद्र भारद्वाज और अश्वनी भंडारी विशेष रूप से उपस्थित हुए।इस बैठक मे सुशील शर्मा ने नये मंडल प्रधानों से विचार विमर्श कर कहा अपने-अपने इलाके के सभी प्रमुख कार्यकर्ता साथियों समेत जनता से तालमेल बिठाकर काम करने और अपने-अपने बूथ को मज़बूत करने की रणनीतियों के बारे में जानकारी दी गई।सुशील ने बताया हमारी सोच और विज़न पार्टी के रुख को साफ़ तौर पर दिखाते हैं; हमारे हर एक कार्यकर्ता का बहुत महत्व है और उन्हें नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। प्रधानमंत्री का नारा-सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास-इसी भावना को दर्शाता है।

इस बात पर ज़ोर देते हुए सुशील शर्मा ने कहा कि हमारी पार्टी का नेतृत्व किसी भी लक्ष्य को हासिल करने में सक्षम है।

आने वाले चुनावों को ध्यान में रखते हुए, हमें पूरी ताकत के साथ मैदान में उतरना होगा और पंजाब में सरकार बनाने का सपना सच करना होगा।वही सभी मंडल प्रधानों ने अपनी नियुक्ति के लिए पार्टी हाईकमान का धन्यवाद करते हुए विश्वास दिलाया कि जो नई जिम्मेवारी जिस विश्वास के साथ पार्टी ने दी है उसपर हम सब कार्य कर पार्टी संगठन की मजबूती के लिए हर बूथ हर घर तक संपर्क कर जनता को जागरूक कर भाजपा की सफल योजनाओं को पहुंचाकर फेल पंजाब सरकार और आम आदमी पार्टी की नाकामियों कि जानकारी लोगो तक पहुंचायेंगे।सभी मंडल प्रधानों ने कहा 2027 विधानसभा चुनावो में भाजपा की सरकार पंजाब में बनाने के लिए दिन रात मेहनत कर जालंधर शहर की चारों विधानसभाओ में भाजपा की प्रचंड जीत सुनिश्चित करेंगे।इस मौके जिला प्रवख्ता सन्नी शर्मा,विकास कैंथ,राजेश मल्होत्रा,एच.एस बेदी,संजीव जॉली,दिनेश खन्ना,राजेंद्र बागड़िया आदि हाजिर थे।

# बजरंग दल हिंदोस्तान की ओर से होशियारपुर में विशेष कार्यक्रम, संगठन का हुआ विस्तार ; मनजीत,परमजीत

» प्रथम न्यूज़ । होशियारपुर

11 जून ( तरसेम दीवाना )

हुशियारपुर ( तरसेम दीवाना ) - बजरंग दल हिंदोस्तान की ओर से आज सब्जी मंडी, गुरु गोबिंद सिंह नगर में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें संगठन के विस्तार के लिए होशियारपुर से नई नियुक्तियां की गईं।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय चेयरमैन जय गोपाल लाली, राष्ट्रीय महासचिव मंजीत सिंह माहिलपुरी और राष्ट्रीय प्रवक्ता एडवोकेट संदीप कुमार विशेष रूप से उपस्थित हुए। कार्यक्रम में बजरंग दल हिंदोस्तान के पंजाब अध्यक्ष एडवोकेट चंद्रकांत महाजन ने संगठन के विस्तार के लिए नई नियुक्तियां कीं। इनमें हरप्रीत सिंह धारीवाल (पंजाब उप-प्रधान), तजिंदर कुमार (चेयरमैन पंजाब), मोंटी शर्मा (पंजाब कोऑर्डिनेटर), रिंकू (पंजाब यूथ उप-प्रधान), करण (दोआबा उप-प्रधान), मनीष ताजवाना (वाइस चेयरमैन पंजाब), हरीश सैनी (पंजाब कोऑर्डिनेटर), कुंदन हीर (जिला चेयरमैन होशियारपुर) और लवप्रीत सिंह (जिला उप-प्रधान होशियारपुर) और जगतार सिंह मोतियां (महासचिव होशियारपुर) शामिल हैं। इस अवसर पर नवनियुक्त पदाधिकारियों ने विश्वास दिलाया कि वे संगठन द्वारा दी गई जिम्मेदारी को पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ निभाएंगे। इस मौके पर कुमार अमन जिला अध्यक्ष गुरदासपुर, प्रिंस सचिव जिला गुरदासपुर, हरमन मांगट, एडवोकेट सौर डोगरा, उप-प्रधान पंजाब गुरिंदर शर्मा, महासचिव पंजाब हरीश जोशी, दुर्गा वाहिनी व जिला अध्यक्ष सुनीता, सिटी प्रधान बटाला मीना, अश्विनी मल्होत्रा, मदन लाल सगड़,

राष्ट्रीय सीनियर उप-प्रधान परमजीत सिंह फौजी बूथगढ़, जिला उप-प्रधान दविंदर सिंह माहिलपुरी, हल्का चब्बेवाल प्रधान संजीव कुमार संजू, राष्ट्रीय उप-प्रधान जसवीर सिंह मिंटू और परमजीत सिंह फौजी बूथगढ़ ने इस बैठक में आए सभी बजरंगियों का धन्यवाद किया।

प्रथम न्यूज़
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हिमाचल न्यूज़
Website : www.prathamnews.in

## संक्षिप्त न्यूज

### नव-निर्वाचित पंचायत समिति अध्यक्ष-उपाध्यक्ष के चुनाव करवाएंगे संबंधित एसडीएम

**बिलासपुर ( धर्मपाल/जितेंद्र गौतम ):** धर्मपाल उपायुक्त, जिला बिलासपुर राहुल कुमार ने हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 79 तथा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (निर्वाचन) नियम, 1994 के नियम 85 के अंतर्गत आदेश जारी करते हुए बताया कि जिला बिलासपुर की सभी पंचायत समितियों के नव-निर्वाचित सदस्यों में से अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के निर्वाचन की प्रक्रिया संपन्न करवाने के लिए संबंधित उपमंडलाधिकारियों (ना.) को पीठासीन अधिकारी नियुक्त किया है। जारी आदेश के अनुसार उपमंडलाधिकारी (ना.) सदर को पंचायत समिति सदर, उपमंडलाधिकारी (ना.) घुमारवीं को पंचायत समिति घुमारवीं, उपमंडलाधिकारी (ना.) झंडूता को पंचायत समिति झंडूता तथा उपमंडलाधिकारी (ना.) श्री नैना देवी जी को पंचायत समिति श्री नैना देवी जी के लिए पीठासीन अधिकारी नियुक्त किया गया है। जारी आदेश के अनुसार संबंधित उपमंडलाधिकारी (ना.) नव-निर्वाचित अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष को हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (निर्वाचन) नियम, 1994 के नियम 85-क के प्रावधानों के अनुरूप निष्ठा एवं प्रतिज्ञान की शपथ दिलवाना भी सुनिश्चित करेंगे।

### मकान पर लटके पेड़ से यदि जान-माल की हुई हानि तो संबन्धित व्यक्ति व जिला प्रशासन होगा उत्र्दाई - शांता देवी

**बिलासपुर,11 जून( धर्मपाल )**- बरमाना क्षेत्र के लघट गाँव के दंपति श्रीमति शांता देवी और रणजीत सिंह ने कहा है कि एक पड़ोसी के विशाल आम के पेड़ का भारी - भरकम भाग उसके मकान के लिए निरंतर खतरा बना हुआ है उन्होने बताया कि एसडीएम सदर राजदीप सिंह ने अप्रैल को आदेश पारित किया था कि दिन के भीतर इसे पेड़ के मकान पर लटके भाग को काटा जाये किन्तु इसके बावजूद अभी तक भी संबन्धित व्यक्ति द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई है, जिस कारण उनका सारा परिवार डर के साये में जीने को विवश है उन्होने बताया कि आँधी-तूफान के समय इस पेड़ के अचानक टूट कर जान-माल अथवा संपति को हानि होने के भय से उनकी दिन की चैन व रातों की नींद हराम हो गई है।

उन्होने कहा कि एसडीएम सदर राजदीप सिंह ने अपने आदेशों की अनुपालना सुनिश्चित बनाने के लिए एसपी बिलासपुर, डिप्टी कंजर्वेटर आफ फारेस्ट और रेंज फॉरेस्ट आफिसर को भी अपने आदेशों की अनुपालना सुनिश्चित बनाने के लिए प्रतिलिपियाँ प्रेषित की हैं किन्तु खेद है कि इतना समय बीत जाने पर भी उन आदेशों की पालना नहीं हो पाई है।

शांतादेवी और रणजीत सिंह ने जिला प्रशासन से आग्रह किया है कि उनके घर पर लटके आम के पेड़ की भारी भरकम टहनियों को तुरंत कटवाने की व्यवस्था की जाये ताकि उन्हें राहत मिल सके उन्होने कहा कि यदि इस पेड़ के कारण कोई अनहोनी घटना होती है या उनके मकान को कोई हानि पहुँचती है तो उसके लिए संबन्धित व्यक्ति व अधिकारी उत्र्दाई होंगे ।

# विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने वर्चुअल माध्यम से किया उप मंडी तीसा का उदघाटन

## 59 लाख रुपए से निर्मित उप मंडी तीसा में 6 दुकानें व एक कोल्ड स्टोर निर्मिति

» प्रथम न्यूज़ । चम्बा
11 जून ( एएम नाथ )

विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने उप मंडी तीसा का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया। 59 लाख रुपए की लागत से निर्मित इस उप मंडी में 6 दुकानें व एक कोल्ड स्टोर निर्मित किया गया है। इस अवसर पर तीसा में उपस्थित जनसमूह को वर्चुअली संबोधित करते हुए कुलदीप सिंह पठानिया ने सर्वप्रथम तीसा क्षेत्र के किसानों व बागवानों को नवनिर्मित उप मंडी के शुभारंभ अवसर पर बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि तीसा उपमंडल फूलों, फलों, तथा गैर मौसमी सब्जियो के लिए जाना जाता है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि उप मंडी तीसा के शुरू होने से क्षेत्र के किसानों व बागवानों को अपने उत्पाद बेचने के लिए अपने क्षेत्र से बाहर नहीं जाना पड़ेगा, जिस से उनके समय व धन की बचत होगी तथा उन्हे अपने उत्पादों के सही दाम भी मिलेंगे। कार्यकम में एपीएमसी के अध्यक्ष ललित ठाकुर, हिमाचल प्रदेश हज कमेटी के अधयक्ष दिलदार अली बट्ट ने भी सम्बोधित किया। ललित ठाकुर ने कहा कि हिमाचल प्रदेश सरकार मुख्य मंन्त्री सुखविंदर सिंह सुक्खु के नतृत्व में निरंतर किसानो व बागवानों के हित में अनेक सार्थक कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में प्राकृतिक मक्की, गेहूं, जौं तथा हल्दी के लिए समर्थन मूल्य देने वाला देश का पहला राज्य है। उन्होंने जिला के सभी किसानो से अपील कि वे ज्यादा से ज्यादा प्राकृतिक खेती को अपनाते हुए सरकार द्वारा दिये जा रहे समर्थन मूल्य का लाभ उठाएं। इस अवसर पर एपीएमसी चंबा के अध्यक्ष ललित ठाकुर, हिमाचल प्रदेश हज कमेटी के अध्यक्ष दिलदार अली बट्ट, चुराह विस क्षेत्र से कांग्रेस के पूर्व प्रत्याशी यशवन्त खन्ना, जिला परिषद सदस्य निर्मला भूटानी, कृषि विभाग के उपनिदेशक भूपेन्द्र कुमार, एपीएमसी के सदस्य पवन ठाकुर, नसीब राणा, राकेश कुमार, देवराज, लोकेंद्र, एपीएमसी के सचिव भानु प्रताप, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष भाग सिंह ठाकुर, व पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष जस्सा राम भारद्वाज, मुस्लिम वेलफेयर सोसाइटी चुराह के अध्यक्ष अब्दुल मजीद, युवा कांग्रेस अध्यक्ष वरुण शर्मा तथा उपमंडल के विभिन्न क्षेत्रों से किसान व बागवान का उपस्थित थे।

## हरिपुर में आज भीषण गर्मी में महिला जागृति मंच की अनूठी सेवा, सुकराला माता मंदिर के बाहर लगाई पान छबील

» प्रथम न्यूज । (कांगड़ा)
10 जून ( पुनीत महाजन )

महिला जागृति मंच हरिपुर, देहरा (हिमाचल प्रदेश) द्वारा आज सुकराला माता मंदिर के बाहर सेवा, सहयोग एवं जनकल्याण की भावना से प्रेरित होकर पानी की छबील लगाई गई। इस सेवा कार्य में महिला मंच की सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं तथा राहगीरों को ठंडा पानी वितरित कर गर्मी से राहत प्रदान की।

छबील के दौरान श्रद्धालुओं को ठंडे पानी के साथ-साथ काले चने, तरबूज एवं खरबूजे का प्रसाद भी वितरित किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय लोगों ने भी बढ़-चढ़कर सहयोग दिया और महिला मंच की इस सराहनीय पहल की प्रशंसा की।

महिला जागृति मंच की प्रधान सुरेश कुमारी महाजन ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी यह सेवा कार्य आयोजित किया गया है, ताकि भीषण गर्मी के मौसम में लोगों को राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि इस आयोजन को सफल बनाने में महिला मंच की सभी सदस्यों एवं स्थानीय नागरिकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस दौरान सैकड़ों श्रद्धालुओं एवं राहगीरों ने छबील का जल एवं प्रसाद ग्रहण किया तथा महिला जागृति मंच के सेवा भाव की सराहना की। मंच की ओर से भविष्य में भी ऐसे जनसेवा एवं सामाजिक कल्याण के कार्य निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया गया।

## कांग्रेस सरकार शिक्षा व्यवस्था को मजबूत नहीं, समाप्त करने का अभियान चला रही है : विनोद कुमार

### स्कूलों और कॉलेजों को बंद करना कांग्रेस सरकार की प्रशासनिक विफलता और जनविरोधी सोच का प्रमाण

» प्रथम न्यूज । शिमला
11 जून ( बी.शर्मा )

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं विधायक विनोद कुमार ने कांग्रेस सरकार द्वारा प्रदेश में 20 और सरकारी स्कूलों को बंद करने तथा 73 स्कूलों को मर्ज करने के निर्णय पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह सरकार शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने नहीं बल्कि उसे समाप्त करने के अभियान पर चल रही है।

कांग्रेस सरकार ने अपने कार्यकाल में अब तक 2000 से अधिक शैक्षणिक एवं अन्य जनहित संस्थानों को बंद कर प्रदेश के विकास की रीढ़ पर प्रहार किया है।

विनोद कुमार ने कहा कि जिस सरकार को नए स्कूल, कॉलेज और संस्थान खोलने चाहिए थे, वह लगातार ताले लगाने का काम कर रही है। प्रदेश के दूरदराज, ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों के विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। पहले स्कूल बंद किए गए, फिर कॉलेजों के विलय और बंद करने के आदेश जारी किए गए और अब एक बार फिर स्कूलों को बंद एवं मर्ज करने का सिलसिला जारी है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए छात्र संख्या का बहाना बना रही है। यदि स्कूलों में छात्र संख्या कम हुई है तो इसके लिए सरकार की शिक्षा नीतियां जिम्मेदार हैं। सरकार शिक्षा के स्तर को सुधारने, शिक्षकों की नियुक्तियां करने और सुविधाएं बढ़ाने के बजाय संस्थानों को बंद करने का आसान रास्ता चुन रही है।

भाजपा नेता ने कहा कि कांग्रेस सरकार का यह निर्णय विशेष रूप से गरीब, किसान, मजदूर और ग्रामीण परिवारों के बच्चों को प्रभावित करेगा। छोटे बच्चों को अब लंबी दूरी तय कर स्कूल जाना पड़ेगा, जिससे ड्रॉप आउट की संभावना बढ़ेगी और अनेक परिवार अपने बच्चों की पढ़ाई जारी रखने में कठिनाई महसूस करेंगे।

विनोद कुमार ने कहा कि कांग्रेस सरकार बार-बार गुणवत्ता सुधार की बात करती है, लेकिन वास्तविकता यह है कि प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को लगातार कमजोर किया जा रहा है। यदि सरकार की नीतियां इतनी सफल हैं तो फिर तीन वर्षों में 1350 से अधिक स्कूलों को बंद अथवा मर्ज करने की नौबत क्यों आई यह अपने आप में सरकार की असफलता का सबसे बड़ा प्रमाण है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता अब समझ चुकी है कि कांग्रेस सरकार विकास के नाम पर केवल घोषणाएं करती है, जबकि धरातल पर स्कूल, कॉलेज, स्वास्थ्य संस्थान और अन्य जनहित सुविधाओं को समाप्त किया जा रहा है। यह सरकार शिक्षा विरोधी, युवा विरोधी और ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के खिलाफ काम कर रही है।

विनोद कुमार ने कहा कि भाजपा प्रदेशभर में इस जनविरोधी निर्णय का विरोध करेगी और सरकार से मांग करती है कि स्कूलों एवं अन्य शैक्षणिक संस्थानों को बंद करने की नीति तत्काल वापस ली जाए। शिक्षा के अवसर बढ़ाने के बजाय उन्हें समाप्त करना किसी भी जिम्मेदार सरकार का कार्य नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार को यह समझना होगा कि संस्थानों पर ताले लगाकर प्रदेश का भविष्य नहीं बनाया जा सकता। हिमाचल की जनता इस शिक्षा विरोधी मानसिकता का उचित जवाब आने वाले समय में देगी।

# एम्स की आपात सेतु पहल को प्रदेश भर में लागू करने का करेंगे प्रयासः राजेश धर्माणी

## तकनीकी शिक्षा मंत्री ने एम्स अस्पताल का किया दौरा, अधिकारियों के साथ की बैठक

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर
11 जून ( धर्मपाल )

धर्मपाल नगर व ग्राम नियोजन, आवास, तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक एवं औद्योगिक प्रशिक्षण मंत्री राजेश धर्माणी ने कहा कि एम्स बिलासपुर की आपात सेतु पहल को प्रदेश के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य संस्थानों को जोड़ते हुए प्रदेश भर में लागू करने का प्रयास करेंगे ताकि आपातकालीन स्थिति में मरीजों को समयबद्ध बेहतर चिकित्सा सेवाएं सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि आपात सेतु पहल की शुरूआत जिला बिलासपुर के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य संस्थानों को जोड़कर करेंगे। राजेश धर्माणी आज एम्स बिलासपुर का दौरा करने के बाद अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आपात सेतु पहल के माध्यम से

आपातकालीन स्थिति में मरीजों का एक संस्थान से दूसरे संस्थान में रैफर किये जाने की स्थिति में संपूर्ण जानकारी संबंधित चिकित्सा संस्थान को पहले की उपलब्ध हो जाती है जिसके कारण मरीज को समयबद्ध बेहतर चिकित्सा उपचार की सुविधा सुनिश्चित की जा सकती है। उन्होंने कहा कि एम्स संस्थान को बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित बनाने के लिए प्रदेश सरकार की ओर से पूरी मदद की जा रही है ताकि यह संस्थान देश का बेहतरीन चिकित्सा संस्थान बन सके। उन्होंने कहा कि संस्थान को लेकर कई समस्याएं हैं जिन्हे भी प्रदेश सरकार प्राथमिकता के आधार पर हल करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि संस्थान परिसर के बाहर रेन शैल्टर, पार्किंग, यहां पर कार्यरत स्टाफ को बेहतर परिवहन सेवाएं सुनिश्चित बनाने सहित अतिरिक्त स्टाफ क्वार्टर की समस्याओं को भी जल्द हल

करने का प्रयास किया जाएगा। राजेश धर्माणी ने कहा कि एम्स में 132 केवी का विद्युत उपकेंद्र स्थापित किया जा चुका है तथा ट्रांसमिशन लाइन के कार्य को भी जल्द पूरा करने का प्रयास किया जाएगा ताकि संस्थान को इसका जल्द लाभ मिल सके। इसके अतिरिक्त 7 करोड़ रूपये की लागत से कोलडैम से पेयजल आपूर्ति योजना भी बनाई जा रही है। जबकि एम्स अस्पताल से जुड़े नगर व ग्राम नियोजन से संबंधित समस्याओं को पहले ही हल किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि एम्स अस्पताल में स्थापित आधुनिक एवं विश्व स्तरीय चिकित्सा उपकरणों की तर्ज पर प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों एवं अस्पतालों में भी स्थापित करने की दिशा में प्रयास किया जाएगा ताकि प्रदेश के लोगों को भी बेहतर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकें। राजेश धर्माणी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान में एम्स में कुल 750 बेड की क्षमता के मुकाबले 760 मरीजों को एडमिट की सुविधा प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि बिलासपुर जिला में एम्स जैसा संस्थान स्थापित होना गर्व की बात है तथा इसे बेहतर बनाने के लिए प्रदेश सरकार अपना पूरा सहयोग प्रदान करेगी। इससे पहले संस्थान कार्यकारी निदेशक ले. जर्नल दलजीत सिंह ने राजेश धर्माणी का एम्स संस्थान में आने के लिए स्वागत एवं अभिनंदन किया तथा संस्थान से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान की। बैठक के बाद उन्होंने एम्स अस्पताल परिसर का भी दौरा किया तथा यहां पर उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार, अतिरिक्त उपायुक्त ओम कांत ठाकुर, एसडीएम डॉ. राजदीप सिंह, एम्स संस्थान के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

## मीर बक्श की जमीन पर लगी सुप्रीम कोर्ट की मुहर

### मंडी में 110 बीघा जमीन देने का फैसला बरकरार

» प्रथम न्यूज । मंडी
11 जून ( एएम नाथ )

हिमाचल सरकार को मीर बक्श को 110 बीघा जमीन मुहैया करवानी होगी। सुप्रीम कोर्ट के फैसले की समीक्षा को लगाई गई रिव्यू पिटीशन सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दी है। सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस संजय करोल के बैंच ने दिव्यांशु राणा द्वारा दायर इस रिव्यू पिटीशन को खारिज किया। सुप्रीम कोर्ट ने माना कि 19 जुलाई, 2023 के फैसले की समीक्षा के लिए कोई आधार नहीं बनता है। ऐसे में रिव्यू याचिका खारिज की जाती है। इसके साथ ही अन्य लंबित अंतरिम आवेदन को भी निस्तारित कर दिया गया। सुप्रीम कोर्ट के इस ताजा आदेश के कारण अब मामले में 19 जुलाई, 2023 का ही आदेश मान्य होगा। इस फैसले के तहत हिमाचल प्रदेश सरकार को मीर बक्श को 110 बीघा जमीन मुहैया करवानी ही पड़ेगी। मीर बक्श को जमीन मुहैया करवाने के लिए मंडी,

सुंदरनगर, बल्ह और नाचन क्षेत्र में जमीन चिन्हित करके मामला मंजूरी के लिए हिमाचल सरकार को भेजा गया है। मीर बक्श का दावा है कि उसकी प्राइम लैंड हिमाचल सरकार ने ली है और वर्तमान में इसकी कीमत 1100 करोड़ से ज्यादा है।

ऐसे में सरकार भी बदले में ऐसी ही प्राइम लैंड मुहैया करवाए। मीर बक्श को दी जा रही भूमि में नेरचौक मेडिकल कालेज के पास ही 15 बीघा का चिन्हित किया गया है। इसके अलावा छात्र में कृषि विभाग का फार्म और हराबाग में एचपीएमसी का बागीचा भी इसमें शामिल है। मंडी के गडारी और छात्र में कृषि विभाग की 94 बीघा जमीन, भौर में सेरी क्लचर की दस बीघा और उद्योग विभाग की 35 बीघा जमीन देखी गई है। इस से ही मीर बक्श को 110 बीघा जमीन उपलब्ध करवाई जाएगी। मंडी प्रशासन ने मीर बक्श को दी जाने वाली भूमियों का चयन कर आधिकारिक औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद मामला राज्य सरकार के पाले में डाल दिया है। ऐसे में सिविल रिव्यू पिटीशन के खारिज होने के बाद मामला फिर से गर्मा गया है।

## घरेड़ स्कूल के पूर्व प्रिंसीपल डॉ.कर्म चन्द की चण्डीगढ़ में धूम

» प्रथम न्यूज । बीबीएन
11 जून ( तारा )

राष्ट्रीय समाज रक्षा संस्थान (एन.आई.एस.डी.) के सहयोग से सेक्टर-31 स्थित पीएचडी चैंबर में उम्मीद संस्था तथा उसकी अन्य सहयोगी संस्थाओं द्वारा कार्यशाला आयोजित की गई। चंडीगढ़ प्रशासन के मुख्य सचिव राजेश प्रसाद की अध्यक्षता में आयोजित उक्त कार्यशाला में सिटी ब्यूटीफुल के मंदिरों के बाहर तथा चौराहों पर भीख मांग कर अपना पेट भरने को नौनिहालों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने हेतू एक बड़ा लाइफ चेंजिंग मॉडल तैयार किया गया। मुख्य सचिव ने बद्दी उपमंडल के सीनियर सैकेंडरी स्कूल घरेड़ से बतौर प्रिंसीपल से रिटायर हुए डॉ. कर्म चन्द की रचना वसुधैव कुटुंबकम की सराहना की तथा कहा कि यह समाज में व्याप्त कुरीतियों/कुप्रथाओं पर कुठाराघात करके जन मानस में आपसी प्यार-भाव एवं सदभाव की अलख जगाती है। उन्होंने बताया कि उम्मीद संस्था ने चंडीगढ़ में 49 बच्चों को शिक्षा से जोड़ा और 15 को रोजगार उपलब्ध करवाकर स्वाभिमान से जीवन

जीने के काबिल बनाया।

प्रसाद ने सिटी ब्यूटीफुल को 01 नवंबर 2026 तक पूरी तरह भिखारी मुक्त बनाने के इन संस्थाओं के लक्ष्य को हासिल करने में चंडीगढ़ प्रशासन की ओर से हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि उम्मीद संस्था के साथ अरविंद मेहता मेमोरियल ट्रस्ट भी कंधे से कंधा मिलाकर सहयोग कर रहा है और डॉ. कर्मचंद उक्त ट्रस्ट के सक्रिय सदस्य हैं, जो कि अपनी लेखनी के माध्यम से समाज में फैली कुरीतियों/असमानताओं के प्रति आवाज उठा रहे हैं। उनकी रचना वसुधैव कुटुंबकम का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह मानव जाति में आपसी भाईचारा,सहयोग, अहिंसा की भावना पैदा करने, समस्याओं का हल आपसी विचार-विमर्श एवं संवाद से करने तथा हमें युद्ध से दूर रहने के लिए प्रेरित करती है। क्योंकि मानवता के विरुद्ध गलत सोच भी मानव जाति के प्रति अभिशाप एवं घृणित कार्य कहलाती है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हम सब का सामूहिक दायित्व है, जो कि पांच तत्वों के मिश्रण से बना है और इन्हीं पांच तत्वों से ही मानव शरीर की उत्पति हुई है।

मुख्य अतिथि ने कहा कि चंडीगढ़ प्रशासन सिटी ब्यूटीफुल को नीट, क्लीन एंड ग्रीन बनाए रखने हेतू पुरजोर प्रयास कर रहा है, जिसमें शहरवासियों का सहयोग अति जरूरी है। डॉ. कर्मचंद ने मंच पर बैठी शख्सियतों को वसुधैव कुटुंबकम की सदभावना प्रति भेंट की। मुख्यातिथि ने इस पुस्तक को संसार में घटित समस्याओं के समाधान हेतु एक बहुमूल्य कृति बताया।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हरियाणा न्यूज
Website : www.prathamnews.in

## संक्षिप्त न्यूज

### चंडीगढ़ ट्रांसपोर्ट अंडरटेकिंग के कर्मचारियों ने लगाई सबील, आपसी एकता और भाईचारे का दिया संदेश

**चंडीगढ़, 11 जून ( पुनीत महाजन )** – भीषण गर्मी के बीच आमजन की सेवा और सामाजिक सौहार्द को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आज चंडीगढ़ क्लेरिकल स्टाफ मैनेजमेंट (सीटीयू) की ओर से सबील का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राहगीरों एवं कर्मचारियों को ठंडा मीठा जल पिलाने के साथ-साथ हलवा-चना का प्रसाद भी वितरित किया गया। इस सेवा कार्य में कॉमन कैडर और फीडर कैडर के सभी कर्मचारियों ने मिल-जुलकर बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा एकजुटता और भाईचारे का परिचय दिया। कार्यक्रम के दौरान कर्मचारियों ने एक-दूसरे के साथ सहयोग और सौहार्द की भावना को मजबूत करने का संकल्प भी लिया।

इस अवसर पर रौशन कुमार, राजेंद्र कुमार, हरविंदर पाल सिंह, हरजिंदर, सोनिया सहित चंडीगढ़ ट्रांसपोर्ट अंडरटेकिंग (सीटीयू) मैनेजमेंट एवं स्टाफ के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सेवा कार्य में सक्रिय भागीदारी निभाई और आयोजन को सफल बनाया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सदस्यों ने कहा कि ऐसे सामाजिक एवं धार्मिक सेवा कार्य न केवल समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं, बल्कि कर्मचारियों के बीच आपसी सहयोग, प्रेम और भाईचारे को भी मजबूत करते हैं। आयोजन के अंत में सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद व्यक्त किया गया तथा भविष्य में भी इसी प्रकार के जनसेवा कार्य जारी रखने का संकल्प लिया गया।

### पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का लाभ उठाएं पात्र नागरिक : विश्राम कुमार मीणा

**कुरुक्षेत्र, 11 जून( बृज मोहन )** उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना शुरू की गई है। अंत्योदय परिवार जिनकी सालाना आय 1.80 लाख से कम है व जिनकी सालाना बिजली खपत 2400 युनिट तक है, वे दो किलोवाट तक का सोलर पैनल लगवाने पर भारत सरकार की ओर से 60 हजार रुपये व हरियाणा सरकार की ओर से 50 हजार रुपये अनुदान यानि कि कुल 1.10 लाख रुपये का अनुदान प्राप्त कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि जिन परिवारों की सालाना आय तीन लाख रुपये तक है व जिनकी सालाना बिजली खपत 2400 युनिट तक है वो परिवार दो किलोवाट तक का सोलर पैनल लगवाने पर भारत सरकार की ओर से 60 हजार रुपये व हरियाणा सरकार की ओर से 20 हजार रुपये का अनुदान यानि कि कुल 80 हजार रुपये का अनुदान प्राप्त कर सकते हैं। इसके बाद तीन किलोवाट तक का सोलर पैनल लगवाने पर भारत सरकार की ओर से 78 हजार रुपये का अनुदान दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार का अनुदान सभी आय वर्गों के लोगों को दिया जाएगा यानि केंद्र का अनुदान लेने के लिए आय से संबंधित कोई शर्त नहीं है। इस योजना का लाभ लेने से बिजली बिल जीरो हो जाएगा और जो अतिरिक्त बिजली बचेगी, उस बिजली को भी सरकार खरीदेगी, जिससे उनकी अतिरिक्त आय होगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की यह बेहतरीन योजना है जिसके द्वारा समाज की हर वर्ग की ऊर्जा संबंधित जरूरतों को पूरा किया जा सकता है। अगर खपत से ज्यादा बिजली का उत्पादन सोलर पैनल द्वारा किया जाता है तो वह बिजली के खाते में जाएगा जिसका भुगतान सरकार द्वारा उक्त मकान मालिक को किया जाएगा। इस योजना से सौर ऊर्जा के उपयोग को प्रोत्साहन मिलेगा, जिससे पर्यावरण प्रदूषण कम होगा और स्वच्छ ऊर्जा के स्रोतों को अपनाने में मदद मिलेगी।

### राष्ट्रीय लोक अदालत में 13901 मामलों का किया गया निपटारा

**कुरुक्षेत्र 11 जून ( बृज मोहन )** जिला कोर्ट परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष तथा जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार मित्तल की अध्यक्षता में किया गया। इस लोक अदालत में रखे गए 19719 मामलों में से 13901 मामलों का मौके पर निपटारा किया गया। इन मामलों में 4 करोड़ 91 लाख 95 हजार 015 रुपए का मुआवजा देने के आदेश पारित किए गए। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने आज यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार मित्तल की अध्यक्षता में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया।

उन्होंने कहा कि बैंचों के पास राष्ट्रीय लोक अदालत में बैंक रिकवरी के 1094 केसों में से 22 केसों का मौके पर निपटारा किया गया और 43 लाख 52 हजार 658 राशि की सेटलमेंट के आदेश पारित किए गए। इसी तरह कुल मामलों में शामिल क्रिमिनल कम्पाउंडेशन के 242 केसों में से 107 केसों का मौके पर ही निपटारा किया गया तथा 61 हजार व फाइनेंस से सम्बन्धित लोन रिकवरी के 1025 में से 3 केसों का निपटारा किया गया तथा 54 हजार राशि के सेटलमेंट के आदेश पारित किए गए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल मामलों में शामिल एमएसीटी के 171 केसों में से 23 केसों का निपटान किया गया और 1 करोड़ 55 लाख 18 हजार के सेटलमेंट, ट्रैफिक चालान से सम्बन्धित 943 केसों में से 601 केसों का निपटारा किया गया तथा 8 लाख 90 हजार 750 राशि के आदेश पारित किए गए।

इसके अलावा लेबर से सम्बन्धित एक केस का मौके पर ही निपटान किया गया तथा 65 हजार राशि तथा बीएसएनएल टेलिफोन से सम्बन्धित 400 केसों में से 78 केसों का निपटान किया गया तथा 32 हजार की राशि के सेटलमेंट, अन्य सिविल केसों में 10553 में से 9836 मामलों का निपटारा किया गया और 2 करोड़ 82 लाख 21 हजार 607 रुपए के मुआवजे के आदेश पारित किए गए। इस प्रकार इस राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 19719 मामलों में से 13901 मामलों का मौके पर निपटारा किया गया। इन मामलों में 4 करोड़ 91 लाख 95 हजार 015 रूपए के मुआवजा देने के आदेश पारित किए गए।

# प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की 11वीं बैठक में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने लिया हिस्सा

***मुख्यमंत्री ने प्रदेश के हित इसे जुड़ी विभिन्न मांगों को रखा, भव्य योजना के तहत बनने वाले 50 औद्योगिक पार्कों में हरियाणा को शामिल करने की रखी मांग***

**मुख्यमंत्री बोले- 2047 तक देश की अर्थव्यवस्था में 1 ट्रिलियन डॉलर का योगदान करना हमारा लक्ष्य**

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

11 जून ( मुकेश डोलिया )

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में गुरुवार को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन के कल्चरल सेंटर में नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की 11वीं बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी व अन्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने हिस्सा लिया। बैठक में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि केंद्र और राज्य मिलकर टीम इंडिया की भावना से काम करें, तभी विकसित भारत का लक्ष्य हासिल होगा। उन्होंने कौशल विकास, रोजगार, उद्यमिता और मानव संसाधन निर्माण पर विशेष ध्यान देने की जरूरत बताई।

बैठक में हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश से जुड़ी विभिन्न मांगों को रखा। उन्होंने मांग की है कि केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी 'भव्य योजना' के तहत बनाए जाने वाले प्रथम 50 औद्योगिक पार्कों में हरियाणा को भी शामिल किया जाए। इसके साथ-साथ हरियाणा को सेमीकंडक्टर, डेटा सेंटर और इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में विकसित करने हेतु विशेष प्रोत्साहन पैकेज दिया जाए। उन्होंने हरियाणा में राष्ट्रीय स्तर का एआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किया जाए तथा एआई और ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर हब के विकास के लिए विशेष केंद्रीय पैकेज प्रदान किया जाए। उन्होंने औद्योगिक मॉडल टाउनशिप, सेक्टर-विशिष्ट औद्योगिक पार्क, ग्रीन हाइड्रोजन तथा नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए अतिरिक्त केंद्रीय सहायता उपलब्ध कराने की मांग भी की। उन्होंने राष्ट्रीय नवाचार एवं अनुसंधान कोष में हरियाणा को प्राथमिकता प्रदान करने पर भी जोर दिया।

बैठक में संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि यह बैठक ऐसे समय में हो रही है, जब आपके दूरदर्शी नेतृत्व में भारत अमृतकाल में 'विकसित भारत-2047' के लक्ष्य की ओर गति से अग्रसर है। पिछले 12 वर्षों में एक नए भारत का निर्माण हुआ है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने मध्य-पूर्व क्षेत्र में युद्ध जैसे हालात के दौरान लिए गए निर्णायक फैसलों ने विश्व मंच पर भारत के बढ़ते सामर्थ्य का परिचय दिया है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत-2047 के विजन को आधार बनाकर हमने हरियाणा विजन डॉक्यूमेंट-2047 तैयार किया है। हमारा लक्ष्य वर्ष 2047 तक देश की अर्थव्यवस्था में 1 ट्रिलियन डॉलर से अधिक का योगदान करना है। इसके साथ-साथ हरियाणा को 40 लाख रुपये से अधिक प्रति व्यक्ति आय वाला राज्य बनाना है।

**हरियाणा ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को सबसे पहले लागू किया**

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि विकसित मानव पूंजी के निर्माण की नींव प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2020 में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति से रख दी थी। हमने इस नीति को सबसे पहले लागू किया है। हमने स्कूलों में बच्चों का नामांकन व प्रारंभिक शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए राज्य में 17 हजार 859 'स्कूल रेडीनेस मेले' लगाए। इनमें दो लाख बच्चों व अढ़ाई लाख अभिभावकों ने भाग लिया। वर्ष 2018 से आरंभ की गई सुपर-100 योजना मेधावी विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के प्रतिष्ठित संस्थानों तक पहुंचाने में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त कर रही है। पिछले 5 वर्षों में इस योजना के अंतर्गत 267 विद्यार्थियों ने ढ्ढ.ढ्ढ.ञ्च, एन.आई.टी तथा मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश प्राप्त किया है। सरकारी स्कूलों में गुणवत्तापरक शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए 250 पी.एम.श्री स्कूल व 218 मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल खोले जा चुके हैं। उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करने की इस कड़ी को एक स्तर आगे बढ़ाते हुए हरियाणा सरकार द्वारा इसी वर्ष 250 सीएम ईई (चीफ मिनिस्ट्र एफिसिएंसी एंड अरली इंग्लिश) स्कूलों की स्थापना की गई है। बेटियों को उच्च शिक्षा प्रदान करना हमारी प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से प्रदेश में हर 20 किलोमीटर के दायरे में एक कॉलेज खोला गया है। इस समय प्रदेश में 61 महिला कॉलेज चल रहे हैं। हरियाणा के उच्च शिक्षण संस्थानों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए हमने नींव पोर्टल लॉन्च किया है। इस पर प्रदेश के सभी 187 कॉलेज और 47 विश्वविद्यालय जोड़े गए हैं।

**राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप कार्यक्रम के क्रियान्वयन में हरियाणा अव्वल**

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप कार्यक्रम के क्रियान्वयन में हरियाणा अव्वल है। प्रति लाख जनसंख्या पर हमारे 1 हजार 520 युवा अप्रेंटिसशिप कर रहे हैं। यह संख्या देश में सर्वाधिक है। इस उपलब्धि के लिए हरियाणा को चैंपियन आफ चेंज अवार्ड से सम्मानित किया गया है।

उन्होंने कहा कि कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय की महत्वपूर्ण पहल 'ड्यूल सिस्टम ऑफ ट्रेनिंग' योजना का हरियाणा में प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। आईटीआई की 20 प्रतिशत सीटों को ड्यूल ट्रेनिंग सिस्टम में बदला गया है। इस समय प्रदेश में लगभग 11 हजार बच्चे प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इस योजना में प्रशिक्षण पाने वाले 70 प्रतिशत से अधिक युवाओं को रोजगार मिल रहा है। पीएम सेतू योजना के तहत 4 क्लस्टरों में 21 ITI चिन्हित की गई हैं। हर क्लस्टर पर 241 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

हरियाणा खेलों का पावर हाउस

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा को खेलों का पावर हाउस माना जाता है। हम आपके 'खेलो इंडिया' विजन से प्रेरणा लेते हुए खेलों को जन-आंदोलन बनाने में गति से काम कर रहे हैं। गर्व की बात है कि एशियन गेम्स-2026 के लिए चुनी गई भारतीय कुश्ती टीम में सभी 18 खिलाड़ी हरियाणा के हैं। हमने ऐसे खिलाड़ियों को बचपन से ही तैयार करने की नीति बनाई है। हम मिशन ओलंपिक-2036 के लिए पूरी तैयारी कर रहे हैं। इस दिशा में मिशन ओलंपिक-2036 विजयी भव योजना तैयार की है।

**हरियाणा ने बनाई मेक इन हरियाणा औद्योगिक नीति-2026**

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि मानव पूंजी का वास्तविक मूल्य तभी है, जब उसे अवसर मिले। इसीलिए, हमने 'मेक इन हरियाणा औद्योगिक नीति-2026' तथा नौ नई सेक्टोरल नीतियां लागू की हैं। हमारा लक्ष्य अगले पांच वर्षों में 5 लाख करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित करना और 10 लाख नए रोजगार सृजित करना है। हमने इसी माह एक तारीख को अपनी नई औद्योगिक नीतियां लॉन्च की और एक ही दिन में हमें 1 लाख 10 हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इनमें 30 हजार करोड़ रुपये की एफ.डी.आई परियोजनाएं शामिल हैं। साथ ही 7 उद्योगों के लिए प्लॉट का आबंटन भी किया है। हरियाणा गंभीरता से मानव पूंजी के विकास में लगा हुआ है।

# मिड डे मील कर्मचारियों की वेतन वृद्धि और क्लास फोर कर्मचारियों को रिलीव करने का मुद्दा प्रमुखता से उठा

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

11 जून ( पुनीत महाजन )

क्लास फोर एम्प्लॉइज यूनियन, एजुकेशन डिपार्टमेंट, यू.टी. चंडीगढ़ (रजि. नं. 638) की मुख्य कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक आज यूनियन कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता यूनियन के प्रधान अन्नु कुमार ने की। बैठक में कर्मचारियों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई तथा कई महत्वपूर्ण निर्णय सर्वसम्मति से लिए गए।

बैठक को संबोधित करते हुए यूनियन के प्रधान अन्नु कुमार ने कहा कि शिक्षा विभाग के अंतर्गत चंडीगढ़ के सभी सरकारी स्कूलों में कार्यरत मिड डे मील कर्मचारियों की वेतन वृद्धि का मामला लंबे समय से लंबित पड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि बढ़ती महंगाई के दौर में कर्मचारियों के लिए वर्तमान वेतन पर परिवार का पालन-पोषण करना बेहद कठिन हो गया है। यूनियन ने चंडीगढ़ प्रशासन और शिक्षा विभाग से मांग की कि इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप कर वेतन वृद्धि संबंधी लंबित मांग का स्थायी समाधान किया जाए ताकि कर्मचारियों को राहत मिल सके। बैठक में चंडीगढ़ के सरकारी कॉलेजों में कार्यरत क्लास फोर कर्मचारियों को रिलीव किए जाने के मुद्दे पर भी गहरी चिंता व्यक्त की गई। यूनियन नेताओं ने कहा कि बिना किसी ठोस व्यवस्था के कर्मचारियों को ड्यूटी से हटाना न केवल अन्यायपूर्ण है, बल्कि इससे उनके परिवारों के समक्ष आर्थिक संकट भी उत्पन्न हो रहा है। यूनियन ने मांग की कि कर्मचारियों को रिलीव करने की प्रक्रिया तुरंत रोकी जाए तथा जिन कर्मचारियों को हटाया गया है, उन्हें शीघ्र पुनः ड्यूटी पर बहाल किया जाए। यूनियन ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि यदि चंडीगढ़ प्रशासन और शिक्षा विभाग ने कर्मचारियों की इन जायज मांगों एवं समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया, तो यूनियन कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए व्यापक आंदोलन और संघर्ष का रास्ता अपनाने के लिए बाध्य होगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय भी लिया गया कि 16 जून 2026 को कोऑर्डिनेशन कमेटी ऑफ गवर्नमेंट एंड एम.सी. एम्प्लॉइज एंड वर्कर्स, यू.टी. चंडीगढ़ के बैनर तले आयोजित होने वाली महा रैली को क्लास फोर एम्प्लॉइज यूनियन पूर्ण समर्थन देगी। यूनियन के पदाधिकारी एवं सदस्य बड़ी संख्या में इस रैली में भाग लेकर कर्मचारियों की आवाज को बुलंद करेंगे।

बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने कर्मचारियों की एकजुटता बनाए रखने तथा उनके अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया।

# हरित योग अभियान के तहत जिलेभर में औषधीय पौधा रोपण, एलएनजेपी अस्पताल में योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण आयोजित : डॉ मंजू शर्मा

» प्रथम न्यूज । कुरुक्षेत्र

11 जून ( बृज मोहन )

जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. मंजू शर्मा ने कहा कि 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे योग एवं हरित योग अभियान का उद्देश्य समाज को स्वस्थ, जागरूक एवं पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाना है।

योग न केवल शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करता है, बल्कि पौधारोपण जैसी गतिविधियाँ प्रकृति संरक्षण और भावी पीढ़ियों के लिए स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने सभी नागरिकों से योग को दैनिक जीवन में अपनाने तथा पर्यावरण संरक्षण हेतु अधिक से अधिक पौधे लगाने का आह्वान किया।

महानिदेशक आयुष हरियाणा, जिला प्रशासन कुरुक्षेत्र के निर्देशानुसार तथा जिला आयुर्वेदिक अधिकारी कुरुक्षेत्र डॉ. मंजू शर्मा के दिशा-निर्देशन में 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026 के उपलक्ष्य में हरित योग अभियान के अंतर्गत जिलेभर में औषधीय पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अभियान के तहत जिले के सभी आयुष संस्थानों, आयुष्मान आरोग्य मंदिरों, जी.एच.डी., जी.ए.डी. तथा व्यायामशालाओं में औषधीय एवं पर्यावरण संरक्षण हेतु उपयोगी पौधे लगाए गए।

इसी कड़ी में 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026 के सफल आयोजन हेतु महानिदेशक आयुष हरियाणा, जिला प्रशासन कुरुक्षेत्र एवं हरियाणा योग आयोग के तालमेल से जिलेभर में योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर एवं योग जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

आयुष विभाग कुरुक्षेत्र एवं स्वास्थ्य विभाग कुरुक्षेत्र द्वारा एल.एन.जे.पी. अस्पताल, कुरुक्षेत्र में योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आर.एम.ओ. डॉ. बलराज उपस्थित रहे। उनके साथ नर्सिंग ऑफिसर गुरमीत कौर भी कार्यक्रम में मौजूद रहीं।

योग प्रोटोकॉल का प्रशिक्षण आयुष विभाग के योग विशेषज्ञ मनजीत द्वारा दिया गया, जबकि योगासन एवं प्रोटोकॉल का प्रदर्शन योग सहायक राजीव कुमार एवं दीक्षा, बाला देवी द्वारा करवाया गया। जिसमें 49 प्रतिभागियों द्वारा भाग लिया गया7 कार्यक्रम में एल.एन.जे.पी. अस्पताल का स्टाफ उत्साहपूर्वक उपस्थित रहा तथा सभी प्रतिभागियों ने योगाभ्यास में सक्रिय भागीदारी की।

आयुष विभाग द्वारा जिले की विभिन्न व्यायामशालाओं, जी.एच.डी., जी.ए.डी. एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में भी योग प्रोटोकॉल अभ्यास करवाया गया, जिसमें लगभग 327 प्रतिभागियों ने भाग लेकर योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया।

### चंडीगढ़ पुलिस ने एक सप्ताह में 13 भगोड़े/वांछित आरोपियों को किया गिरफ्तार

**चंडीगढ़, 11 जून ( पुनीत महाजन )** – चंडीगढ़ पुलिस के पीओ एवं समन स्टाफ ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (SSP) यूटी चंडीगढ़ के निर्देशों तथा डीएसपी डीसीसी पी. अभिनंदन के पर्यवेक्षण में बड़ी सफलता हासिल करते हुए 4 जून 2026 से 10 जून 2026 के बीच कुल 13 वांछित एवं भगोड़े आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

इंस्पेक्टर हरभजन सिंह, प्रभारी पीओ एवं समन स्टाफ के नेतृत्व में पुलिस टीम ने विभिन्न मामलों में फरार चल रहे आरोपियों को पकड़ने में सफलता प्राप्त की। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में 6 राज्य मामलों के उद्घोषित अपराधी (PO), 2 एनआई एक्ट की धारा 138 के मामले में उद्घोषित अपराधी, 3 गैर-जमानती वारंट (NBW) के आरोपी, 1 पुनः गिरफ्तारी वारंट तथा 1 उद्घोषणा (Proclamation) से संबंधित आरोपी शामिल हैं। गिरफ्तार किए गए प्रमुख आरोपियों में सागर, विशाल उर्फ कक्कड़ी, विनोद कुमार, सुमित, पिंटू उर्फ पंतु, गौरव उर्फ भारत, दिलीप पंडिता तथा सोमपाल शामिल हैं। ये आरोपी चोरी, मारपीट, हत्या के प्रयास, आबकारी अधिनियम तथा अन्य गंभीर अपराधों से जुड़े मामलों में लंबे समय से फरार चल रहे थे। पुलिस ने विभिन्न स्थानों पर छापेमारी कर आरोपियों को गिरफ्तार किया और उन्हें संबंधित अदालतों में पेश किया गया। अदालतों के आदेशानुसार अधिकांश आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया, जबकि कुछ को जमानत पर रिहा किया गया।

इसके अतिरिक्त तीन गैर-जमानती वारंटों का सफलतापूर्वक निष्पादन किया गया, एक उद्घोषणा की कार्रवाई पूरी की गई तथा एक पुनः गिरफ्तारी वारंट भी तामील किया गया। चंडीगढ़ पुलिस ने कहा कि अपराधियों एवं भगोड़ों के खिलाफ यह अभियान लगातार जारी रहेगा तथा कानून से बचने की कोशिश करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

# विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 के लिए प्रशासन ने बनाया हेल्पडेस्क, टोल फ्री नंबर 1950 से लें सूचना : विश्राम कुमार मीणा

**जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर सभी संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों को दिया जा रहा है प्रशिक्षण ,-घर-घर जाकर 783976 वोटरों का किया जाएगा विशेष गहन पुनरीक्षण**

» प्रथम न्यूज । कुरुक्षेत्र

11 जून ( बृज मोहन )

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि 15 जून से 14 जुलाई तक चलने वाले विशेष गहन पुनरीक्षण की जिला प्रशासन ने सभी तैयारियों को पूरा कर लिया है। इसके लिए जिला प्रशासन की तरफ से हेल्प डेस्क भी स्थापित किया जा चुका है। वहीं किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए टोल फ्री नंबर 1950 सुचारु किया जा रहा है, जहां से नागरिक किसी भी प्रकार की सूचना प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि 15 जून से 810 बीएलओ जिले की चारों विधानसभाओं के 783976 वोटरों का विशेष गहन पुनरीक्षण घर-घर जाकर किया जाएगा। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित विशेष गहन पुनरीक्षण की बैठक को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले मुख्य चुनाव अधिकारी हरियाणा श्रीनिवास ने वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से प्रदेश के सभी उपायुक्तों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर राजनैतिक दलों के साथ बैठक करके पूरी जानकारी साझा किया जा चुका है। इसमें विभिन्न फार्म और उनके प्रयोग की ट्रेनिंग व विस्तृत रिपोर्ट दी गई। इसके अलावा सभी संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को ट्रेनिंग दी जा रही है। ट्रेनिंग के साथ-साथ वोटरों के मैपिंग को कार्य भी किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मीडिया के माध्यम से जनता तक विशेष गहन पुनरीक्षण का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि 5 जून से 14 जून तक सभी बीएलओ को विभाग की तरफ से ट्रेनिंग दी जाएगी। ट्रेनिंग के बाद 15 जून से 14 जुलाई तक विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य किया जाएगा। ट्रेनिंग के दौरान बताया जाएगा कि किस वोटर से कौन सा फार्म भरवाया जाना है और कैसे भरवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिनका वोट 2002 में बना हुआ है, उन्हें 2002 वाला डाटा भरना होगा। जिन वोटरों का वोट 2002 के बाद बना है उन्हें अपने परिजनों (माता-पिता, दादा-दादी) का डाटा भरना है। जो वोटर गांव-शहर से बाहर रहते हैं, उनके परिवारजन उनका फार्म भरकर बीएलओ को जमा करवा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि 21 जुलाई को ड्राफ्ट रोल तैयार होगा, 20 अगस्त तक दावे आपत्ति दे सकते हैं। किसी भी प्रकार के दावे आपत्ति को सबसे पहले आरओ / एसडीएम को दर्ज करवा सकते हैं, संतुष्टि न होने पर डीआरओ/उपायुक्त को, इसके बाद ईओ को आपत्ति दर्ज कर सकते हैं। इन दावे आपत्तियों को 21 जुलाई से 18 सितंबर तक सुनवाई के बाद निर्णय दिया जाएगा। सुनवाई के बाद 22 सितंबर को अंतिम निर्वाचनवली का प्रकाशन किया जाएगा। प्रत्येक विधानसभा में 4-4 एईआरओ भी नियुक्त किए गए हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2002 की वोटर सूची सीईओ हरियाणा और ईसीआई की वेबसाइट से भी डाउनलोड कर सकते हैं।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि 14 जुलाई तक रेशनेलाइजेशन का कार्य किया जाएगा। इस दौरान 1200 से ज्यादा वोटरों वाले बूथों में कम वोट किए जाएंगे। इनमें से 101 बूथों के वोटरों को साथ लगते बूथों में शिफ्ट किया जाएगा। इसके साथ ही 75 नए बूथ तैयार किए जाएंगे। रेशनेलाइजेशन प्रक्रिया के दौरान ये बूथ कम-ज्यादा भी हो सकते हैं। इस मौके पर नगराधीश आशीष कुमार, चुनाव तहसीलदार संदीप कुमार सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

आज का

# संपादकीय

## फिर भड़का युद्ध

अमेरिका और ईरान के बीच फिर से युद्ध छिड़ने के कारण न केवल पश्चिम एशिया का संकट और गहरा गया है, बल्कि विश्व अर्थव्यवस्था के लिए भी समस्याएं बढ़ गई हैं। अमेरिकी हमलों के जवाब में ईरान ने जिस तरह होर्मुज समुद्री जल मार्ग को फिर से बंद करने का फैसला किया, उसके बाद अमेरिका और उसके बीच तनाव तो बढ़ेगा ही, खाड़ी के देशों से होने वाली तेल और गैस की आपूर्ति के भी बिल्कुल ठप होने का अंदेशा है।

इसके चलते पहले से ही चढ़े तेल एवं गैस के मूल्य और बढ़ सकते हैं। इससे भारत समेत अन्य देशों और विशेष रूप से एशियाई देशों का संकट और बढ़ेगा। इससे खराब बात और कोई नहीं कि अमेरिका और ईरान के बीच समझौते की जो थोड़ी-बहुत गुंजाइश बन रही थी, वह भी समाप्त होती दिख रही है। इसके लिए दोनों ही पक्षों का अड़ियल रवैया जिम्मेदार है।

जहां अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप यह चाहते हैं कि ईरान उनके मन मुताबिक समझौता करे, वहीं ईरानी नेतृत्व न तो परमाणु हथियार बनाने के अपने इरादे का परित्याग करने को तैयार है और न ही होर्मुज पर अपना दावा छोड़ने के लिए। वह इजरायल के लिए खतरा बने हिजबुल्ला को समर्थन देने से पीछे हटने के लिए भी तैयार नहीं। वह यह तो चाहता है कि इजरायल लेबनान में हिजबुल्ला के ठिकानों पर हमला करने से बाज आए, लेकिन वह इस संगठन को इजरायल को निशाना बनाने से रोकने के लिए तैयार नहीं।

समस्या केवल यह नहीं कि ईरान होर्मुज पर अवैध कब्जा करना चाहता है, बल्कि यह भी है कि अमेरिकी सेना उसके बंदरगाहों की नाकेबंदी के चलते इस समुद्री जल मार्ग से इस बहाने जहाजों को नहीं निकलने दे रहा है कि वे या तो ईरान जा रहे थे या फिर वहां से आ रहे थे। इसी को आधार पर बनाकर उसने पिछले चार दिनों में तीन जहाजों पर हमले किए। इनमें से दो पलाऊ और एक गिनी-बिसाऊ का था, लेकिन इन तीनों में भारतीय नाविक सवार थे। इनमें से एक जहाज पर अमेरिकी हमला घातक साबित हुआ। इस हमले में तीन भारतीय नाविक मारे गए। साफ है कि अमेरिकी सेना निहायत ही गैर जिम्मेदारी का परिचय दे रही है। वह जहाजों को रोकने, जब्त करने के बजाय जिस तरह उन्हें ध्वस्त करने का काम कर रही है, वह अस्वीकार्य और अक्षम्य है। यह सर्वथा उचित है कि भारत ने अपने तीन भारतीय नाविकों के मारे जाने की घटना पर अमेरिकी राजनयिक को तलब कर अपना विरोध दर्ज कराया, लेकिन केवल इतना ही पर्याप्त नहीं। उसे विश्व के अन्य देशों के साथ मिलकर अमेरिका और ईरान पर इसके लिए दबाव बनाना होगा कि वे कारोबारी जहाजों को निशाना बनाने से बाज आएं। भारत को ऐसा इसलिए करना होगा, क्योंकि खाड़ी क्षेत्र में 18 हजार से अधिक भारतीय नाविक देसी-विदेशी जहाजों पर कार्यरत हैं।



# जीवन का कैनवास पवित्र होना चाहिए

**नरेन्द्र भारती**
वरिष्ठ पत्रकार

कभी किसी श्मशान घाट पर रात को रुके हो?

सन्नाटा ऐसा कि अपनी ही साँस की आवाज़ डराने लगे। चारों तरफ लकड़ियों के ढेर, राख की परतें, और बीच-बीच में बुझी हुई चिताओं के धुएँ की गंध। उसी वक्त समझ आता है कि जीवन कितना छोटा है। जो अभी हँस रहा था, वो पाँच मिनट में मुट्ठी भर राख रह जाता है। नाम, पहचान, पद, पैसा-सब वहीं रह जाता है। साथ जाता है सिर्फ वो, जो तुमने किया, और वो, जो तुमने किसी के लिए किया।

जीवन दुर्लभ है। यह कोई कविता की लाइन नहीं, सच्चाई है।

धरती पर अरबों लोग पैदा होते हैं, मरते हैं। पर तुम एक बार ही आए हो। दोबारा वही चेहरा, वही माँ की गोद, वही बचपन की वो गली, वो स्कूल का पहला दिन-फिर नहीं मिलेगा। प्रकृति रिप्ले का बटन नहीं देती।

और इस दुर्लभ जीवन को हम क्या बना देते हैं?

एक रेस। एक दिखावा। एक ऐसी फिल्म, जिसमें हम खुद ही डायरेक्टर, एक्टर और क्रिटिक बन जाते हैं। और आखिर में जब पर्दा गिरता है, तो पता चलता है कि कहानी में दम ही नहीं था।

कैनवास तुम्हें मिला है, पर रंग तुम्हें भरने हैं

चित्रकार को कैनवास मिलता है। खाली, सफेद, बेदाग। वो चाहे तो उस पर मोनालिसा बना दे, चाहे तो उस पर कीचड़ फेंक दे। उसकी मर्जी।

ठीक वैसे ही जीवन मिला है। साफ, बेदाग। जन्म के वक्त कोई भी बच्चा चोर, झूठा, नफरती नहीं होता। समाज, लालच, डर, और आदतें धीरे-धीरे कैनवास पर रंग भरती हैं।

अब सवाल ये है-तुम क्या भर रहे हो?

कुछ लोग कैनवास पर मेहनत का रंग भरते हैं। सुबह उठकर मेहनत करते हैं, रात को चैन से सोते हैं। उनका चेहरा थका होता है, पर आँखों में चमक होती है।

कुछ लोग कैनवास पर धोखे का रंग भरते हैं। दूसरों को ठगकर, झूठ बोलकर, ऊपर चढ़ते हैं। बाहर से चमकते हैं, पर अंदर खोखले होते हैं।

कुछ लोग कैनवास पर नफरत का रंग भरते हैं। हर बात में कमी निकालते हैं, हर इंसान में खोट देखते हैं। ऐसे लोगों के आसपास कोई टिक नहीं पाता।

याद रखो-रंग एक बार लग जाए तो मिटता नहीं। मिटाना पड़े तो पूरी मेहनत लगती है। और कभी-कभी तो निशान रह ही जाता है।

**पवित्र कैनवास का मतलब पाखंडी जीवन नहीं, ईमानदार जीवन है**

लोग सोचते हैं पवित्र कैनवास मतलब साधु-संत बन जाओ। गलत।

पवित्र कैनवास का मतलब है-तुम जो हो, वही दिखो। नकाब मत पहनो।

एक किसान सुबह चार बजे उठकर खेत में जाता है। हाथ में छाले हैं, कपड़े मैले हैं, पर रात को वो चैन से सोता है। क्योंकि उसने किसी का हक नहीं मारा।

एक व्यापारी ए.सी. कमरे में बैठकर करोड़ों का हिसाब करता है। पर रात को नींद की गोली खाता है। क्योंकि उसे डर है कि कहीं इनकम टैक्स न आ जाए, कहीं साझेदार धोखा न दे।

**कौन अमीर है?**

जिसके पास पैसा ज्यादा है, वो?

या जिसके पास सुकून ज्यादा है, वो?

पवित्र कैनवास का मतलब ये नहीं कि तुमने गलती न की हो। गलती तो हर इंसान करता है। चित्रकार से भी रंग गिर जाता है, ब्रश फिसल जाता है। पर वो फौरन कपड़ा उठाकर पोंछ देता है। गलती को गलती मान लेना, और उसे दोहराना नहीं-यही साफ करने का तरीका है।

**पर हम क्या करते हैं?**

गलती करते हैं, फिर उसे छिपाने के लिए सौ झूठ बोलते हैं। झूठ पर झूठ चढ़ाते हैं। धीरे-धीरे कैनवास इतना गंदा हो जाता है कि खुद को भी अपना चेहरा नहीं दिखता। आईना देखो तो सिर्फ मुखौटा दिखता है।

**रामू काका की कहानी**

मेरे गाँव में रामू काका रहते थे। रिक्शा चलाते थे। दिन भर धूप में पसीना बहाते, शाम को सौ-दो सौ कमा लेते। घर में बीवी और दो बच्चे।

एक बार गाँव के एक सेठ का पर्स रिक्शे में रह गया। उसमें पाँच हजार रुपये थे। उस जमाने में पाँच हजार बड़ी रकम थी। रामू काका ने पर्स लौटा दिया।

लोगों ने कहा-पागल हो का? रख लेते। किसी को पता थोड़ी चलता।

रामू काका हँसे और बोले-पता चले न चले, पर रात को नींद तो नहीं आएगी। मेरे बच्चों को अगर पता चले कि बाप ने चोरी का पैसा लाया है, तो वो खाना भी नहीं खाएँगे।

सेठ ने खुश होकर उन्हें हजार रुपये इनाम दिए। रामू काका ने वो भी नहीं लिए। बोले-मेरा काम था लौटाना। इनाम मेरा हक नहीं।

आज रामू काका नहीं रहे। पर गाँव में आज भी जब ईमानदारी की बात होती है, तो लोग कहते हैं-रामू काका जैसा बनो।

उनके पास बैंक बैलेंस नहीं था। पर उनके कैनवास पर एक भी काला धब्बा नहीं था।

और यही असली कमाई है।

**अपवित्र कैनवास और उसकी कीमत**

इसके उलट, मैंने एक आदमी देखा था। नाम नहीं लूँगा। शहर का बड़ा आदमी था। बिल्डर था। जमीन हड़पता था, मिलावट करता था, सरकारी अफसरों को रिश्वत देता था। पाँच साल में करोड़पति बन गया।

शादी में लाखों उड़ाता था। हर धर्मस्थान में लाख का दान देता था। नाम बड़े-बड़े अक्षरों में लिखा होता था।

पर जब वो 52 साल का हुआ, तो उसे कैंसर हो गया। आखिरी छह महीने अस्पताल में बीते। बेटा-बेटी विदेश में थे। बीवी भी पास नहीं बैठती थी। क्योंकि उसे पता था-ये पैसा कैसे आया है।

मरते वक्त उसने मेरा हाथ पकड़ा और बोला-भारती जी, एक बात लिख देना। मैंने जिंदगी भर कमाया, पर जिया नहीं।

अब जब जाने का वक्त आया,
तो साथ कुछ नहीं जा रहा।
तीन दिन बाद वो चला गया।
अखबार में शोक संदेश छपा-
एक महान समाजसेवी का निधन।

पर सच ये था कि वो समाजसेवी नहीं, एक अपवित्र कैनवास लेकर गया।

**पवित्र कैनवास की असली कमाई**

पैसा कमाना बुरा नहीं है। घर बनाना बुरा नहीं है। गाड़ी लेना बुरा नहीं है।

बुरा ये है कि इन सबके चक्कर में तुम खुद को खो दो।

पवित्र कैनवास की कमाई दिखती नहीं, पर महसूस होती है।

पहली कमाई-नींद।

जिसके पास चोरी का पैसा है, वो ए.सी. में भी नहीं सो पाता। जिसके पास मेहनत की रोटी है, वो जमीन पर भी चैन से सोता है।

दूसरी कमाई-इज्जत।

लोग तुम्हें पद से नहीं, किरदार से याद रखते हैं। जब तुम जाओगे, तो लोग कहेंगे-अच्छा आदमी था। ये शब्द किसी पदक से बड़े हैं।

तीसरी कमाई-दुआ।

जिसकी मदद तुमने बिना बताए की, वो तुम्हें बददुआ नहीं देगा। उसकी दुआ तुम्हारे बच्चों तक पहुँचती है।

चौथी कमाई-खुद से दोस्ती।

रात को आईने के सामने खड़े होकर तुम खुद से आँख मिला सको। ये सबसे बड़ी जीत है।

**कैनवास पवित्र कैसे रखें**

कोई जादू नहीं है। तीन बातें याद रखो

एक-झूठ मत बोलो, खासकर खुद से।

हम सबसे ज्यादा धोखा खुद को देते हैं। अभी कर लूँगा, कल से सुधर जाऊँगा, एक बार और कर लूँ फिर छोड़ दूँगा। ये सब बहाने हैं। आज जो करोगे, वही कल बनेगा।

दो-हिसाब साफ रखो।

पैसे का, रिश्तों का, समय का। उधार लिया है तो लौटाओ। वादा किया है तो निभाओ। देर हो सकती है, पर मुकरना मत।

**तीन-देना सीखो।**

देने से कैनवास पवित्र होता है। पैसा दो, समय दो, मुस्कान दो, माफी दो। देना मत भूलो। क्योंकि जो सिर्फ लेता है, वो अंदर से मर जाता है।

**आखिरी सच**

एक दिन तुम्हारा भी नंबर आएगा।

डॉक्टर कहेगा-अब कुछ नहीं हो सकता।

लोग कहेंगे-अब ले जाओ।

उस वक्त तुम्हारे बैंक बैलेंस की कोई कीमत नहीं होगी।

उस वक्त तुम्हारा पद कोई काम नहीं आएगा।

उस वक्त सिर्फ एक चीज काम आएगी-तुम्हारा कैनवास।

अगर कैनवास पवित्र है, तो तुम मुस्कुराते हुए जाओगे।

अगर कैनवास काला है, तो तुम डरते हुए जाओगे।

सोचो, तुम कैसे जाना चाहते हो?

जीवन दुर्लभ है। बार-बार नहीं मिलता।

इसे रेस मत बनाओ। इसे रिश्ता बनाओ।

खुद से, अपने परिवार से, समाज से, और सबसे बड़ी बात-अपनी अंतरात्मा से।

रंग भरते रहो, पर ध्यान रखो कि रंग झूठा न हो।

तस्वीर बनाते रहो, पर ध्यान रखो कि तस्वीर झूठी न हो।

क्योंकि आखिर में यही तस्वीर तुम्हारी पहचान बनेगी।

और जब लोग तुम्हारी तस्वीर देखें, तो कहें-

हाँ, ये इंसान था। इसने जिया था।

यही असली कमाई है।

यही जीवन का सार है।

जीवन का कैनवास मिला है, करुणा व इंसानियत के रंग भरो।

# कानूनों का दुरुपयोग रोकने का समय

हाल में देश की शीर्ष अदालत ने एक मामले में महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए एक ऐसी चिंताजनक प्रवृत्ति की ओर ध्यान आकर्षित किया, जो केवल न्याय व्यवस्था ही नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय है। न्यायालय ने कहा, वैवाहिक अथवा व्यावसायिक संबंधों में जुड़े पक्षकार प्रतिशोध की भावना से एक-दूसरे के विरुद्ध आपराधिक प्रकृति के तुच्छ एवं दुर्भावनापूर्ण दावे करने तथा आरोप लगाने का काम कर रहे हैं।

वे अनैतिक और कुटिल उपायों का सहारा लेते हैं। अनेक मामलों में कानून और पुलिस का सहारा न्याय प्राप्त करने के लिए नहीं, बल्कि दूसरे पक्षकार तथा उसके परिवारजनों पर दबाव बनाने, उन्हें परेशान करने तथा प्रतिशोध लेने के उद्देश्य से लिया जाता है। यह सब पक्षकार और उसके परिवारजनों के प्रति घृणा और तिरस्कार की भावना से प्रेरित होकर किया जाता है। सर्वोच्च न्यायालय की यह चिंता निराधार नहीं है।

वैवाहिक विवादों में झूठे और दुर्भावनापूर्ण मुकदमों की प्रवृत्ति को लेकर समय-समय पर न्यायालयों ने गंभीर टिप्पणियां की हैं। दहेज उत्पीड़न, वैवाहिक क्रूरता, घरेलू हिंसा तथा अन्य कानूनी प्रविधानों के अंतर्गत ऐसे मामले तमाम सामने आए हैं, जिनमें आरोप न्यायिक परीक्षण में सिद्ध नहीं हो सके। कई बार सामान्य, अस्पष्ट और व्यापक आरोपों के आधार पर पूरे परिवार को मुकदमेबाजी के दायरे में खड़ा कर दिया जाता है।

यह सच है कि महिलाओं के विरुद्ध होने वाली हिंसा, दहेज उत्पीड़न और भेदभाव की समस्या वास्तविक है तथा उससे संघर्ष करना किसी भी सभ्य समाज का दायित्व है, किंतु भारतीय समाज की चुनौती केवल इतनी भर नहीं है। सत्य यह भी है कि अनेक पुरुष झूठे आरोपों, दुर्भावनापूर्ण मुकदमों और लंबी न्यायिक प्रक्रियाओं के कारण मानसिक, सामाजिक और आर्थिक पीड़ा का सामना कर रहे हैं। पुरुषों की समस्याएं आज भी अपेक्षित सामाजिक और विधिक विमर्श का विषय नहीं बन सकी हैं।

परिणामस्वरूप अनेक बार उनकी पीड़ा को या तो गंभीरता से लिया ही नहीं जाता अथवा उसे सामाजिक विमर्श का वैध विषय नहीं माना जाता। यही कारण है कि 22 जनवरी, 2025 को 'ज्योति उर्फ किट्टू बनाम राज्य' मामले में न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा को यह टिप्पणी करनी पड़ी कि यह धारणा कि वैवाहिक संबंधों में केवल महिलाएं ही शारीरिक अथवा मानसिक क्रूरता की शिकार होती हैं और इसके कोई अपवाद नहीं हैं, जीवन की कठोर वास्तविकताओं के विपरीत हो सकती है।

**एक ओर महिलाओं के विरुद्ध हिंसा समाज के लिए चुनौती है, तो दूसरी ओर झूठे आरोपों और विधिक प्रक्रियाओं के दुरुपयोग की समस्या भी न्याय व्यवस्था के समक्ष एक गंभीर प्रश्न बनकर उभरी है। इसका समाधान अब होना ही चाहिए।**

न्यायालय ने स्पष्ट शब्दों में कहा था, जिस प्रकार महिलाएं क्रूरता और हिंसा से संरक्षण की अधिकारिणी हैं, उसी प्रकार पुरुष भी विधि के अंतर्गत समान सुरक्षा पाने के अधिकारी हैं।

लंबे समय तक यह माना जाता रहा कि कोई भी महिला अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा और सम्मान को दांव पर लगाकर दुष्कर्म, यौन उत्पीड़न की मिथ्या शिकायत नहीं करेगी। यही कारण था कि ऐसे आरोपों को सामान्यत: विश्वसनीयता के साथ देखा जाता था। इस संदर्भ में गत वर्ष केरल उच्च न्यायालय ने कहा था कि बदलते सामाजिक परिदृश्य में इस धारणा का यांत्रिक रूप से अनुसरण नहीं किया जा सकता कि केवल आरोप लगाए जाने मात्र से उसकी सत्यता स्वत: सिद्ध हो जाती है। न्यायालय ने माना कि यद्यपि ऐसे मामले अपवादस्वरूप हो सकते हैं, तथापि कुछ प्रकरणों में गंभीर आरोप प्रतिशोध, दबाव या अन्य स्वार्थपूर्ण उद्देश्यों से भी लगाए गए। इसलिए किसी भी आरोप की सत्यता का निर्धारण पूर्वधारणाओं से नहीं, बल्कि तथ्यों और साक्ष्यों की कसौटी पर ही किया जाना चाहिए। वास्तव में समस्या का मूल कारण अधिकार नहीं, बल्कि अधिकार और उत्तरदायित्व के बीच बिगड़ता संतुलन है।

किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में अधिकारों का संरक्षण आवश्यक है, किंतु उतना ही आवश्यक यह भी है कि उन अधिकारों के प्रयोग के साथ जवाबदेही भी सुनिश्चित हो। जब किसी कानून का उपयोग संरक्षण के स्थान पर प्रतिशोध, दबाव अथवा व्यक्तिगत स्वार्थ की पूर्ति का माध्यम बनने लगे, तो उसका प्रभाव केवल संबंधित पक्षों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि न्याय व्यवस्था की विश्वसनीयता को भी प्रभावित करता है। देशभर में ऐसे अनेक मामले सामने आए हैं, जिनमें वर्षों तक न्यायिक प्रक्रिया का सामना करने के पश्चात आरोप असत्य अथवा प्रमाणित न हो पाने वाले सिद्ध हुए।

ऐसे मामलों में केवल मुकदमे का परिणाम ही महत्वपूर्ण नहीं होता, बल्कि वह सामाजिक, मानसिक और आर्थिक क्षति भी महत्वपूर्ण होती है, जिसका सामना आरोपित व्यक्ति और उसका परिवार करते हैं।

प्रतिष्ठा की हानि, सामाजिक कलंक, पारिवारिक विघटन और मानसिक आघात ऐसे घाव हैं, जिनकी भरपाई प्राय: किसी न्यायिक आदेश से नहीं हो पाती। यह भी उतना ही सत्य है कि महिलाओं के विरुद्ध होने वाली वास्तविक हिंसा और उत्पीड़न के मामलों में कानून का कठोर और प्रभावी होना अनिवार्य है, किंतु किसी एक समस्या का समाधान दूसरी समस्या की उपेक्षा करके नहीं किया जा सकता।

एक ओर महिलाओं के विरुद्ध हिंसा समाज के लिए चुनौती है, तो दूसरी ओर झूठे आरोपों और विधिक प्रक्रियाओं के दुरुपयोग की समस्या भी न्याय व्यवस्था के समक्ष एक गंभीर प्रश्न बनकर उभरी है। इसका समाधान अब होना ही चाहिए।

माननीय मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान जी के नाम खुला पत्र

# इलेक्शन वीर और जनगणना वीर की भर्ती हो

**(हमारी शिक्षा व्यवस्था को बचाने का एक प्रभावी समाधान)**

भारत सरकार द्वारा चार वर्षीय अग्निवीर योजना शुरू की गई है, जिसके अंतर्गत 17.5 से 21 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं की भर्ती भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना में की जाती है। चार वर्ष की सेवा के बाद बेहतर प्रदर्शन के आधार पर 25 प्रतिशत युवाओं को स्थायी रूप से सेवा में रखा जाता है। इन युवाओं को अग्निवीर कहा जाता है। इन्हें छह माह का कठोर सैन्य प्रशिक्षण दिया जाता है तथा शेष अवधि में फील्ड सेवा में तैनात किया जाता है। चार वर्ष पूरे होने पर उन्हें अनुभव एवं कौशल प्रमाण-पत्र (स्किल सर्टिफिकेट) भी प्रदान किया जाता है, जिससे वे अन्य क्षेत्रों में अपना करियर आगे बढ़ा सकें। यह योजना काफी हद तक सफल मानी गई है, भले ही इसके पक्ष और विपक्ष में विभिन्न मत रहे हों।

मेरा मानना है कि लाखों रुपये वेतन पाने वाले शिक्षकों की नियुक्ति इसलिए की जाती है ताकि वे विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा प्रदान कर सकें और उनके भविष्य को संवारने में अपना योगदान दे सकें। लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि इन्हीं शिक्षकों को पूरे वर्ष बी.एल.ओ. ड्यूटी, चुनावी कार्यों तथा वर्तमान में चल रही जनगणना जैसे गैर-शैक्षणिक कार्यों में लगा दिया जाता है, जिनसे इनकार करने की उनके पास कोई गुंजाइश नहीं होती। सरकार यह भूल जाती है कि यदि शिक्षक लगातार ऐसे कार्यों में ही व्यस्त रहेंगे तो वे भविष्य के वैज्ञानिक, इंजीनियर, डॉक्टर, वकील, लेखक, चित्रकार और नेता कैसे तैयार करेंगे? इससे न केवल विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित होती है, बल्कि सरकारी खजाने से शिक्षकों के वेतन पर खर्च की जा रही करोड़ों रुपये की राशि का उद्देश्य भी अधूरा रह जाता है।

माननीय मुख्यमंत्री जी को मेरा सुझाव है कि हमारे रोजगार कार्यालयों में हजारों बेरोजगार युवाओं के बायोडाटा पड़े रहते हैं और प्रतिदिन सैकड़ों युवा रोजगार की तलाश में इन कार्यालयों के चक्कर लगाते हैं। यदि इन्हीं रोजगार कार्यालयों के माध्यम से अग्निवीर योजना की तर्ज पर बेरोजगार युवाओं को इलेक्शन वीर/इलेक्शन बहन तथा जनगणना वीर/जनगणना बहन के रूप में भर्ती किया जाए, तो पंजाब ही नहीं बल्कि देश के अन्य राज्यों की तस्वीर भी बदल सकती है। ये युवा नए उत्साह और ऊर्जा के साथ इन कार्यों को संपन्न करेंगे।

कार्य पूरा होने के बाद उन्हें प्रमाण-पत्र एवं कौशल प्रमाण-पत्र दिए जाएं, जिनमें यह उल्लेख हो कि उन्होंने सफलतापूर्वक चुनाव अथवा जनगणना का कार्य किया है। इन प्रमाण-पत्रों को सरकारी नौकरियों में वरीयता दी जाए अथवा इसके लिए अलग से कोटा निर्धारित किया जाए। मेरा विश्वास है कि यह निर्णय पंजाब ही नहीं, बल्कि पूरे भारत के लिए नए अवसरों के द्वार खोल सकता है। शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक कार्यों के बोझ से मुक्ति मिलेगी। विद्यालयों में शिक्षक पूरे समय उपलब्ध रहेंगे और वे बिना किसी अतिरिक्त ड्यूटी के विद्यार्थियों को पूर्ण समर्पण के साथ शिक्षा प्रदान कर सकेंगे। वास्तव में, इससे शिक्षा के क्षेत्र में एक नई क्रांति आ सकती है। माननीय मुख्यमंत्री जी, जब तक शिक्षकों के सिर से गैर-शैक्षणिक कार्यों का बोझ नहीं हटाया जाता, तब तक पंजाब को शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाना कठिन रहेगा। इस व्यवस्था से दोहरा लाभ होगा। एक ओर शिक्षक पूरे मनोयोग से बच्चों के भविष्य को संवारने में जुट सकेंगे, वहीं दूसरी ओर बेरोजगार युवा इलेक्शन वीर/बहन अथवा जनगणना वीर/बहन बनकर कम मानदेय पर भी अनुभव और कौशल प्राप्त कर अपने सुनहरे भविष्य के सपनों को साकार कर सकेंगे।

**डॉ. जगरूप सिंह**
**प्रधानाचार्य**
**मेहर चंद पॉलिटेक्निक कॉलेज**
**जालंधर,**

# राजनीतिक कुसंस्कृति के विरुद्ध विद्रोह

ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस में टूट असाधारण घटना है। कुल 80 विधायकों में 58 विधानसभा में वैधानिक रूप से अलग हो गए, शेष में भी आधे से ज्यादा साथ दिखने तक से बच रहे हैं। सांसदों में भी 4 – 5 को छोड़कर कोई खुलकर सामने आने को तैयार नहीं। इनमें मुस्लिम सांसद भी शामिल हैं। साफ है कि इससे बुरी दशा की कल्पना ममता बनर्जी और उनकी पार्टी के लिए नहीं की जा सकती। तृणमूल के विधानसभा में 80 विधायक के अलावा लोकसभा में 29 एवं राज्यसभा में 13 सांसद हैं। भतीजे अभिषेक पर हमले के विरोध में जब ममता ने धरना दिया तो कुल 142 जनप्रतिनिधियों में से केवल 14 ही वहां पहुंचे।

भारत के राजनीतिक इतिहास की यह पहली घटना है, जिसमें चुनाव परिणाम के तुरंत बाद लगभग पूरी पार्टी ही शीर्ष नेतृत्व से विद्रोह कर बाहर चली गई। और वह भी तब, जब उसे विपक्ष में बैठना है। इस नाते यह असाधारण घटना है। ज्यादातर टूट सत्ता के लिए या सत्ता में अनदेखी के कारण हुई है। चंद्रबाबू नायडू द्वारा ससुर एनटी रामाराव के विरुद्ध विद्रोह या महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे का उद्धव ठाकरे और अजीत पवार का शरद पवार के विरुद्ध विद्रोह अलग श्रेणी का था। तृणमूल का मामला बिल्कुल अलग है। चुनाव परिणाम के बाद पूरे प्रदेश में तृणमूल नेताओं के विरुद्ध जैसा जन आक्रोश दिख रहा है, उसका ममता और अभिषेक तथा उनके इर्द-गिर्द रहने वाले नेताओं को आभास नहीं था। जहांगीर खान ने फालता उपचुनाव में अंतिम समय चुनाव मैदान से हटने की घोषणा कर यही बताया कि यह पराजय के भय से लिया गया निर्णय था। जब हिंसा, दमन और आतंक जीत का आधार हो और वह स्थिति समाप्त हो जाए तो चुनाव मैदान से हटने में ही भलाई है। जहांगीर को ममता और अभिषेक के हाशिये पर जाने और तृणमूल के मटियामेट होने के आसार दिख गए थे। तृणमूल की स्थापना की पृष्ठभूमि, सत्ता प्राप्ति के बाद के उसके चरित्र और व्यवहार को आधार बनाएं तो निष्कर्ष निकलेगा कि ममता के नेतृत्व की राजनीति का अंत ही इसकी स्वाभाविक परिणति है। सत्ता का लाभ, बाहर जाने पर निर्मम प्रतिशोध और हिंसा का भय तथा सक्षम विकल्प न दिखने के कारण तृणमूल कांग्रेस का अस्तित्व बना हुआ था। पहले तृणमूल छोड़कर जाने वाले नेताओं के साथ पार्टी मशीनरी तथा पुलिस और प्रशासन का व्यवहार देख असंतुष्टों और बिक्षुब्धों को भी लगता था कि अगर बाहर गए तो उनकी खैर नहीं। ममता और अभिषेक एवं उनके लोग पुलिस प्रशासन के साथ केवल विरोधी ही नहीं, असंतुष्टों के विरुद्ध भी टूट पड़ते थे। 2021 के विधानसभा चुनाव के पूर्व काफी संख्या में नेता पार्टी छोड़कर गए, किंतु उनमें से कई के पास सम्मान का परित्याग कर आत्मसमर्पण करने के अलावा कोई चारा नहीं बचा।

अंधाधुंध कट मनी यानी कमीशन, भ्रष्टाचार, वसूली, सरकारी ठेके या अन्य कार्यों को अपने समर्थकों, कार्यकर्ताओं, नेताओं तक सीमित रहने के कारण स्वार्थ तथा दबंगई का ऐसा गठजोड़ बन गया था, जहां हजारों के लिए एकमात्र विकल्प इसमें शामिल होना और बने रहना था। इसी कारण दबंग, गुंडे, अपराधी, माफिया के साथ अवैध कारोबारी ही नहीं, वैध कारोबारी भी तृणमूल के समर्थक बने रहे। ममता ने 30 प्रतिशत मुस्लिम वोट को, जिनमें बांग्लादेशी घुसपैठिए भी शामिल थे, मुख्य आधार बनाने के लिए कट्टरपंथी तत्वों को स्वच्छंदता दे दी थी। सरकार और पार्टी की नीति इनका सहयोग और संरक्षण करना हो गई। इस तरह निहित स्वार्थी और कुत्सित उद्देश्यों वालों का गठजोड़ तृणमूल का आधार था। ममता की तुनकमिजाजी और अभिषेक ग्रुप की दादागीरी के समक्ष सभी तब तक शांत रहे, जब तक सत्ता रही।

अंदर बड़े वर्ग में अपराध को संरक्षण, असहमति रखने वालों के प्रति असहिष्णुता, गाली-गलौज, धमकी, दमन और मुस्लिम कट्टरपंथ को प्रोत्साहित करने तथा हिंदुओं के सामान्य धार्मिक क्रियाकलापों पर बढ़ती बंदिशों के कारण असंतोष और क्षोभ बढ़ता रहा। तृणमूल कार्यकर्ताओं-नेताओं को सड़कों पर टोल वसूलने तथा कंपनियों, ठेकेदारों से कमीशन लेने की छूट के चलते ऐसा वातावरण बना कि ममता और अभिषेक पार्टी के बारे में गलतफहमी का शिकार हो गए। केवल अभिषेक को कारण मानने वाले बताएं कि ममता की शह के बगैर पार्टी और सरकार में कैसे कोई कुछ कर सकता था? जब ममता ने अपना आंख और कान अभिषेक को बना लिया तो किसकी मजाल, जो उनके विरुद्ध चूं तक करें। जब ममता और अभिषेक के शब्द ही पार्टी की विचारधारा बन गए हों तो इसमें संवाद, विमर्श और असहमति प्रकट करने की गुंजाइश ही कहां थी? तृणमूल कांग्रेस की टूट उसकी पूरी राजनीति के विरुद्ध विद्रोह है। पहले मतदाताओं ने अपने मत से विद्रोह कर उसे नकारा और फिर विधायकों और सांसदों ने। जिस तरह सत्ता संभालने के साथ शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने सारे? लंबित आवश्यक बड़े फैसले किए, जिसकी ममता राज में कल्पना नहीं की जा सकती थी, उसका बंगाल की जनता पर मनोवैज्ञानिक असर हुआ है। सत्ता का चरित्र इतने कम समय में बदले और उसका प्रभाव दिखने लगे तो पता चलता है कि क्या करना चाहिए था और क्या हो रहा था?

बंगाल को वहां ले जाकर धकेल दिया गया था, जहां राजनीति और सरकार अपराध, हिंसा, दमन, शोषण, लूट के साथ कट्टर मुस्लिमवाद के समर्थन का पर्याय हो गई थी। जहां गरीब खासकर महिलाओं की संपत्ति और सम्मान, दोनों खतरे में थे। कोई भी जमीर वाला नेता कैसे स्थायी रूप से ऐसे राजनीतिक चरित्र का हिस्सा बना रह सकता था? मुर्शिदाबाद में हिंदुओं के घर जलाए गए, उन्हें पलायन करना पड़ा और ममता बनर्जी मौलवियों की मीटिंग में संघ और भाजपा पर हमला करती रहीं।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हिमाचल न्यूज
Website : www.prathamnews.in

## संक्षिप्त न्यूज

## लेफ्टिनेंट प्रगति ठाकुर ने रचा इतिहास

### पहली महिला अधिकारी बन जीती सिल्वर गन ट्रॉफी

**सोलन ( एएम नाथ )**- जिला सोलन के अर्की उपमंडल के कहडोग गांव की लेफ्टिनेंट प्रगति ठाकुर ने भारतीय सेना में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर हिमाचल प्रदेश का नाम रोशन किया है। आर्टिलरी रेजिमेंट में सेवाएं दे रहीं प्रगति ठाकुर ने प्रतिष्ठित बेस्ट आर्टिलरी यंग ऑफिसर–सिल्वर गन ट्रॉफी जीतकर यह सम्मान प्राप्त करने वाली पहली महिला अधिकारी बनने का गौरव हासिल किया है। भारतीय सेना के स्कूल ऑफ आर्टिलरी में आयोजित यंग ऑफिसर्स कोर्स के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन, नेतृत्व क्षमता और सैन्य दक्षता के आधार पर उन्हें यह प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किया गया। उल्लेखनीय है कि इससे पहले मार्च 2025 में भी उन्होंने चेन्नई स्थित ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी (ओटीए) की पासिंग आउट परेड में पूरे बैच में प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल अपने नाम किया था।

सेवानिवृत्त ऑनरेरी कैप्टन बालक राम ठाकुर और मीना ठाकुर की पुत्री प्रगति ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा केंद्रीय विद्यालय जतोग तथा स्नातक की पढ़ाई संजौली कॉलेज से पूरी की।

सीडीएस परीक्षा और एसएसबी की कठिन चयन प्रक्रिया सफलतापूर्वक पार कर उन्होंने भारतीय सेना में अधिकारी बनने का सपना साकार किया। प्रगति ठाकुर की इस उपलब्धि से पूरे अर्की, जिला सोलन और हिमाचल प्रदेश में खुशी की लहर है। उनकी सफलता प्रदेश की बेटियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई है।

## टीईटी परीक्षाओं के दौरान परीक्षा केंद्रों के आसपास बी.एन.एस.एस. की धारा 163 लागू

**बिलासपुर, ( जितेंद्र गौतम )**- हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड, धर्मशाला द्वारा जून-2026 में आयोजित की जा रही अध्यापक पात्रता परीक्षा (टीईटी) के शांतिपूर्ण एवं सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए उपमंडल दंडाधिकारी सदर डॉ. राजदीप सिंह ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बी.एन.एस.एस.) की धारा 163 के अंतर्गत निषेधात्मक आदेश जारी किए हैं।

उन्होंने जारी आदेश में बताया कि 13, 14 व 21 जून को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला छात्र बिलासपुर तथा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला कंदरौर में टेट परीक्षाओं का आयोजन किया जाएगा। जिसके अंतर्गत 13 जून को टीजीटी (आर्ट्स) की परीक्षा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला छात्र बिलासपुर में प्रातः 10 बजे से दोपहर 12:30 तक तथा टीजीटी (मेडिकल) की परीक्षा इसी परीक्षा केन्द्र में दोपहर 2 बजे से सायं 4:30 बजे तक आयोजित की जाएगी।

जबकि राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला कंदरौर में इसी दिन टीजीटी (आर्ट्स) की परीक्षा प्रातः 10 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक रहेगा।

जारी आदेश में 14 जून को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला छात्र बिलासपुर में आयोजित होने वाली जेबीटी तथा टीजीटी (संस्कृत) की परीक्षा का समय प्रातः 10 बजे से दोपहर 12:30 तक तथा टीजीटी टेट की परीक्षा का समय दोपहर 2 बजे से सायं 4:30 बजे तक रहेगा। जबकि इसी दिन भी राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला कंदरौर में जेबीटी परीक्षा का समय प्रातः 10 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक आयोजित की जाएगी।

साथ ही 21 जून को टीजीटी (नॉन-मेडिकल) एवं टीजीटी (हिंदी) की परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी। जिसमें टीजीटी (नॉन-मेडिकल) परीक्षा का समय प्रातः 10 बजे से दोपहर 12:30 तक तथा टीजीटी (हिंदी) की परीक्षा का समय दोपहर 2 बजे से सायं 4:30 बजे तक रहेगा।

आदेश के अनुसार 13, 14 एवं 21 जून 2026 को प्रातः 8 बजे से सायं 6 बजे तक निर्धारित सभी परीक्षा केंद्रों के आसपास किसी भी प्रकार के सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राजनीतिक आयोजन, जुलूस, रैली, नारेबाजी एवं हड़ताल पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

इसके साथ ही इस अवधि के दौरान लाउडस्पीकर के उपयोग, निर्माण कार्य, टेंट अथवा मंच की स्थापना या हटाने की गतिविधियों पर भी रोक रहेगी। परीक्षा केंद्रों के आसपास किसी भी प्रकार के हथियार, लाठी, गोला-बारूद अथवा अन्य घातक वस्तुएं लेकर चलना भी पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।

## कल्याण कला मंच की संगोष्ठी शनिवार को

**बिलासपुर ( जितेंद्र गौतम )**- कल्याण कला मंच बिलासपुर की मासिक संगोष्ठी 13 जून को लोअर दनोह में मंच के वरिष्ठ सदस्य रविंदर कुमार शर्मा के निवास पर होनी तय हुई है। जानकारी देते हुए मंच की सचिव पूजा कुमारी ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता निदेशक सुरेन्द्र मिन्हास करेंगे जबकि मंच संचालन सुशील पुंडीर परिंदा जी अपने खास अंदाज में करेंगे।

सुरेन्द्र सिंह द्वारा हाल ही में प्रकाशित पहाड़ी कविता संग्रह जनेत की समीक्षा जीत राम सुमन और अनिल शर्मा नील द्वारा की जाएगी। द्वितीय सत्र में उपस्थित सदस्यगण अपनी नवीन रचनाये प्रस्तुत करेंगे। कार्यक्रम में दर्जनों सदस्यों के भाग लेने की उम्मीद है।

# भाजपा को जमीनी स्तर पर मिला प्रचंड जनादेश, कांग्रेस के नेताओं के पैरों तले जमीन नहीं : जयराम ठाकुर

### चमियाणा जिला परिषद वार्ड के भाजपा समर्थित विजेता खुश विक्रम सेन ने की नेता प्रतिपक्ष से मुलाकात

» प्रथम न्यूज । शिमला
11 जून ( बी.शर्मा )

शिमला स्थित अपनी आवास पर पत्रकारों से बात करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि हालिया जनादेश में जनता का संदेश पूरी तरह स्पष्ट है। प्रदेश की जनता ने भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में अपना विश्वास व्यक्त किया है और कांग्रेस को जनता के इस निर्णय का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को जनादेश का संदेश समझते हुए लोकतंत्र की मर्यादाओं के भीतर कार्य करना चाहिए। लेकिन मुख्यमंत्री अभी भी अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं और जनादेश को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं। नव निर्वाचित भाजपा समर्थित जनप्रतिनिधियों के घरों की पैमाइश करवाई जा रही है। उन पर दबाव बनाने तथा उन्हें धमकाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार लोकतंत्र का सम्मान करे और जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों को डराने-धमकाने की राजनीति बंद करे। उन्होंने प्रदेश भर में भाजपा को मिला व्यापक जनसमर्थन इस बात का प्रमाण है कि जनता विकास, सुशासन और जनसेवा की राजनीति के साथ खड़ी है। उन्होंने जमीनी स्तर पर मिले स्नेह, सहयोग और विश्वास के लिए प्रदेश की जनता का हृदय से आभार व्यक्त किया।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के नेताओं और मुख्यमंत्री के बीच चल रही खींचतान ने सरकार की वास्तविकता को पूरी तरह बेनकाब कर दिया है। प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी को जमीनी जनादेश मिल चुका है और कांग्रेस नेताओं के पैरों तले से जमीन खिसक चुकी है। यही कारण है कि कांग्रेस नेतृत्व जनता के फैसले को स्वीकार करने के बजाय राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप में लगा हुआ है।

जयराम ठाकुर ने कहा कि यदि कांग्रेस का प्रदेश उपाध्यक्ष सार्वजनिक रूप से अटैचियां इकट्ठा करने और उन्हें इधर-उधर बांटने जैसे गंभीर आरोप लगाता है, तो ऐसे आरोपों को हल्के में नहीं लिया जा सकता। कांग्रेस को प्रदेश की जनता के सामने इन आरोपों पर स्पष्ट जवाब देना चाहिए। मुख्यमंत्री को उन अटैचियों की हकीकत बतानी चाहिए। क्योंकि यह सरकार अपने पहले दिन से ही भ्रष्टाचार में लिप्त रही है। हर जगह से लोगों को डरा धमका कर उगाही करने की खबरें आए दिन सामने आती रही हैं। इंडस्ट्रियल एरिया में तो सत्ता संरक्षित लोगों ने हद बार कर दी है। विमल नेगी की दुःखद मृत्यु के मामले में सीबीआई की चार्जशीट में भ्रष्टाचार स्पष्ट रूप से उजागर है। इसलिए मुख्यमंत्री का कोई भी बयान सरकार के भ्रष्टाचार पर पर्दा नहीं डाल सकता। कुसुम्पटी विधानसभा क्षेत्र के जिला परिषद वार्ड चमियाणा से नव निर्वाचित जिला परिषद सदस्य खुश विक्रम सेन ने आज नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर से उनके आधिकारिक आवास पर शिष्टाचार भेंट की। भाजपा समर्थित खुश विक्रम सेन ने चमियाणा वार्ड से ऐतिहासिक विजय प्राप्त कर क्षेत्र की जनता के विश्वास और समर्थन को नई दिशा दी है। इस अवसर पर पूर्व मंत्री सुरेश भारद्वाज, शिमला जिला भाजपा अध्यक्ष केशव चौहान, कुसुम्पटी विधानसभा क्षेत्र के पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा चमियाणा वार्ड के अंतर्गत आने वाले भाजपा समर्थित प्रधान, उपप्रधान, ब्लॉक समिति सदस्य, वार्ड सदस्य एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। नेता प्रतिपक्ष ने सभी नव निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उन्हें विश्वास है कि सभी जनप्रतिनिधि अपने-अपने क्षेत्रों के विकास को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे और जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरेंगे।

### ओमान की खाड़ी में लापता हमीरपुर के आदित्य शर्मा के पिता जी से जयराम ठाकुर ने की बात, हर संभव सहायता का दिया भरोसा

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने ओमान की खाड़ी में अमेरिकी हमले के दौरान लापता हुए हमीरपुर के युवा आदित्य शर्मा के पिता से दूरभाष पर बातचीत कर गहरी संवेदना एवं चिंता व्यक्त की। उन्होंने इस कठिन समय में परिवार को धैर्य बनाए रखने का आग्रह करते हुए आश्वस्त किया कि मामले को गंभीरता से लिया जा रहा है तथा हर संभव सहायता और आवश्यक समन्वय के लिए लगातार प्रयास किए जाएंगे। जयराम ठाकुर ने कहा कि प्रदेश का हर नागरिक इस कठिन घड़ी में परिवार के साथ खड़ा है और आदित्य शर्मा की सुरक्षित वापसी के लिए प्रार्थना कर रहा है। उन्होंने परिजनों को हर प्रकार से सहयोग देने का भरोसा दिलाया।

## श्री राजेश कुमार चंदेल ने एसजेवीएन के निदेशक (परियोजनाएं) का कार्यभार संभाला

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर
11 जून ( जितेंद्र गौतम )



श्री भूपेन्द्र गुप्ता, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एवं श्री अजय कुमार शर्मा, निदेशक (कार्मिक) ने विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत नवरत्न सीपीएसई, एसजेवीएन के निदेशक (परियोजनाएं) के रूप में कार्यभार ग्रहण करने पर श्री राजेश कुमार चंदेल को हार्दिक बधाई दी है। आज नई दिल्ली स्थित एसजेवीएन के संपर्क कार्यालय में श्री पार्थजीत डे, निदेशक (वित्त) और श्री पंकज पोरवाल, मुख्य सतर्कता अधिकारी तथा एसजेवीएन के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने श्री राजेश कुमार चंदेल का स्वागत किया।

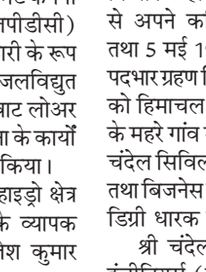

श्री चंदेल, वर्तमान में एसजेवीएन के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के ओएसडी के रूप में कार्यरत रहे। इससे पूर्व उन्होने अक्टूबर, 2025 से नेपाल में स्थित एसजेवीएन की दोनों पूर्ण स्वामित्व वाली अधीनस्थ कंपनियों, अर्थात; एसजेवीएन अरुण-3 पावर डेवलपमेंट कंपनी प्राइवेट लिमिटेड (एसएपीडीसी) तथा एसजेवीएन लोअर अरुण पावर डेवलपमेंट कंपनी प्राइवेट लिमिटेड (एसएलपीडीसी) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में 900 मेगावाट अरुण-3 जलविद्युत परियोजना तथा 669 मेगावाट लोअर अरुण जलविद्युत परियोजना के कार्यों का सफलतापूर्वक नेतृत्व किया।

विद्युत क्षेत्र, विशेषतः हाइड्रो क्षेत्र में 35 वर्षों से अधिक के व्यापक अनुभव के साथ श्री राजेश कुमार चंदेल परियोजनाओं की अवधारणा, आयोजना, निष्पादन, निगरानी तथा अखिल भारत, नेपाल एवं भूटान में अंतरराष्ट्रीय समन्वय के क्षेत्र में श्रेष्ठता रखते हैं।

जटिल विद्युत परियोजनाओं के निष्पादन के लिए सशक्त नेतृत्व क्षमता, तकनीकी दक्षता, पारस्परिक संवाद कौशल तथा व्यापक समन्वय क्षमता उनकी प्रमुख विशेषताएं हैं।

इससे पूर्व, श्री चंदेल ने भूटान में पुनात्सांगछू हाइड्रो इलैक्ट्रिक पावर अथॉरिटी (पीएचपीए-II) के प्रबंध निदेशक एवं सदस्य सचिव के रूप में 1020 मेगावाट पुनात्सांगछू जलविद्युत परियोजना की सफल कमीशनिंग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वर्ष 2020 में, उन्होंने परियोजना प्रमुख के रूप में 66 मेगावाट धौलासिद्ध जलविद्युत परियोजना को अवधारणा से निर्माण चरण तक नेतृत्व प्रदान किया। श्री राजेश कुमार चंदेल ने हिमाचल प्रदेश में स्थित 1500 मेगावाट नाथपा झाकड़ी जलविद्युत स्टेशन की हेड रेस टनल के निर्माण कार्य में लगभग आठ वर्षों तक महत्वपूर्ण योगदान दिया।

इसके अतिरिक्त उन्होंने कारपोरेट मुख्यालय में कारपोरेट निगरानी एवं समन्वय विभाग, कारपोरेट सुविधा प्रबंधन विभाग तथा निदेशक (सिविल) कार्यालय के साथ विभिन्न महत्वपूर्ण भूमिकाओं का निर्वहन किया। उन्होंने वर्ष 1990 में हिमुडा से अपने करियर की शुरुआत की तथा 5 मई 1994 को एसजेवीएन में पदभार ग्रहण किया। 14 सितंबर, 1971 को हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर जिले के महरे गांव में जन्में श्री राजेश कुमार चंदेल सिविल इंजीनियरिंग में स्नातक तथा बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में मास्टर डिग्री धारक हैं।

श्री चंदेल द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), कोलकाता के फेलो सदस्य और चार्टर्ड इंजीनियर भी हैं। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा राजकीय उच्च विद्यालय, टौणी देवी, हमीरपुर से सम्पन्न की। श्री चंदेल की धर्मपत्नी श्रीमती दलजीत चंदेल है तथा उनका पुत्र श्री रोहित चंदेल है।

# डॉ जोगिन्दर हाब्बी को मिलेगा संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार

» प्रथम न्यूज । शिमला
11 जून ( बी.शर्मा )

अंतर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त लोक कलाकार एवं वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर डॉ. जोगिन्दर हाब्बी का चयन देश के सर्वोच्च सांस्कृतिक सम्मानों में से एक संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार 2025 के लिए किया गया है। लोक नृत्य एवं लोक संस्कृति के संरक्षण, संवर्धन तथा प्रचार-प्रसार के क्षेत्र में इनके उल्लेखनीय योगदान के लिए यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान महामहिम राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किया जाएगा।

डॉ. हाब्बी पिछले तीन दशकों से अधिक समय से हिमाचल प्रदेश की विलुप्तप्राय लोक विधाओं के संरक्षण हेतु समर्पित भाव से कार्य कर रहे हैं। अपने सांस्कृतिक गुरु पद्मश्री विद्यानंद सरैक के साथ उन्होंने ठोडा, हाटी की नाटी, सिंहटू नृत्य, बढाल्टू नृत्य तथा डग्याली नाच जैसी लोक विधाओं पर गहन शोध एवं अध्ययन किया।

इन विलुप्त लोक कलाओं को मंचीय स्वरूप प्रदान कर इन्हें पुनः जनमानस तक पहुंचाया जिसके परिणामस्वरूप आधुनिकता की दौड़ में अपनी पहचान खो रही कई लोक विधाओं को नया जीवन और व्यापक लोकप्रियता प्राप्त हुई। डॉ. हाब्बी ने चूड़ेश्वर सांस्कृतिक मंडल एवं आसरा संस्था की स्थापना कर इन सांस्कृतिक दलों के कलाकारों को प्रशिक्षण प्रदान कर तैयार की गई नृत्य विधाओं की भारत के विभिन्न राज्यों तथा विदेशों में प्रस्तुतियां करवाई।

इसके अतिरिक्त उन्होंने अपने निजी संसाधनों से हाब्बी मानसिंह कला केन्द्र की स्थापना की जहां लोक नृत्य, लोकनाट्य तथा अन्य पारंपरिक कलाओं का नियमित प्रशिक्षण एवं मंचन किया जाता है। डॉ. हाब्बी के नेतृत्व में सिरमौर तथा हिमाचल की लोक नृत्य परंपराओं को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिली है। इनके नेतृत्व ओर निर्देशन



में कलाकारों ने बुल्गारिया, मैसेडोनिया, ग्रीस और तुर्की सहित विभिन्न देशों में अनेक सफल प्रस्तुतियां दीं। विशेष रूप से ठोडा जैसी विशिष्ट लोक विधा को पहली बार अंतर्राष्ट्रीय मंचों तक पहुंचाने का श्रेय भी इन्हें प्राप्त है।

लोक संस्कृति के क्षेत्र में डॉ. हाब्बी के कार्यों को राष्ट्रीय एवं वैश्विक स्तर पर भी मान्यताहै मिली है। इनके नेतृत्व में इण्डिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स तथा वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में अनेक उपलब्धियां दर्ज हुई हैं। इन्होंने लोक संस्कृति से संबंधित कई शोध-पत्र प्रकाशित किए हैं, दो पुस्तकों का लेखन कर चुके हैं तथा तीन पुस्तकें प्रकाशनाधीन हैं। इसके अतिरिक्त वे लोक कलाओं पर आधारित पांच डॉक्युमेंट्री तथा ठोडा विषय पर एक टेलीफिल्म का निर्देशन भी कर चुके हैं तथा कई बड़े सांस्कृतिक आयोजनों में लोकनृत्यों की कोरियोग्राफी कर चुके हैं।

इस उपलब्धि पर डॉ. जोगिन्दर हाब्बी ने अपने आध्यात्मिक गुरु सतगुरु मधु परमहंस साहिब जी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि हिमाचल प्रदेश की समृद्ध लोक कलाओं और उन्हें संरक्षित करने में जुटे सभी लोक कलाकारों का सम्मान है।

डॉ हाब्बी ने इस उपलब्धि का श्रेय अपने सांस्कृतिक गुरु पद्मश्री विद्यानंद सरैक, अपने सांस्कृतिक दल के कलाकारों तथा लोक संस्कृति के संरक्षण में लगे सभी कला प्रेमियों को दिया। इन्होंने संगीत नाटक अकादेमी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अकादेमी ने इस सम्मान के माध्यम से हिमाचल प्रदेश की लोक परंपराओं को राष्ट्रीय स्तर पर विशेष प्रतिष्ठा प्रदान की है।

इससे पूर्व हिमाचल प्रदेश से स्वर्गीय हेतराम तनवार, पद्मश्री विद्यानंद सरैक, पंडित सोमदत्त बट्टू तथा पंडित डॉ. के. एल. सहगल जैसी प्रतिष्ठित विभूतियां भी इस सम्मान से अलंकृत हो चुकी हैं।

## जमीन पर बैठे बच्चों को देख द्रवित हुए विधायक डॉ. जनक राज

» प्रथम न्यूज । भरमौर
11 जून ( एएम नाथ )

भरमौर के विधायक डॉ. जनक राज ने तुन्दाह पंचायत के मांधा विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए 40 डेस्क उपलब्ध करवाए हैं। विधायक ने कहा कि कुछ समय पहले उन्हें मांधा विद्यालय का दौरा करने का अवसर मिला था। इस दौरान उन्होंने देखा कि कई छोटे-छोटे बच्चे जमीन पर बैठकर पढ़ाई कर रहे हैं। यह दृश्य देखकर उनके मन में गहरी वेदना उत्पन्न हुई और उन्होंने बच्चों के लिए बैठने की उचित व्यवस्था करने का संकल्प लिया। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध करवाना उनकी प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से विद्यालय को 40 डेस्क उपलब्ध करवाए गए हैं, ताकि बच्चों को जमीन पर बैठकर पढ़ाई न करनी पड़े। विधायक ने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ विद्यालयों में मूलभूत सुविधाओं का होना भी बेहद आवश्यक है। बच्चों को सम्मानजनक वातावरण मिलेगा तो उनका मनोबल बढ़ेगा और वे पढ़ाई में बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे। डॉ. जनक राज ने क्षेत्र के अभिभावकों, पंचायत प्रतिनिधियों, शिक्षकों और विद्यालय प्रबंधन समितियों से भी आग्रह किया है कि यदि किसी अन्य विद्यालय में भी बच्चों के बैठने की उचित व्यवस्था नहीं है या आधारभूत सुविधाओं की कमी है, तो इसकी जानकारी उन्हें दी जाए। उन्होंने आश्वासन दिया कि ऐसे मामलों को प्राथमिकता के आधार पर हल करने का प्रयास किया जाएगा।

विधायक ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों में शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उनका उद्देश्य है कि क्षेत्र का कोई भी बच्चा संसाधनों की कमी के कारण परेशानी का सामना न करे।

स्थानीय लोगों और अभिभावकों ने विधायक की इस पहल की सराहना करते हुए इसे विद्यार्थियों के हित में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम बताया है। उनका मानना है कि इससे बच्चों को बेहतर माहौल मिलेगा और शिक्षा के प्रति उनका उत्साह भी बढ़ेगा।

## Temple Trust Baba Balak Nath Ji ShahTalai
## SHORT Notice Inviting Tenders

Sealed item rate tenders are invited by the Chairman (S.D.M.) Temple Trust Baba Balak Nath Ji Shah Talai, Distt. Bilaspur on behalf of the Commissioner Temple Trust Baba Balak Nath Ji Shah Talai from the approved and eligible contractors enlisted in HPPWD for the following works.

### TENDER SCHEDULE

1. Date and time of receipt of application for tender form: 20-06-26 up to 20-06-26, 11:00 AM
2. Date and time of issue of tender form: 20-06-26 up to 1:00 PM
3. Date and time of receipt of tenders: 20-06-26 up to 3:00 PM
4. Date and time of receipt of tenders: 20-06-26 up to 3:00 PM

The Tenders form will be issued against cash payment (non-refundable) at Chairman Cum-(S.D.M.) office Talai. The earnest money in the shape of FDR of Nationalized Bank duly pledged in favour of the Chairman (S.D.M.) Temple Trust Baba Balak Nath Ji Talai be accompanied with each tenders. Tenders accompanied without earnest money shall not be entertained.

| S.No. | Name of Work | Estimated Cost | Earnest Money | Time | Cost of Form |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | C/o wire crate embankment to pro tect the newly constructed Shamshanghat at Talai under TTBBN Talai. (From RD 0/00 to 0/29.50) | 4,97,861/- | 9,957/- | 1 month | 350/- |
| 2. | C/o wire crate embankment to pro tect the newly constructed Shamshanghat at Talai under TTBBN Talai. (From RD 0/29.50 to 59.00) | 4,97,861/- | 9,957/- | 1 month | 350 |

**Terms and Conditions**
1. The contractor shall submit latest valid registration/renewal of license along with clearance of GST certificate issued by the competent authority.
2. The contractor shall submit EPF registration certificate.
3. The office reserves the right to accept/reject any/all tenders without assigning any reason.
4. The technical staff, mechanical machinery engaged by contractor at site.
5. List of govt./Temple works executed by contractor with their completion date etc.
6. The contractor should have successfully executed similar nature of work and produce completion certificate.

Chairman (SDM)
Temple Trust Baba Balak Nath Ji
Shah Talai, Distt. Bilaspur (H.P.)

# वैभव सूर्यवंशी का तूफान नहीं आया काम, अफगानिस्तान ने भारत को दी शिकस्त




ट्राई सीरीज के अपने दूसरे मुकाबले में गुरुवार को भारतीय ए टीम को अफगानिस्तान ए टीम के हाथों DLS मैथड से 4 रन से हार का सामना करना पड़ा। बारिश के कारण इस मैच को कई बार रोकना पड़ा। पहले मैच 49-49 ओवर का हुआ। भारतीय टीम ने वैभव सूर्यवंशी, प्रभसिमरन सिंह, रुतुराज गायकवाड़ और तिलक वर्मा की पारियों की बदौलत 49 ओवर में 9 विकेट खोकर 349 रन बनाए। जवाब में अफगान टीम ने 25.5 ओवर में 2 विकेट खोकर 177 रन बना लिए थे। इसके बाद बारिश के कारण मैच रुका और फिर शुरू नहीं हो पाया।

**वैभव ने दी तेज शुरुआत :** पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत दमदार रही। वैभव सूर्यवंशी ने आते ही अफगानी गेंदबाजों को आड़े हाथों लिया। प्रभसिमरन सिंह का भी उन्हें भरपूर साथ मिला। दोनों के बीच 43 गेंदों पर 74 रन की पारी खेली। फिफ्टी की ओर बढ़ रहे वैभव की पारी पर 8वें ओवर में ब्रेक लगा। 15 साल के बल्लेबाज ने 9 चौकों की मदद से 22 गेंदों पर 44 रन कूट दिए। 3 नंबर पर उतरे प्रियांश आर्य (8) सस्ते में आउट हो गए।

**रुतुराज की फॉर्म जारी रही :** पिछले मैच के के शतकवीर रुतुराज गायकवाड़ ने सिंह के साथ फिर पारी को संभाल और 79 रन जोड़े। 22वें ओवर में प्रभसिमरन कैच आउट हुए। उन्होंने 69 गेंदों पर 84 रन की पारी खेली। अपनी इस पारी में पंजाब किंग्स के बल्लेबाज ने 14 चौके भी लगाए। इसके बाद रुतुराज और कप्तान तिलक वर्मा ने 66-66 रन की पारी खेली। आयुष बदोनी गोल्डन डक पर आउट हुए।

**अब्दुल्ला ने खोला पंजा**

अंत में सूर्यांश शेडगे ने 27 गेंदों पर 40 और अनुकूल रॉय ने 8 गेंदों पर 16 रन की पारी खेलकर भारत के स्कोर को 350 के करीब पहुंचाया। अफगानिस्तान की ओर से अब्दुल्ला अहमदजई ने पंजा खोला। वहीं फरमानुल्लाह साफी के खाते में 3 विकेट आए।

**बारिश के कारण कम हुआ टारगेट**

बारिश के कारण अफगानिस्तान की पारी शुरू होने में देरी हुई। अफगानिस्तान को 38 ओवर में 294 रन का टारगेट मिला। इस लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगान टीम को सलामी जोड़ी ने तेज शुरुआत दी। कप्तान इमरान मीर और हसन ईसाखिल ने 48 गेंदों पर 63 रन जोड़े। हालांकि, इसके बाद टीम को 2 झटके लगे। 8वें ओवर में अरशद खान ने हसन को विप्रज के हाथों कैच आउट कराया। 10वें ओवर में अनुकूल रॉय ने खालिद तनीवाल को LBW आउट किया। 25.5 ओवर तक अफगान टीम ने 2 विकेट खोकर 177 रन बना लिए थे।

इमरान मीर 75 और बाहिर शाह 51 रन बनाकर नाबाद थे। इस बीच बारिश के कारण एक बार फिर मैच को रोकना पड़ा। इसके बाद मैच फिर शुरू ही नहीं हुआ। अंत में ष्ठरुस्र मैथ्ड से अफगान टीम को विजयी घोषित किया गया। इमरान मैच के हीरो रहे।

# धर्मशाला में भारत-अफगानिस्तान वनडे से पहले उत्साह चरम पर

## एयरपोर्ट पर स्टार खिलाड़ियों का भव्य स्वागत, मैच के लिए ट्रैफिक प्लान रेडी

हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के धर्मशाला स्थित स्टेडियम में 13 जून को होने वाले वनडे मैच के लिए भारत व अफगानिस्तार की टीमें वीरवार दोपहर गगल स्थित कांगड़ा एयरपोर्ट पर पहुंची। टीम इंडिया के स्टार खिलाड़ियों की झलक पाने के लिए क्रिकेट प्रेमी काफी उत्साहित रहे। एयरपोर्ट पर सैकड़ों क्रिकेट प्रेमियों ने खिलाड़ियों का स्वागत किया।

टीम इंडिया के स्टार रोहित शर्मा सहित कप्तान शुभमन गिल और केएल राहुल व अन्य खिलाड़ी एयरपोर्ट पर पहुंचे। एयरपोर्ट पर एक प्रशंसक रोहित शर्मा की ओर दौड़ आया, जिससे उन्होंने हाथ मिलाया। खिलाड़ियों ने धर्मशाला के सुहावने का मौसम का लुत्फ लिया। धर्मशाला में आज जोरों की बारिश हुई।

क्रिकेट प्रेमियों को कोई परेशानी न हो, इसके लिए जिला प्रशासन ने ट्रैफिक प्लान बनाया है। सुरक्षा व ट्रैफिक व्यवस्था के लिए 700 पुलिस व होमगार्ड के अलावा जिला पुलिस की टीमें तैनात रहेंगी। शहर में 280 सीसीटीवी कैमरों से नजर रखी जाएगी। सुरक्षा व्यवस्था के लिए क्षेत्र को 12 सेक्टर में बांटा है। इनमें आठ ट्रैफिक सेक्टर होंगे व सुरक्षा व्यवस्था के लिए स्टेडियम चार सेक्टर में बांटा है। मैच के दिन क्षेत्र में पैराग्लाइडिंग नहीं होगी।

सुबह साढ़े दस बजे मैच के लिए स्टेडियम में गेट खोल दिए जाएंगे और डेढ़ बजे मैच आरंभ होगा। टीमों की आवाजाही के दौरान कुछ समय के लिए यातायात रोका जाएगा।

### यह मार्ग होंगे वनवे

मैच के दिन मटौर से चैतड़ू वाया बगली धर्मशाला आने के लिए ट्रैफिक को वनवे किया जाएगा। धर्मशाला जाते हुए शीला ढगवार रोड वनवे किया जाएगा। पालमपुर व कांगड़ा के लिए यहीं से गाड़ियां जाएंगी।

सुबह नौ या 11 बजे से वनवे व्यवस्था शुरू की जाएगी। चेकिंग के बाद ही दर्शकों को स्टेडियम में प्रवेश दिया जाएगा। स्टेडियम के बाहर पुलिस की ओर से निगरानी की जाएगी।

### यहां होगी पार्किंग की व्यवस्था

मैच के दौरान वाहनों को पार्किंग में ही खड़ा किया जा सकेगा। पुलिस मैदान धर्मशाला, सचिवालय, दाड़ी मेला मैदान, जोरावर स्टेडियम, चीलगाड़ी रोड, सैनिक रेस्ट हाउस व डीआइजी कार्यालय के साथ पार्किंग की व्यवस्था की गई है।

**दाड़ी, जोरावर स्टेडियम से चलेंगी शटल बसें**

मैच के दिन स्टेडियम तक पहुंचने के लिए क्रिकेट प्रेमियों को कोई परेशानी न आए, इसके लिए शटल बसों की व्यवस्था की गई है। शटल बसों से क्रिकेट प्रेमी स्टेडियम तक पहुंच सकेंगे।

# ICC रैंकिंग में टीम इंडिया का डंका, वनडे-T20 में नंबर-1 का ताज बरकरार

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) की ताजा पुरुष रैंकिंग जारी हो गई है और एक बार फिर विश्व क्रिकेट में टीम इंडिया का दबदबा देखने को मिला है। ताजा रैंकिंग के अनुसार, भारतीय टीम ने वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय दोनों ही फॉर्मेट में अपना पहला स्थान मजबूती से बरकरार रखा है। हालांकि, टेस्ट रैंकिंग में एक दूसरी टीम ने नंबर एक की कुर्सी पर कब्जा जमा लिया है। रैंकिंग में एक बड़ा उलटफेर भी हुआ है, जहां दक्षिण अफ्रीका ने जबरदस्त छलांग लगाते हुए पाकिस्तान को तगड़ा झटका दिया है।

**वनडे में भारत की बादशाहत, पाकिस्तान को लगा बड़ा झटका**

आईसीसी की ताजा वनडे रैंकिंग में टीम इंडिया 118 रेटिंग अंकों के साथ टॉप पर विराजमान है। हालांकि, पिछले साल की तुलना में भारत के रेटिंग अंक में एक अंक की मामूली कमी दर्ज की गई है। भारत के बाद 113 अंकों के साथ न्यूजीलैंड दूसरे और 103 अंकों के साथ ऑस्ट्रेलियाई टीम तीसरे पायदान पर है। टॉप-10 टीमों की इस लिस्ट में सबसे अहम बदलाव चौथे और पांचवें स्थान को लेकर हुआ है। शानदार प्रदर्शन के दम पर दक्षिण अफ्रीका ने 102 अंकों के साथ पाकिस्तान को पीछे छोड़ते हुए चौथा स्थान हथिया लिया है। इसके चलते पाकिस्तानी टीम को एक पायदान का नुकसान हुआ है और वह 100 अंकों के साथ खिसककर पांचवें नंबर पर आ गई है।

### टी20 में भी भारत का जलवा, लेकिन टेस्ट में ये टीम है 'बॉस'

फटाफट क्रिकेट यानी टी20 इंटरनेशनल फॉर्मेट में भी 'मेन इन ब्लू' का ही राज है। ताजा जारी रैंकिंग में भारतीय टीम 275 रेटिंग अंकों के साथ पहले स्थान पर है। इसके बाद इंग्लैंड (262 अंक) दूसरे और ऑस्ट्रेलिया (258 अंक) तीसरे स्थान पर मौजूद है। वहीं, क्रिकेट के सबसे कड़े और लंबे फॉर्मेट यानी टेस्ट की बात करें, तो यहां भारत को तीसरे स्थान से संतोष करना पड़ा है। टेस्ट रैंकिंग में ऑस्ट्रेलियाई टीम 131 रेटिंग अंकों के साथ नंबर एक की पोजीशन पर राज कर रही है। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका का नंबर आता है, जो 119 अंकों के साथ दूसरे पायदान पर है। भारतीय टीम 104 रेटिंग अंकों के साथ टेस्ट में फिलहाल तीसरे नंबर पर काबिज है।



# चंडीगढ़ मनीमाजरा ट्राइसिटी के आसपास बस स्टैंड पर भीषण गर्मी में यात्री बेहाल

## पंखों व मूलभूत सुविधाओं की मांग तेज

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

11 जून (पुनीत महाजन)

चंडीगढ़ के मनीमाजरा स्थित सिविल अस्पताल के सामने एवं फन रिपब्लिक थिएटर के समीप बने बस स्टैंड पर यात्रियों को भीषण गर्मी में मूलभूत सुविधाओं के अभाव का सामना करना पड़ रहा है। प्रतिदिन हजारों यात्रियों द्वारा उपयोग किए जाने वाले इस महत्वपूर्ण बस स्टैंड पर पंखों की व्यवस्था न होने से लोगों में रोष बढ़ता जा रहा है।

मनीमाजरा ईडब्ल्यूएस रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजबीर सिंह भारतीय, चेयरमैन सुभाष धीमान तथा भारतीय एकता मंच (पंजीकृत) चंडीगढ़ के जनरल सेक्रेटरी एवं संस्थापक पुनीत महाजन ने संयुक्त रूप से कहा कि वर्तमान में चंडीगढ़ का तापमान 40 से 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच रहा है। इसके बावजूद बस स्टैंड पर यात्रियों को राहत देने के लिए एक भी पंखा उपलब्ध नहीं है। उन्होंने कहा कि इस बस स्टैंड से प्रतिदिन हजारों लोग सेक्टर-16 सिविल अस्पताल, जीएमसीएच-32, पीजीआई, सेक्टर-17, आईटी पार्क, मंसादेवी मंदिर, जिला अदालत, हाईकोर्ट, सचिवालय, पंचकूला, मोहाली, डेराबस्सी, खरड़ तथा चंडीगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों के लिए सफर करते हैं। इनमें बड़ी संख्या में बुजुर्ग, महिलाएं, बच्चे, विद्यार्थी, कर्मचारी, मजदूर और मरीज शामिल होते हैं, जिन्हें बसों की प्रतीक्षा के दौरान भीषण गर्मी और उमस का सामना करना पड़ता है।

राजबीर सिंह भारतीय ने कहा कि बस स्टैंड के चारों ओर बड़े-बड़े विज्ञापन बोर्ड लगे हुए हैं, जिनसे लाखों रुपये का राजस्व प्राप्त होता है। यदि विज्ञापनों से आय अर्जित की जा सकती है तो यात्रियों की सुविधा के लिए पंखे और अन्य बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करवाने में आखिर क्या बाधा है? उन्होंने सवाल उठाया कि जनता से लिया जाने वाला किराया और राजस्व आखिर किन सुविधाओं पर खर्च किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रशासन समय-समय पर बस किराए में वृद्धि करता है, लेकिन यात्रियों को मिलने वाली सुविधाओं में अपेक्षित सुधार दिखाई नहीं देता। यह स्थिति आम नागरिकों के साथ अन्याय के समान है। जनता को सम्मानजनक और सुविधाजनक सार्वजनिक सेवाएं मिलना उसका अधिकार है। पुनीत महाजन ने मांग की कि केवल मनीमाजरा बस स्टैंड ही नहीं, बल्कि चंडीगढ़ और आसपास के गांवों के सभी बस स्टॉप पर पंखों एवं स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था की जाए। इसके अतिरिक्त सार्वजनिक पार्कों में पीने के पानी, शौचालयों और बाथरूमों की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि बरसात का मौसम शुरू होने से पहले सड़कों, गटरों, नालियों और बिजली व्यवस्था को भी दुरुस्त किया जाना चाहिए ताकि नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने चंडीगढ़ प्रशासन, नगर निगम तथा संबंधित विभागों से अपील की कि स्मार्ट सिटी की अवधारणा को धरातल पर उतारते हुए नागरिक सुविधाओं को प्राथमिकता दी जाए और आम जनता की समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाए।

इस अवसर पर बस स्टैंड का उपयोग करने वाले यात्रियों ने भी अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा कि भीषण गर्मी में बसों की प्रतीक्षा करना किसी परीक्षा से कम नहीं है। कई बार बसों के आने में देरी हो जाती है और तब तक लोग गर्मी से बेहाल हो जाते हैं।

यात्रियों ने प्रशासन से सवाल किया, आखिर कब तक हम झुलसाती गर्मी में बसों का इंतजार करते रहेंगे? कब मनीमाजरा बस स्टैंड पर पंखों की सुविधा उपलब्ध होगी?

यात्रियों का कहना है कि वे किसी विशेष सुविधा की मांग नहीं कर रहे, बल्कि केवल इतनी अपेक्षा रखते हैं कि प्रतिदिन हजारों लोगों द्वारा उपयोग किए जाने वाले बस स्टैंड पर कम से कम पंखों और ठंडे पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएं। उधर नरेंद्र नरेंद्र जतक अध्यक्ष ने बोला कि मोहाली खरड़ के आसपास भी इन सब सुविधाओं को दुरुस्त किया जाए यह पंजाब सरकार के उच्च अधिकारियों से निवेदन है

सामाजिक संगठनों और स्थानीय निवासियों ने चंडीगढ़ प्रशासन, चंडीगढ़ ट्रांसपोर्ट अंडरटेकिंग (सीटीयू) तथा नगर निगम से मांग की है कि जनहित के इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर तत्काल कार्रवाई करते हुए मनीमाजरा बस स्टैंड सहित शहर के अन्य प्रमुख बस स्टॉपों पर भी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएं, ताकि लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिल सके।

# चंडीगढ़ कर्मचारियों की समस्याओं का शीघ्र समाधान करे प्रशासन, अन्यथा संघर्ष होगा तेज : कोऑर्डिनेशन कमेटी एवं क्लास फोर यूनियन

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

11 जून (पुनीत महाजन)

चंडीगढ़ प्रशासन एवं विभिन्न विभागों में कार्यरत कर्मचारियों की लंबित मांगों और बढ़ती छंटनी के खिलाफ कर्मचारियों में रोष लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी कड़ी में आज क्लास फोर एम्प्लॉइज यूनियन, एजुकेशन डिपार्टमेंट, यू.टी. चंडीगढ़ (रजि. नं. 638) की मुख्य कार्यकारिणी की बैठक यूनियन के प्रधान अन्नु कुमार की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में कर्मचारियों से जुड़े विभिन्न ज्वलंत मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए प्रधान अन्नु कुमार ने कहा कि शिक्षा विभाग के सरकारी स्कूलों में कार्यरत मिड डे मील कर्मचारियों की वेतन वृद्धि लंबे समय से लंबित है, जिसके कारण कर्मचारियों को गंभीर आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यूनियन ने चंडीगढ़ प्रशासन से मांग की कि इस मामले का तुरंत स्थायी समाधान किया जाए।

बैठक में चंडीगढ़ के सरकारी कॉलेजों में कार्यरत क्लास फोर कर्मचारियों को रिलीव किए जाने के मामलों पर भी गहरी चिंता व्यक्त की गई। यूनियन ने मांग की कि कर्मचारियों को रिलीव करने की प्रक्रिया तुरंत रोकी जाए तथा प्रभावित कर्मचारियों को पुनः ड्यूटी पर बहाल किया जाए, क्योंकि इन कर्मचारियों की नौकरी ही उनके परिवारों की आजीविका का मुख्य आधार है।

इस बीच, रोड वर्कर्स यूनियन के आह्वान पर सेक्टर-38 स्थित कार्यालय में दूसरे दिन भी रोड वर्करों की गेट मीटिंग आयोजित की गई। कर्मचारियों ने जोरदार नारेबाजी करते हुए नौकरी से निकाले गए 44 रोड वर्करों को तुरंत काम पर वापस लेने की मांग उठाई। यूनियन नेताओं ने आरोप लगाया कि टेंडर प्रक्रिया में हो रही देरी का खामियाजा कर्मचारियों को भुगतना पड़ रहा है, जो पूरी तरह अनुचित है।

# हरियाणा में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को मिलेगी मजबूती

## इस पहल से क्षेत्र में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य संकेतकों में उल्लेखनीय सुधार होगा : आरती सिंह राव

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

11 जून (मुकेश डोलिया)

हरियाणा में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में आज एक बड़ा कदम उठाया गया है। प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग ने आज महेंद्रगढ़ जिले के अटेली स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (ष्ट।॥ष्ट) के अपग्रेडेशन और संचालन को मजबूत करने के लिए मेदांता फाउंडेशन पुअर एंड नीडी पेशेंट्स वेलफेयर ट्रस्ट% के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं। एमओयू पर हस्ताक्षर होने के बाद हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव तथा मेदांता फाउंडेशन के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक डॉ नरेश त्रेहन इस एमओयू को एक्सचेंज किया।

इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ सुमिता मिश्रा , मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च के निदेशक श्री यशेंद्र सिंह ,हरियाणा मेडिकल सर्विसेज कारपोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री मनोज कुमार ,स्वास्थ्य सेवाएं विभाग के महानिदेशक डॉ मनीष बंसल , निदेशक डॉ ब्रह्मदीप भी उपस्थित थे।

स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने इस एमओयू को प्रदेश के स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने सरकार और मेदांता के इस सहयोग की सराहना करते हुए बताया कि यह सहयोग सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) के माध्यम से दूर-दराज के क्षेत्रों में स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे और स्वास्थ्य परिणामों को बेहतर बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस पहल से क्षेत्र में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य संकेतकों में उल्लेखनीय सुधार होगा और लोगों को अपने घर के नजदीक ही बेहतरीन स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी।

उन्होंने बताया कि इस साझेदारी के तहत अटेली के स्वास्थ्य केंद्र को 50 बिस्तरों वाले उप-मंडल अस्पताल (सब-डिविजनल हॉस्पिटल) के रूप में अपग्रेड किया जाना प्रस्तावित है, जिसके बाद रेवाड़ी के मीरपुर और गुरुग्राम के फर्रुखनगर में भी इसी तरह के सुधार किए जाएंगे। इस रणनीतिक साझेदारी का मुख्य उद्देश्य बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाकर, विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करके, स्वास्थ्य कर्मियों की क्षमता निर्माण और सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं, नवजातों और बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच को आसान बनाना है। मेदांता फाउंडेशन के चेयरमैन डॉ नरेश त्रेहन ने बताया कि इस समझौते के तहत मेदांता फाउंडेशन अटेली में एक समर्पित सिजेरियन सेक्शन ऑपरेशन थिएटर की स्थापना, लेबर रूम का नवीनीकरण, अल्ट्रासाउंड और डायग्नोस्टिक उपकरणों की स्थापना के साथ-साथ मातृ एवं नवजात देखभाल सेवाओं को मजबूत करने और एक एनीमिया स्क्रीनिंग क्लिनिक स्थापित करने में पूरा सहयोग देगा। स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख सचिव डॉ सुमिता मिश्रा ने बताया कि यह फाउंडेशन एक स्वीकृत सेवा प्रदाता के माध्यम से स्त्री रोग विशेषज्ञ, बाल रोग विशेषज्ञ, एनेस्थेटिस्ट और रेडियोलॉजिस्ट सहित विशेषज्ञ चिकित्सा जनशक्ति की उपलब्धता भी सुनिश्चित करेगा। इस अनूठी पहल से क्षेत्र के लोगों को प्रिवेंटिव और क्यूरेटिव आउटपेशेंट (OPD) सेवाएं, महिलाओं के लिए कैंसर स्क्रीनिंग, पॉइंट-ऑफ-केयर डायग्नोस्टिक टेस्टिंग, नवजातों के लिए कंगारू मदर केयर (KMC) सुविधाएं, एम्बुलेंस सहायता और समुदाय में नियमित स्वास्थ्य आउटरीच कैंप जैसी महत्वपूर्ण सुविधाएं मिल सकेंगी। उन्होंने जानकारी दी कि यह समझौता शुरुआत में तीन साल की अवधि के लिए किया गया है, जिसे आपसी सहमति से आगे भी बढ़ाया जा सकता है।

इस व्यवस्था के तहत स्वास्थ्य विभाग आवश्यक बुनियादी ढांचा, उपयोगिताएं, दवाएं, प्रयोगशाला और डायग्नोस्टिक सहायता प्रदान करेगा, जबकि मेदांता फाउंडेशन तकनीकी विशेषज्ञता, उपकरण, क्षमता निर्माण और विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने में अपना योगदान देगा।

आरती सिंह राव ने विश्वास व्यक्त किया कि यह सहयोग हरियाणा में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने और राज्य के लोगों के लिए बेहतर स्वास्थ्य परिणाम सुनिश्चित करने के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय
Website : www.prathamnews.in

## एक नज़र

### पेपर लीक और परीक्षा विवाद पर CJP ने किया देशव्यापी आंदोलन का शंखनाद, आज जारी होगा 'शिक्षा मेनिफेस्टो'

**पुणे ( ब्यूरो ) :** देश भर में प्रतियोगी परीक्षाओं में हो रही धांधली और पेपर लीक के मामलों ने अब एक बड़े राष्ट्रीय आंदोलन का रूप ले लिया है। कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) ने गुरुवार को शिक्षा व्यवस्था में बड़े सुधार और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर देशव्यापी अभियान का शंखनाद कर दिया है। सीजेपी का साफ कहना है कि जब तक एक करोड़ से अधिक छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले शिक्षा मंत्री अपने पद से इस्तीफा नहीं देते, तब तक उनका यह विरोध प्रदर्शन रुकने वाला नहीं है।

**शिक्षा मेनिफेस्टो जारी, वांगचुक भी होंगे आंदोलन का हिस्सा:** पुणे में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने ऐलान किया कि यह देशव्यापी विरोध प्रदर्शन सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय परिसर से शुरू किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस मौके पर संगठन अपना 'शिक्षा घोषणापत्र' भी जारी कर रहा है। इस मेनिफेस्टो का मुख्य फोकस भविष्य में पेपर लीक की घटनाओं को रोकना, समय पर परीक्षाओं के रिजल्ट घोषित करना, भर्ती व प्रवेश परीक्षाओं में पूरी पारदर्शिता लाना और परीक्षा प्राधिकरणों की जवाबदेही तय करना है। दीपके ने स्पष्ट किया कि उनका यह प्रदर्शन पूरी तरह से शांतिपूर्ण और संविधान के दायरे में होगा। इस बड़े छात्र आंदोलन में मशहूर जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के भी शामिल होने की बात कही गई है।

**पुणे से उठी चिंगारी, 20 जून को जंतर-मंतर पर होगा महासंग्राम:** छात्रों के हक की यह लड़ाई सिर्फ एक शहर तक सीमित नहीं रहने वाली है। सीजेपी के अनुसार, यह राष्ट्रीय अभियान पुणे से शुरू होकर जयपुर, लखनऊ, अमृतसर और बेंगलुरु जैसे कई प्रमुख शहरों से गुजरेगा और अंत में 20 जून को नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर एक विशाल प्रदर्शन के रूप में समाप्त होगा। दीपके ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उनका संगठन बातचीत के लिए पूरी तरह खुला है, लेकिन प्रशासन उनकी बात सुनने के बजाय उनके सोशल मीडिया अकाउंट्स को ही सस्पेंड कर रहा है। उन्होंने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि सीजेपी देश के लिए एक बड़ा संदेश है; सरकार युवाओं की ताकत को नजरअंदाज नहीं कर सकती और उन्हें फर्जी बताने के बजाय उनकी असली समस्याओं को समझना होगा।

### दिल्ली के मायापुरी में स्टील कटिंग फैक्ट्री में लगी आग, टला बड़ा हादसा

**पश्चिमी दिल्ली ( ब्यूरो ):** मायापुरी में स्टील कटिंग एवं पैकिंग सामग्री बनाने वाली फैक्ट्री में बृहस्पतिवार को भीषण आग लग गई। देखते ही देखते कुछ ही मिनटों में आग पहली और दूसरी मंजिल पर फैल गई। प्राथमिक जानकारी के मुताबिक, लगभग 500 वर्ग गज क्षेत्र में बनी यह इमारत बेसमेंट, ग्राउंड फ्लोर और दो मंजिलों वाली है, जिसमें कुछ हिस्से अस्थायी तथा कुछ स्थायी निर्माण के हैं। आग की तीव्रता के कारण भवन का कुछ हिस्सा भी ढह गया। मौके पर दमकल की 18 गाड़ियां आग बुझाने के लिए पहुंचीं। फिलहाल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। साथ ही आग किस वजह से लगी इसका पता अभी नहीं चल सका है।

### इंडस्ट्रियल एरिया पुलिस ने 24 घंटे में किया लाखों की चोरी का खुलासा, माल समेत दो शातिर गिरफ्तार

**कानपुर ( सुनील बाजपेई ) -** पनकी थाना क्षेत्र में अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई लगातार जारी है, जिसके क्रम में पूर्व में अनेक अपराधियों को जेल की हवा खिलाने के साथ ही लाखों के माल की चोरी की घटना का भी 24 घंटे के अंदर सटीक खुलासा कर दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया गया। घटना के 24 घंटे के अंदर माल सहित चोरों को भी गिरफ्तार करने जैसी यह महत्वपूर्ण सफलता अपराधियों के खिलाफ लगातार सफल मोर्चा खोले और पीड़ितों की सहायता में भी आग्रणी माने जाने वाले इंडस्ट्रियल एरिया पनकी के तेज तर्रार व्यवहार कुशल चौकी प्रभारी विकास वर्मा की टीम को मिली।

अवगत कराते चलें कि योगी सरकार की मंशा के अनुरूप पीड़ितों की सहायता के साथ ही अपराधियों के खिलाफ भी लगातार सफल मोर्चा खोले लोकप्रिय कार्यशैली के जुझारू तेवरों वाले सरल और शालीन स्वभाव के चौकी प्रभारी विकास वर्मा की कर्तव्य के प्रति प्रगाढ़ निष्ठा उनकी जुझारू नौकरी के अब तक के कार्यकाल में सभी संगीन घटनाओं का सटीक खुलासा करते हुए दर्जनों शातिरों को सबक सिखाने में भी सफल हो चुकी है। प्राप्त विवरण के मुताबिक चौकी क्षेत्र इंडस्ट्रियल एरिया थाना पनकी स्थित एक फैक्ट्री से लगभग 2700 किलो वजन की लगभग 6 लाख से भी अधिक रुपए की कीमत वाली लेड की 108 सिल्लियां चोरी कर ली गईं थी। जिसकी सूचना के बाद तत्काल कार्यवाही में भी अग्रणी चौकी प्रभारी विकास वर्मा अपनी टीम के साथ सक्रिय होकर चोरों की तलाश में जुट गए। अंतत: लाखों की चोरी की इस घटना के खिलाफ उनका कठोर परिश्रम रंग लाया और घटना के 24 घंटे के अंदर ही लाखों की चोरी की इस घटना का सटीक खुलासा करते हुए पूरे माल सहित दोनों शातिर चोरों शिवम पुत्र प्रमोद निवासी ग्राम जौरासी थाना बिलोआ जिला ग्वालियर मध्य प्रदेश तथा उसके साथी अभिषेक कुशवाहा पुत्र राजेंद्र कुशवाहा निवासी बिलौआ जिला ग्वालियर मध्य प्रदेश को भी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

### अमेरिका ने ईरान पर फिर किए हमले, ट्रंप ने कहा- समझौते के करीब थे, लेकिन वो हमें टालते रहे

**वॉशिंगटन ( एजेंसी ):** संयुक्त राज्य अमेरिका ने ईरान के कई ठिकानों पर एक बार फिर से हमले शुरू कर दि?ए हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने चेतावनी दी है कि अगर तेहरान वॉशिंगटन के साथ परमाणु समझौते पर सहमत नहीं होता, तो उस पर सैन्य दबाव और बढ़ाया जाएगा। अमेरिकी सैन्य कार्रवाई बुधवार को शाम 5:15 बजे (ईस्टर्न टाइम) शुरू की गई। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप के निर्देश पर ईरान में कई ठिकानों पर 'आत्मरक्षा' में अतिरिक्त हमले किए गए। फ्लोरिडा के मैकडिल एयरफोर्स बेस पर सेंटकॉम के कमांडरों से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बात करते हुए हेगसेथ ने कहा, आज रात सेंट्रल कमांड काफी व्यस्त रहने वाला है, क्योंकि राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि हम ईरान पर कड़ा प्रहार करेंगे, और हम ऐसा करेंगे।

ईरान के पास एक अच्छा, बल्कि बहुत अच्छा समझौता करने का मौका है, जिससे वे उन बातों को आधिकारिक रूप दे सकते हैं, जिन्हें करने की बात वे पहले से कहते रहे हैं, लेकिन अब तक उन्होंने ऐसा नहीं किया है। व्हाइट हाउस में ट्रंप ने कहा कि कई महीनों की बातचीत के बावजूद ईरान ने वार्ता को आगे नहीं बढ़ाया।

# किसान कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता में शामिल

## 12 साल की उपलब्धियों में पीएम मोदी ने गिनाईं कृषि योजनाएं

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
11 जून ( ब्यूरो )

केंद्र में अपनी सरकार के 12 साल पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'किसान समृद्धि' का विशेष उल्लेख किया है। उन्होंने कहा कि पीएम-किसान सम्मान निधि और फसल बीमा योजना जैसी कई पहल किसानों की आय की सुरक्षा के साथ-साथ खेती को अधिक सशक्त बना रही हैं।

इसके साथ ही, पीएम मोदी ने कहा कि हमारे किसान भाई-बहन देश की अन्न सुरक्षा, पोषण और समृद्धि के आधारस्तंभ हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, हमारे किसान भाई-बहन देश की अन्न सुरक्षा, पोषण और समृद्धि के आधारस्तंभ हैं।

उनके जीवन को अधिक से अधिक आसान बनाने के लिए हमारी सरकार कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रही है। पीएम-किसान सम्मान निधि और फसल बीमा योजना जैसी कई पहल उनकी आय की सुरक्षा के साथ-साथ खेती को अधिक सशक्त बना रही हैं। पीएम-कुसुम योजना से जहां खेती के लिए उन्हें सौर ऊर्जा सुलभ हुई है, वहीं इससे खेती पर होने वाला खर्च भी कम हुआ है।

उन्होंने पोस्ट में लिखा, खेती सहित अन्य जरूरतों के लिए कम ब्याज पर आसानी से ऋण उपलब्ध कराने में किसान क्रेडिट कार्ड किसानों, पशुपालकों और मछुआरों के बहुत काम आ रहा है।

उनकी फसलों को उचित मूल्य दिलाने के लिए 'बीज से बाजार तक' की हमारी पहल भी बहुत कारगर साबित हो रही है।

पीएम मोदी ने यह भी कहा कि किसानों का कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। इसलिए उन्हें कृषि से जुड़ी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने पर हमारा निरंतर जोर रहा है। उन्होंने कहा, ड्रोन, सॉयल हेल्थ कार्ड और प्राकृतिक खाद से जुड़े अभियानों से भी किसानों को फसल की उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिल रही है। एक अन्य पोस्ट में पीएम मोदी ने 'संस्कृत सुभाषितम्' शेयर करते हुए लिखा, कृषि केवल जीविका का साधन नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के पोषण का मूल आधार है। हमारे किसान भाई-बहनों का पसीना जब मिट्टी में मिलता है तो अन्न बनकर देशवासियों के जीवन को संबल देता है। ते कृषिं च सस्यं च मनुष्या उप

जीवन्ति।कृष्टराधिरुपजीवनीयो भवति य एवं वेद।

'संस्कृत सुभाषितम्' में कहा गया है, खेती और फसल ही मनुष्य के जीवन का आधार हैं। जो व्यक्ति इस सत्य को समझता है, वही कृषि कार्य को सही ढंग से करता है और उसी के माध्यम से समाज का भरण-पोषण होता है।

गौरतलब है कि पिछले एक दशक में भारतीय कृषि क्षेत्र में केंद्र सरकार ने कई पहलों को शुरू किया है, उनका उद्देश्य किसानों को सशक्त बनाने और उनकी बेहतर आय रहा है।

आंकड़ोंकेअनुसार,प्रधानमंत्रीफसल बीमायोजना (पीएमएफबीआई) के तहत 4 करोड़ से अधिक किसान को बीमा का लाभ मिला है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) के तहत अब तक देशभर में किसानों के खातों में 4.27 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि भेजा जा चुकी है। 2014-2025 के बीच जलवायु के अनुकूल फसलों की लगभग 3,000 किस्में जारी की गईं।

कृषि अवसंरचना कोष के तहत 84,200 करोड़ रुपए से अधिक मंजूर किए गए, जिससे 1.33 लाख करोड़ रुपए का निवेश हुआ।

इसके अलावा, शुरुआत से अब तक परंपरागत कृषि विकास योजना (पीकेवीवाई) के तहत लगभग 19 लाख हेक्टेयर जमीन शामिल की गई। 11 करोड़ किसानों के लिए एग्रीस्टैक फार्मर आईडी और 'पर ड्रॉप मोर क्रॉप' के तहत 109 लाख हेक्टेयर खेती को कवर किया जा चुका है। पीएम किसान मानधन योजना के तहत लगभग 25 लाख किसान जुड़े। पीएम धन-धान्य कृषि योजना के तहत 24,000 करोड़ बांटे जा चुके हैं। वहीं, देश भर में लगभग 26 करोड़ सॉइल हेल्थ कार्ड जारी किए गए।

# होर्मुज से गुजर रहे जहाज पर अमेरिका का हमला

## दो भारतीयों की मौत की पुष्टि चीफ इंजीनियर अब भी लापता

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
11 जून ( एजेंसी )

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के पास ओमान तट के पास वाणिज्यिक पोत 'एमटी सेट्टेबेलो' पर हुए हमले में दो भारतीय नाविकों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि मुख्य अभियंता (चीफ इंजीनियर) अभी भी लापता हैं। फॉरवर्ड सीमेन यूनियन ऑफ इंडिया (FSUI) के महासचिव मनोज यादव ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया और दावा किया कि अमेरिकी नौसेना को जहाज पर सवार क्रू की राष्ट्रीयता के बारे में पूरी जानकारी थी।

विदेश मंत्रालय (MEA) ने हमले की कड़ी निंदा करते हुए बताया कि जहाज पर सवार 24 भारतीय क्रू सदस्यों में से 21 को सुरक्षित बचा लिया गया है। ओमान स्थित भारतीय दूतावास लापता नागरिकों की खोज के लिए स्थानीय अधिकारियों के साथ

लगातार समन्वय कर रहा है। लापता तीन में दो की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि चीफ इंजीनियर की तलाश जारी है।

मनोज यादव ने कहा कि पोत से संपर्क बुरी तरह से बाधित हो गया है और विवरणों की पुष्टि अभी भी की जा रही है। उन्होंने समाचार एजेंसी एएनआई को बताया कि जहाज से संपर्क स्थापित करने में असमर्थ रहे। नवीनतम जानकारी के अनुसार, दो लोगों की मौत हो गई है और चीफ इंजीनियर अभी भी लापता हैं। उन्होंने बताया कि प्रभावित तीनों नाविक भारत के अलग-अलग राज्यों से थे हिमाचल प्रदेश, देवरिया (उत्तर प्रदेश) और आंध्र प्रदेश।

मनोज यादव ने कहा कि वह यह मानने से इनकार करते हैं कि अमेरिका को जहाजों पर सवार लोगों की राष्ट्रीयता के बारे में जानकारी नहीं थी। उनका कहना था कि उन्हें 101% यकीन है कि अमेरिकी नौसेना को यह ठीक-ठीक पता था कि जहाज पर कितने भारतीय और विदेशी नागरिक सवार थे। अगर जहाजों ने उनके निर्देशों का पालन नहीं किया, तो उन्हें हिरासत में लेना उचित विकल्प था।

इससे पहले, विदेश मंत्रालय ने सोमवार को ओमान के तट पर स्थित जहाज एमटी सेट्टेबेलो पर हुए हमले की निंदा करते हुए कहा था कि जहाज पर सवार 24 भारतीय चालक दल के सदस्यों में से 21 को बचा लिया गया, जबकि तीन अभी भी लापता हैं।

ओमान स्थित भारतीय दूतावास स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है और खोज एवं बचाव अभियान में स्थानीय अधिकारियों के साथ सक्रिय रूप से समन्वय कर रहा है।

### बेहद चिंताजनक, इसे तुरंत रोका जाना चाहिए, खाड़ी इलाकों में जहाजों पर हो रहे हमलों की भारत ने की निंदा

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
11 जून ( ब्यूरो )

नई दिल्ली। भारत ने हाल ही में हुए खाड़ी इलाके में भारतीय नाविकों वाले टैंकरों पर हुए हमलों की कड़ी निंदा की है। विदेश मंत्री ने इन हमलों को बेहद चिंताजनक बताते हुए कहा कि इन्हें तुरंत रोका जाना चाहिए।

इस हफ्ते की शुरुआत में ओमान के तट के पास अमेरिकी सेना के हमले का शिकार हुए एक जहाज पर मौजूद तीन भारतीय नाविकों की मौत हो गई थी; शुरुआत में उनके लापता होने की खबर थी, लेकिन बाद में मौत की पुष्टि हुई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को कहा, हाल के दिनों में पश्चिम एशिया में भारतीय नाविकों से जुड़ी कई घटनाएं हुई हैं। हम अपने नाविक समुदाय की भलाई और सुरक्षा को बहुत महत्व देते हैं। इस बात को फिर से दोहराने की जरूरत नहीं है।

**संघर्ष का सीधा नतीजा:** जायसवाल जायसवाल ने आगे कहा, कल हमने ओमान के तट के पास एक जहाज पर हुए हमले की निंदा की, जिसमें दुर्भाग्य से हमारे तीन भारतीय नागरिकों की मौत हो गई। हमने कड़ा विरोध दर्ज कराने के लिए अमेरिकी CDA को तलब किया था। इस क्षेत्र में जहाजों पर लगातार हो रहे हमले बेहद चिंताजनक हैं। ये मिडिल ईस्ट में चल रहे संघर्ष का सीधा नतीजा है। इन हमलों को रोका जाना चाहिए और संघर्ष खत्म होना चाहिए। इसके बाद 10 जून को एमटी सेटेबेलो (MT Settebello) जहाज पर हमला हुआ, जिस पर 24 भारतीय नाविक सवार थे। इनमें से 3 भारतीय नाविकों की मौत हो गई, जबकि 21 को सुरक्षित निकाल लिया गया। 11 जून को हुए ताजा हमले में एमटी जलवीर' (MT Jalveer) को निशाना बनाया गया। जहाज पर सवार सभी 20 भारतीय नाविक सुरक्षित हैं।

# भारत की सख्ती के आगे झुका नेपाल, PM के 'ऊलजलूल' बयान पर डैमेज कंट्रोल; संसद में बैकफुट पर आई सरकार

» प्रथम न्यूज । काठमांडू
11 जून ( ब्यूरो )

भारत के साथ सीमा विवाद को लेकर दिए गए बेतुके बयान के बाद आखिरकार नेपाल की अक्ल ठिकाने आ गई है। पिछले महीने नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने यह कहकर एक बड़ा कूटनीतिक विवाद खड़ा कर दिया था कि वे भारत के साथ सीमा विवाद सुलझाने के लिए चीन और ब्रिटेन के पास जाएंगे। भारत की ओर से कड़ा संदेश दिए जाने के बाद कि इस मामले में किसी तीसरे देश का दखल बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, अब नेपाल सरकार डैमेज कंट्रोल में जुट गई है। नेपाल के विदेश मंत्री ने खुद अपनी संसद में इस बात को स्वीकारा है कि भारत-नेपाल सीमा विवाद पूरी तरह से एक द्विपक्षीय मामला है और इसमें किसी भी तीसरे पक्ष की कोई भूमिका नहीं है।

### संसद में बैकफुट पर आई सरकार, विदेश मंत्री ने दी सफाई

नेपाली संसद को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने प्रधानमंत्री बालेन शाह के बयान से उपजे विवाद को शांत करने की कोशिश की।

उन्होंने सदन में स्पष्ट किया कि नेपाल-भारत सीमा एक द्विपक्षीय मुद्दा है और नेपाल हमेशा से इसे ऐतिहासिक समझौतों के आधार पर आपसी बातचीत के जरिए ही सुलझाना चाहता है। उन्होंने प्रधानमंत्री के बयान पर सफाई देते हुए कहा कि उनका इरादा किसी तीसरे पक्ष से मध्यस्थता कराने का नहीं था।

खनाल ने तर्क दिया कि प्रधानमंत्री का मतलब केवल यह था कि अगर

'सुगौली संधि' के दौर के ऐतिहासिक दस्तावेज चीन या ब्रिटेन के पास उपलब्ध हैं, तो उनका उपयोग सिर्फ तकनीकी प्रक्रिया में मदद के लिए किया जा सकता है। इससे पहले अपने भारत दौरे पर भी खनाल ने आपसी बातचीत से ही विवाद सुलझाने की बात कही थी।

### पीएम बालेन शाह ने क्या दिया था विवादित बयान?

यह पूरा बवाल नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह के उस अजब-गजब दावे के बाद शुरू हुआ था जो उन्होंने बीते महीने संसद में किया था। शाह ने कहा था कि जिस तरह भारत ने नेपाली जमीन पर अतिक्रमण किया है, वैसे ही नेपाल ने भी कई जगहों पर भारत के क्षेत्रों में अतिक्रमण किया है। इस दौरान उन्होंने विवाद सुलझाने के लिए चीन और ब्रिटेन का जिक्र छेड़ दिया। उनका तर्क था कि चूंकि ब्रिटिश सरकार इस क्षेत्र को छोड़कर गई थी, इसलिए काठमांडू ने इस मुद्दे पर ब्रिटेन और चीन के साथ राजनयिक चर्चा की है। उनके इस बयान की नेपाल के अंदर भी तीखी आलोचना हुई, जिसके बाद अब सरकार को अपनी स्थिति स्पष्ट करनी पड़ रही है।

### भारत ने कड़े शब्दों में समझा दिया था अपना रुख

नेपाल और भारत के बीच कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा को लेकर एक पुराना सीमा विवाद है, जिस पर नेपाल अपना दावा ठोकता रहा है।

हालांकि, भारत हमेशा से यह स्पष्ट करता आया है कि ये क्षेत्र उत्तराखंड का अभिन्न अंग हैं। नेपाली प्रधानमंत्री के इस हालिया बयान पर भारत ने कड़ी आपत्ति जताई थी। भारतीय विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया था कि भारत-नेपाल सीमा का लगभग 98 प्रतिशत हिस्सा पूरी तरह से निर्धारित हो चुका है। मंत्रालय ने यह भी बताया कि जो कुछ हिस्से अनसुलझे हैं, वे मुख्य रूप से गंडक नदी के मार्ग में बदलाव के कारण हैं।

भारत ने साफ कर दिया है कि किसी भी तरह के विवाद का समाधान केवल द्विपक्षीय बातचीत से ही निकाला जाएगा।

# नौसेना की ताकत में बड़ा इजाफा, प्रोजेक्ट 17A के पांचवें स्टील्थ फ्रिगेट दूनागिरी का नया क्रेस्ट लॉन्च

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
11 जून ( ब्यूरो )

भारतीय नौसेना की समुद्री युद्ध क्षमता को और अधिक मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम उठाया गया है. गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (GRSE) द्वारा निर्मित प्रोजेक्ट 17A के पांचवें स्टील्थ फ्रिगेट दूनागिरी (Dunagiri) के आधिकारिक क्रेस्ट (प्रतीक चिह्न) को लॉन्च कर दिया गया है. यह नया क्रेस्ट युद्धपोत की अटैकिंग पॉवर, एक्यूरेसी और एडवांस वॉरफेयर की क्षमता को दिखाता है.

### क्रेस्ट में दिखी शक्ति और सटीकता की झलक

दूनागिरी के क्रेस्ट में हिमालय की ऊंची पर्वत चोटी से उड़ान भरते हुए ऑसप्रे शिकारी पक्षी को दिखाया गया है. यह प्रतीक एक ऐसे योद्धा की भावना को दिखाता है जो हर परिस्थिति में तेजी से उड़ान भरने, दुश्मन पर झपट्टा मारने और सर्जिकल सटीकता के साथ हमला करने में सक्षम हो.

### Victor4ism4 Profession बना युद्धपोत का मूलमंत्र

दूनागिरी का आधिकारिक मोटो Victor4 is m4 Profession यानी विजय ही मेरा पेशा रखा गया है. भारतीय नौसेना का मानना है कि यह अत्याधुनिक स्टील्थ फ्रिगेट भविष्य के समुद्री अभियानों में एक महत्वपूर्ण फोर्स मल्टीप्लायर साबित होगा.

यह युद्धपोत हिंद महासागर क्षेत्र सहित भारत के सामरिक समुद्री हितों की रक्षा में अहम भूमिका निभाएगा और नौसेना की ऑपरेशनल क्षमता को नई मजबूती देगा.

### प्रोजेक्ट 17A आत्मनिर्भर भारत की बड़ी उपलब्धि

दूनागिरी, प्रोजेक्ट 17A के तहत तैयार की जा रही नीलगिरी क्लास स्टील्थ फ्रिगेट्स का हिस्सा है. इस परियोजना को भारतीय नौसेना के आधुनिकीकरण और स्वदेशी रक्षा उत्पादन को बढ़ावा देने की दिशा में बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है. करीब

75 प्रतिशत स्वदेशी तकनीक और उपकरणों से निर्मित यह युद्धपोत आत्मनिर्भर भारत अभियान का भी मजबूत उदाहरण है.

### पुराने INS Dunagiri की विरासत को आगे बढ़ाएगा नया युद्धपोत

यह आधुनिक फ्रिगेट भारतीय नौसेना के पुराने INS Dunagiri की विरासत को आगे बढ़ाएगा, जिसने साल 1977 से 2010 तक लगभग 33 सालों तक देश की सेवा की थी.

अब उसी नाम से तैयार यह नया स्टील्थ फ्रिगेट कहीं अधिक आधुनिक और घातक क्षमताओं के साथ नौसेना के बेड़े का हिस्सा बनने जा रहा है.

भारतीय नौसेना के लिए दूनागिरी केवल एक युद्धपोत नहीं, बल्कि देश की बढ़ती समुद्री शक्ति, स्वदेशी रक्षा निर्माण क्षमता और रणनीतिक आत्मनिर्भरता का प्रतीक माना जा रहा है. फिलहाल INS की आधिकारिक कमिशनिंग डेट घोषित नहीं की गई है.

हालांकि, युद्धपोत 30 मार्च 2026 को भारतीय नौसेना को डिलीवर किया जा चुका है और वर्तमान में उसके अंतिम ऑपरेशनल ट्रायल, हथियार प्रणाली परीक्षण और क्रू इंटीग्रेशन की प्रक्रिया चल रही है. रक्षा सूत्रों के अनुसार, INS Dunagiri को जल्द भारतीय नौसेना में औपचारिक रूप से कमीशन किए जाने की संभावना है

### आधुनिक हथियारों और तकनीक से लैस

**दूनागिरी में कई अत्याधुनिक हथियार और सेंसर सिस्टम लगाए गए हैं, जिनमें शामिल हैं**

- ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल
- MF-STAR एडवांस्ड रडार सिस्टम
- आधुनिक एंटी-सबमरीन हथियार
- अत्याधुनिक टॉरपीडो और रॉकेट सिस्टम
- स्टील्थ डिजाइन, जिससे रडार पर पकड़ना मुश्किल होता है
- यह युद्धपोत दुश्मन की पनडुब्बियों, सतही जहाजों और हवाई खतरों से एक साथ मुकाबला करने में सक्षम होगा